सूर्योदय दि. 31-10-2021
दिल्ली स्टै. टा.
सूर्यास्त दि.30-17/33 दि.5 -17/37

अधिकतम तापमान 11.1°
न्यूनतम तापमान 22.1°

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI No.DELHIN/2015/66886

ओपन सर्च

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in Website | www.opensearch.co.in

सनी लियोनी ने ब्लैक हाई स्लिट...पृष्ठ-8

वर्ष : 06 अंक : 211 नई दिल्ली, रविवार 31 अक्टूबर -2021 नई दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से प्रसारित ₹ मूल्य : 02 रूपए पृष्ठ : 08

जी20 शिखर सम्मेलन: कन्वेंशन सेंटर में पीएम मोदी का जोरदार स्वागत

बाइडन संग दिखाया हाई पंच, मैक्रों से गले मिले

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पांच दिवसीय दौरे पर इटली गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को रोम स्थित रोमा कन्वेंशन सेंटर पहुंचे। यह वही जगह है जहां पर दुनिया के तमाम देश जी20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा ले रहे हैं। इस दौरान रोमा कन्वेंशन सेंटर में पारिवारिक फोटो के लिए पीएम नरेंद्र मोदी और अन्य देशों के नेताओं ने हिस्सा लिया।

नरेंद्र मोदी ने जी 20 सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और फ्रांस के राष्ट्रपति एमेनुएल मैक्रों से मुलाकात की। हालांकि ये मुलाकात अनौपचारिक ही थी और इस दौरान ये नेता बेहद दोस्ताना अंदाज में नजर आए। इसके बाद पीएम मोदी ने कार्यक्रम से इतर भी फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों से मुलाकात की। इस दौरान एनएसए अजित डोवाल भी मौजूद रहे।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक, इटली के प्रधानमंत्री मारियो द्राघी खुद पीएम मोदी को रिसीव करने पहुंचे थे। इससे पहले पीएम मोदी ने यूरोपियन परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल व यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन से भी मुलाकात की थी। प्रधानमंत्री मोदी और अन्य देशों के नेता वैश्विक अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य सत्र में शामिल हुए। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि पोप ने महामारी के दौरान जरूरतमंद देशों को भारत की सहायता की सराहना की। इसके अलावा अन्य देशों के नेताओं ने कोविड-19 महामारी और दुनिया भर के लोगों के लिए इसके परिणामों पर बात की। उन्होंने जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौती पर भी गहराई से चर्चा की। विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने यूरोपीय आयोग व परिषद के अध्यक्षों व इटली के पीएम के साथ बैठक की थी।

इस दौरान जलवायु परिवर्तन, अफगानिस्तान व अन्य क्षेत्रीय व वैश्विक हितों पर चर्चा हुई थी।

यह आठवां जी20 शिखर सम्मेलन है, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी शामिल होंगे। इस बार होने वाली बैठक की थीम जनता, पृथ्वी व समृद्धि है। यह विषय संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास के एजेंडा 2030 पर आधारित है। पिछले साल जी20 शिखर बैठक कोरोना महामारी के कारण वर्चुअल हुई थी। उसकी मेजबानी सऊदी अरब ने की थी। इससे पहले जून 2019 में जापान के ओसाका में हुई जी-20 बैठक में पीएम मोदी ने व्यक्तिगत तौर पर भाग लिया था।

मोदी ने पोप फ्रांसिस को दिया भारत आने का न्योता

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज सुबह यहां वेटिकन सिटी पहुंच कर ईसाइयों के सर्वोच्च धर्मगुरू पोप फ्रांसिस से बहुत गर्मजोशी से मुलाकात की और उन्हें भारत की यात्रा के लिए आमंत्रित किया। श्री मोदी स्थानीय समयानुसार करीब साढ़े आठ बजे वेटिकन के प्रांगण में पहुंचे जहां वेटिकन के वरिष्ठ अधिकारियों से उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। श्री मोदी के साथ आये प्रतिनिधिमंडल विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी शामिल थे। बाद में श्री मोदी ने जब पोप से मुलाकात की तो पोप ने उन्हें गले लगा लिया।

हम देश की संस्कृति और सनातन धर्म को प्रोत्साहित करने वाली गतिविधियों का करते हैं समर्थन : अमित शाह

हरिद्वार (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि हम उन गतिविधियों का समर्थन करते हैं जो हमारे देश की संस्कृति और सनातन धर्म को प्रोत्साहित करती हैं। पिछले 50 वर्षों की अवधि में, हम सुधरेंगे तो युग बदलेगा वाक्य द्वारा लाए गए परिवर्तन को देख सकते हैं। अमित शाह ने ये बातें हरिद्वार स्थित गायत्री तीर्थ शांतिकुंज के स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में व्याख्यान माला का आयोजन पर कही। आज शनिवार को गायत्री तीर्थ शांतिकुंज के स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। व्याख्यान माला में बतौर मुख्य वक्ता केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा वर्तमान एजुकेशन सिस्टम हमें बौद्धिक विकास और विचार दे सकता है, पर यह हमें आध्यात्मिक शांति नहीं दे सकता। आध्यात्मिक शांति के लिए देव संस्कृति विश्वविद्यालय जैसे विश्वविद्यालयों की आवश्यकता है, जो भारतीय सांस्कृतिक धार्मिक परंपरा और आधुनिक शिक्षा के समायोजन से मजबूत विचारशील सांस्कृतिक शिक्षा प्रदान कर रहे हैं।

कहा कि गायत्री मंत्र के विधि सम्मत तरीके से नियमित लगातार उच्चारण करने से मनुष्य, देवत्व को प्राप्त करता है। यही एकमात्र रास्ता है जो मानव को महामानव बनाता है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि व्यक्ति में संयम और करुणा दोनों का समावेश अवश्य होना चाहिए और उसके मन में पर पीड़ा के प्रति संवेदना भी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें स्व की भावना छोड़कर हम पर सोचना और कर्म करना चाहिए।

गृह मंत्री अमित शाह ने नागरिक कर्तव्यों के पालन का आह्वान करते हुए कहा कि संविधान प्रदत्त अधिकारों के लिए देश में आंदोलन तो बहुत होते हैं, पर उसी संविधान में दर्ज कर्तव्यों के पालन के लिए ना तो हम कोई आंदोलन करते हैं और ना ही उसका पालन करते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा विरोधाभास नहीं होना चाहि। जब हम ऐसा कर सकेंगे तभी देश को महान बना सकेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश एक बड़े बदलाव से गुजर रहा है यह बदलाव आर्थिक समाजिक तो है ही साथ में शैक्षिक और आध्यात्मिक भी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर में पूजन और दर्शन के बाद भभूत लगाकर गंगा तट पर गंगा आरती कर इस बदलाव का शुभारंभ किया था।

देश जिसे अब देख रहा है। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति देश की मिट्टी की सुगंध वाली शिक्षा नीति है, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों और नेतृत्व में स्थापित किया गया है। यह देश में बहुत बड़े बदलाव का बीज बोया गया है।

हरिद्वार स्थित गायत्री तीर्थ शांतिकुंज के स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। इसमें गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि हम उन गतिविधियों का समर्थन करते हैं जो हमारे देश की संस्कृति और सनातन धर्म को प्रोत्साहित करती हैं।

देश में 24 घंटे में कोरोना के 14 हजार से ज्यादा नए मामले

नई दिल्ली एजेंसी।

देश में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस के 14 हजार से अधिक मामले दर्ज किये गये हैं। इस बीच देश में शुक्रवार को 56 लाख 91 हजार 175 लोगों को कोरोना के टीके लगाये गये और अब तक एक

अरब पांच करोड़ से अधिक कोविड टीके लग चुके हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शनिवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में कोरोना के 14,313 नये मामले सामने आने के साथ ही संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर तीन करोड़ 42 लाख 30 हजार 663 हो गया है। इस दौरान 13 हजार 543 मरीजों के स्वस्थ होने के बाद इस महामारी को मात देने वालों की कुल संख्या बढ़कर 3,36,09,059 हो गयी है। सक्रिय मामले 221 बढ़कर एक लाख 64 हजार 382 हो गये हैं। इसी अवधि में 549 मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर चार लाख 56 हजार 322 हो गया है। देश में सक्रिय मामलों की दर घटकर 0.47 फीसदी, रिकवरी दर 98.19 फीसदी और मृत्यु दर 1.34 फीसदी है। सक्रिय मामलों में केरल अभी देश में पहले स्थान पर है।

राज्य में पिछले 24 घंटों में 603 सक्रिय मामले बढ़ने से इनकी संख्या अब 79331 हो गयी है। वहीं 6648 मरीजों के स्वस्थ होने से कोरोनामुक्त होने वालों की तादाद बढ़कर 4843576 हो गयी है। इसी अवधि में 471 मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 31156 हो गयी है।

महाराष्ट्र में सक्रिय मामले घटकर 22084 रह गये हैं जबकि 36 और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 140170 हो गयी है। वहीं कोरोनामुक्त होने वालों की संख्या 1584 बढ़कर 6447038 हो गयी है।

तीन राज्यों की तीन लोकसभा सीटों, 29 विस सीटों पर उपचुनाव के लिए मतदान शांतिपूर्ण ढंग से शुरू

नई दिल्ली एजेंसी।

देश के तीन राज्यों की तीन लोकसभा सीटों समेत 13 राज्यों के विधानसभा की 29 सीटों पर शनिवार को रहे उपचुनाव में मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से चल रही है। चुनाव आयोग की जानकारी के मुताबिक मतदान प्रक्रिया के दौरान पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम के साथ ही कोविड बचाव उपाय भी सुनिश्चित किए गए है।

अधिकतर सीटों पर मुख्य मुकाबला भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस के बीच है। जहां दादरा एवं नगर हवेली, हिमाचल प्रदेश के मंडी और मध्य प्रदेश के खंडवा में लोकसभा सीटों पर उपचुनाव हो रहे हैं। वहीं, जिन 29 विधानसभा सीटों पर मतदान हो रहा है उनमें असम में पांच, पश्चिम बंगाल में चार, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश तथा मेघालय में तीन-तीन, बिहार, राजस्थान और कर्नाटक में दो-दो जबकि आंध्र प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र, मिजोरम तथा तेलंगाना की एक-एक सीट शामिल है। मतगणना दो नवंबर को होगी। नगालैंड की शमातोर-चेसोर विधानसभा सीट पर भी उपचुनाव की घोषणा की गई थी, हालांकि, क्षेत्रीय दल नेशनलिस्ट डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (एनडीपीपी) के उम्मीदवार को 13 अक्टूबर को निर्विरोध विजयी घोषित किया गया। लोकसभा की तीन सीटों पर सदस्यों के निधन के चलते उपचुनाव हो रहे हैं। वहीं, कुछ विधानसभा सीटों पर विधायक के निधन के कारण जबकि कई सीटों पर विजयी उम्मीदवार के दल बदकर इस्तीफा देने के कारण सीट रिक्त हुई थीं। हिमाचल प्रदेश में मंडी लोकसभा और अर्की, फतेहपुर तथा जुब्बल-कोटखाई विधानसभा सीटों पर हो रहे उप चुनाव को राज्य में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव की पूर्व परीक्षा के तौर पर देखा जा रहा है। इन चारों सीट पर उप चुनाव, मौजूदा सांसद और विधायकों के निधन के चलते कराए जा रहे हैं। मध्य प्रदेश में हो रहे उपचुनाव की चार सीटों में से खंडवा लोकसभा सीट सहित दो सीटों पर भाजपा का कब्जा था, जबकि बाकी दो सीट कांग्रेस के पास थीं। वहीं बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और कांग्रेस दोनों दो सीटों तारापुर (मुंगेर) और कुशेश्वर अस्थान (दरभंगा) पर विधानसभा उपचुनाव लड़ रहे हैं।

राज्य की सत्ताधारी जनता दल (यूनाइटेड) पिछले विधानसभा चुनावों में दोनों सीटें जीती थीं। ऐसे में उसके लिए यह चिंता का कारण है क्योंकि राज्य विधानसभा में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के पास मामूली बहुमत है। दोनों सीटें हारने से एनडीए की सरकार को मुश्किलें हो सकती हैं। असम में भाजपा का लक्ष्य पांच में से तीन सीटों पर जीत हासिल करना है जो उन्हें बहुमत के करीब ले जाएगा।

गांधी-पटेल का नाम सिर्फ राजनीतिक इस्तेमाल के लिए : तुषार गांधी

नई दिल्ली एजेंसी।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के प्रपौत्र एवं लेखक तुषार गांधी का कहना है कि मौजूदा राजनीति में बापू और सरदार पटेल के सम्मान के नाम पर योजनायें शुरू करने और मूर्तियां लगाने का काम सांकेतिक राजनीति का हिस्सा है और राजनेता अब केवल अपने राजनीतिक इस्तेमाल के लिए उन्हें याद करते हैं।

श्री तुषार गांधी ने कहा कि दोनों महान नेताओं के विचारों और रास्ते पर चलने की कोशिश नहीं की जा रही है। उन्होंने यूनीवार्ता से ख़ास बातचीत के दौरान इस सवाल पर कि क्या महात्मा गांधी की हत्या से पहले उनकी सुरक्षा में चूक के लिए तत्कालीन गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल को जिम्मेदार मानते हैं, कहा कि यह बात सही है कि बापू की सुरक्षा में चूक हुई और भले ही इसके लिए सुरक्षा से जुड़े पुलिस अधिकारी और दूसरे लोग सीधे तौर पर ज़िम्मेदार हैं, लेकिन सरदार पटेल तब केन्द्रीय गृह मंत्री थे, तो नेतृत्व की ज़िम्मेदारी को लेकर उन पर सवाल उठाया जा सकता है। रविवार को देश भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती है।

श्री तुषार गांधी ने हाल में अहमदाबाद के साबरमती आश्रम के पुनर्विकास के लिए सरकार की 1200 करोड़ रुपये की योजना के ख़िलाफ़ गुजरात उच्च न्यायालय में याचिका दायर की है और इस पर रोक लगाने की मांग की है। श्री तुषार गांधी तर्क देते हैं कि साबरमती आश्रम गांधी की सादगी और विचारों का प्रतीक है और देश दुनिया से लोग उसे देखने और महसूस करने आते हैं। यदि उसे पर्यटन स्थल के तौर पर विकसित किया और आधुनिकीकरण किया गया तो उस स्थान का महत्व ही खत्म हो जाएगा।

दिल्ली सरकार ने राष्ट्रीय एकता साइकिल रैली के साथ मनाया राष्ट्रीय एकता दिवस

विजय कुमार.ओपन सर्च

नई दिल्ली। सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर, सामान्य प्रशासन विभाग, जीएनसीटीडी द्वारा 29 अक्टूबर 2021 को कर्मचारियों और आम जनता के लिए साइकिल रैली का आयोजन करके एकता दिवस मनाया गया। रैली को माननीय एलजी द्वारा झंडी दिखाकर रवाना किया गया था।

रैली का रास्ता वाइस रीगल लॉज से राज घाट तक था। माननीय उपराज्यपाल श्री अनिल बैजल ने साइकिलिंग के प्रति उत्साही लोगों के समूह को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले सात वर्षों से सरदार वल्लभाई पटेल की याद में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जा रहा है। वह भारत के पहले उप प्रधान मंत्री और गृह मंत्री थे। उन्हें लौह पुरुष के रूप में भी जाना जाता था, क्योंकि उन्होंने न केवल प्रशासन में बल्कि देश के एकीकरण में भी योगदान दिया था। उनका दृढ़ विश्वास था कि ब्रिटिश शासन से हमारी स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए, पहले रियासतों को समेकित करना आवश्यक था। जिसमें 562 विषम रियासतें थीं। उनका मानना था कि जब तक वे एक साथ नहीं होंगे, हम आजादी प्राप्त नहीं कर पाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि यह वर्तमान सरकार विशेष रूप से महसूस करती है कि एक फिट भारत ही वह देश हो सकता है। हम बाकी दुनिया से देख और सीख सकते हैं कि ऐसे देश में विकास कैसे किया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि आने वाले समय में साइकिल चालकों और पैदल चलने वालों के लिए सड़कों पर अपनी जगह होगी और इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं। हम अपनी आजादी की 75वीं वर्षगांठ भी मना रहे हैं। एक फिट भारत ही एक मजबूत भारत हो सकता है। अपने स्वागत भाषण में, मुख्य सचिव विजय कुमार देव ने कहा, राष्ट्रीय एकता दिवस वह दिन है, जो हमें राष्ट्र निर्माण के लिए खुद को फिर से समर्पित करता है। साथ ही, राष्ट्र निर्माण के इस कार्य को एक से अधिक तरीकों से किया जाना चाहिए। यह नागरिकों के बीच एकता अन्य प्रतिबद्धताओं के साथ पहली आवश्यकता है, जो साइकिल रैली का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने आगे कहा कि, आज की साइकिल रैली पारिस्थितिकी और पर्यावरण के संरक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और फिट व स्वस्थ रहने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करती है। ये दोनों समान रूप से महत्वपूर्ण प्रतिबद्धताएं हैं, जो वास्तव में, हमारे लचीले और मजबूत राष्ट्र के लिए दो निर्माण खंड हैं।

अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता ने विशेष रूप से दिल्ली के माननीय एलजी को अंतिम धन्यवाद ज्ञापन दिया। अनिल बैजल को इतने लंबे लॉकडाउन के बाद इस साइकिल रैली में उनके मार्गदर्शन और उपस्थिति के लिए धन्यवाद भी दिया। इसके अलावा, उन्होंने मुख्य सचिव और दिल्ली के कुलपति को उनके अपरिहार्य समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि आगामी मास्टर प्लान में दिल्लीवासियों के बेहतर स्वास्थ्य और पर्यावरण को बचाने के लिए गैर-मोटर चालित वाहनों को प्रोत्साहित करने के प्रावधान होंगे। अंत में, उन्होंने सभी प्रतिभागियों को उनकी भागीदारी के लिए बधाई दी, इससे पहले कि अतिथि फ़्लैगिंग ऑफ़ पॉइंट की ओर बढ़े।

रैली का रास्ता वाइस रीगल लॉज से राज घाट तक था। माननीय उपराज्यपाल श्री अनिल बैजल ने साइकिलिंग के प्रति उत्साही लोगों के समूह को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले सात वर्षों से सरदार वल्लभाई पटेल की याद में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जा रहा है। वह भारत के पहले उप प्रधान मंत्री और गृह मंत्री थे। उन्हें लौह पुरुष के रूप में भी जाना जाता था, क्योंकि उन्होंने न केवल प्रशासन में बल्कि देश के एकीकरण में भी योगदान दिया था।

महबूबा ने कश्मीरी छात्रों की गिरफ्तारी मामले में मोदी से की हस्तक्षेप की मांग

श्रीनगर (एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री एवं पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को केंद्र शासित प्रदेश के भीतर और बाहर कश्मीरी छात्रों के हाल के कथित उत्पीड़न के बारे में एक पत्र लिखा है तथा उनसे इस मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। सुश्री महबूबा ने पत्र में कहा है कि अवमानना के साथ इस तरह की दंडात्मक कार्रवाई केवल अविश्वास की भावना को आगे बढ़ाएगी और युवा पीढ़ी और देश के बाकी हिस्सों के बीच अलगाव को बढ़ावा देगा। उन्होंने श्री मोदी से हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया ताकि इन उदीयमान युवाओं का भविष्य नष्ट न हो। उन्होंने कहा, मैं आपको जम्मू-कश्मीर की खतरनाक स्थिति के बारे में गहरी निराशा और चिंता के साथ लिखती हूं। अभी कुछ समय पहले जब आपने दिल्ली में एक सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता की थी, तो आपने दिल्ली और जम्मू-कश्मीर के बीच 'दिल के दूरी' को हटाने का इरादा व्यक्त किया था। उन्होंने लिखा, पीडीपी के अध्यक्ष के रूप में, मैंने कुछ विश्वास बहाली के उपायों का सुझाव दिया, जो जम्मू-कश्मीर के लोगों को राहत और सांस लेने की जगह प्रदान करते हैं। वे लोगों विशेषकर युवाओं के

दिलों और दिमागों को संबोधित करने के लिए एक नीति के लागू होने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, प्रदेश में छापेमारी, गिरफ्तारी, हत्याओं का सिलसिला बेरोकटोक जारी है, दमन का स्तर और राज्य की असहिष्णुता एक नए निचले स्तर पर पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि ऐसी उम्मीदें थीं कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की हाल की जम्मू-कश्मीर यात्रा से सार्थक पहुंच होगी।

एक नज़र

आगरा में पाकिस्तान क्रिकेट टीम की जीत पर जश्न मनाने वाले कश्मीरी छात्रों का केस नहीं लड़ेंगे वकील

लखनऊ (एजेंसी) ट्वेंटी-20 क्रिकेट विश्व कप में भारत के खिलाफ पाकिस्तान की जीत पर उत्तर प्रदेश में जश्न मनाने वालों के खिलाफ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के तेवर सख्त होने के बाद इनके खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा दर्ज कर पांच लोगों को जेल भेजा गया है। अब इनके खिलाफ अधिवक्ताओं ने भी मोर्चा खोल दिया है। आगरा वकीलों ने जेल भेजे गए तीन कश्मीरी छात्रों का केस लडऩे से इन्कार कर दिया है।

ताजनगरी आगरा में बीते रविवार को ट्वेंटी-20 विश्व कप क्रिकेट में भारत के खिलाफ पाकिस्तान की जीत पर कश्मीरी छात्रों ने जमकर जश्न मनाया था। इसका वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल होने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त एक्शन लिया था। उनके एकशन के बाद आगरा, बरेली, बदायूं तथा सीतापुर में छह केस दर्ज कर आठ लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर इनको गिरफ्तार किया गया था। इनमें से छह लोगों के खिलाफ देश द्रोह का भी केस दर्ज किया गया है। आगरा में वकीलों ने पाकिस्तान की जीत का जश्न मनाने वाले कश्मीरी छात्रों का केस नहीं लडऩे का फैसला किया है। आगरा एडवोकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष ने बताया कि वकीलों ने भारत के खिलाफ जीत का जश्न मनाने वाले इन छात्रों का केस न लडऩे का फैसला किया है। अगर कोई वकील ऐसा करता है तो हम उसका बहिष्कार करेंगे। अब कश्मीर के छात्रों में खलबली मची है।

इससे पहले शुक्रवार को सीतापुर में दर्ज केस में राष्ट्रद्रोह की धाराएं बढ़ाने के साथ पुलिस ने बिसवां में भी एक के खिलाफ केस दर्ज किया। सीतापुर में पाकिस्तान की जीत का जश्न व भारत पर आपत्तिजनक टिप्पणी करना जिले के दो युवकों को काफी महंगा पड़ गया। रामपुर मथुरा में आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में पुलिस ने राष्ट्रद्रोह की धाराएं बढ़ा दी गई हैं। बिसवां में भी ऐसे ही एक मामले में राष्ट्रद्रोह का मामला दर्ज किया गया है। बिसवां में जोशीटोला निवासी जीशान पुत्र कलीम ने भारत-पाकिस्तान मैच के बाद भारत के लिए आपत्तिजनक पोस्ट भी इंटरनेट मीडिया पर की। आपत्तिजनक पोस्ट इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुई तो बवाल मच गया। बजरंग दल व विश्व हिंदू परिषद बिसवां के कार्यकारी अध्यक्ष आशुतोष वर्मा ने कोतवाली में तहरीर दी। कोतवाल राजीव सिंह ने बताया कि युवक पर राष्ट्रद्रोह का मुकदमा दर्ज किया गया है। सीतापुर में ही रामपुर मथुरा थाना क्षेत्र में भारत की हार पर इंटरनेट मीडिया पर राष्ट्र विरोधी टिप्पणी करने वाले मुशर्रफ पर दर्ज मामले में राष्ट्रद्रोह की धाराएं बढ़ाई गई हैं। युवक को दो दिन पहले ही गिरफ्तार कर जेला भेजा गया था।

बागपत में जयंत की रैली के दौरान मंच पर हंगामा, हाथापाई और मारपीट, महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष भड़कीं

बागपत (एजेंसी) 4 बागपत में बड़ौत के जनता वैदिक कालेज में रालोद की जनसभा में शनिवार को जयंत चौधरी के आने से पहले ही मंच पर हंगामा, हाथापाई और मारपीट हो गई। मंच पर बैठने को लेकर पार्टी की राष्ट्रीय महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष प्रियवदा तोमर के साथ जिलाध्यक्ष डाक्टर जगपाल सिंह तेवतिया की कहासुनी हो गई, जिसके बाद किसी तरह मामला शांत हो गया तो महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष रेणु तोमर मंच पर स्थान नहीं मिलने पर भड़क गई। उन्हें मंच पर नहीं बैठने दिया गया।

इससे वे खासा नाराज हो गईं। बाद में रालोद की महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष रेणु तोमर ने पत्रकारों को बताया कि रैली में महिलाओं को सम्मान नहीं मिला। मैं रालोद की खिलाफत में जाऊंगी। उन्होंने कहा कि मुझे मंच पर क्यों नहीं बैठने दिया गया। जल्द ही इस्तीफा भी दे दूंगी। रेणु तोमर रालोद के जिलाध्यक्ष डाक्टर जगपाल सिंह तवतिया पर आरोप लगा रही हैं। इसी दौरान मंच से नीचे रेणु तोमर के समर्थक और कई कार्यकर्ताओं के बीच गाली गलौज के बाद हाथापाई और मारपीट हो गई।

लोगों के किसी तरह मामला शांत किया। उसके बाद जिलाध्यक्ष नाराज होकर रैली स्थल से चली गईं। महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष ने कहा कि मंच पर उन्हें नहीं बैठाकर उनका अपमान किया गया है और अब वह अपना जल्द ही इस्तीफा दे देंगी। यह भी कहा कि इस पार्टी में महिलाओं को सम्मान नहीं मिलता है। यहां पर हुए हंगामे की तस्वीरें इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रही हैं। रालोद के अन्य नेताओं का इस पर अभी बयान नहीं आया है। इस बीच जयंत चौधरी रैली में पहुंच गए हैं।

सीतापुर में पुलिस मुठभेड़ में पकड़ा गया 25 हजार का इनामी बदमाश, पैर में लगी गोली

सीतापुर (एजेंसी) बिसवां के चंदन महमूदपुर में पुलिस और इनामी बदमाश महेश लोनिया का आमना-सामना हो गया। बदमाश ने फायर की तो पुलिस ने भी मोर्चा संभाला। जवाबी फायरिंग में बदमाश के पैर में गोली लगी। घायल बदमाश को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 25 हजार का इनामिया अभियुक्त महेश पुत्र गोपी निवासी लोनियनपुरवा थाना रेउसा काफी समय से वांछित चल रहा था। पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी।

कुछ दिन पूर्व बदमाश ने बिसवां थाने के एक पुलिसकर्मी पर भी फायर किया था। शनिवार तड़के पुलिस की बदमाश से मुठभेड़ हो गई। जवाबी फायरिंग में घायल बदमाश का अस्पताल में उपचार चल रहा है। बिसवां में अभियुक्त पर चार मुकदमें पुलिस की पकड़ में आए बदमाश महेश पर बिसवां कोतवाली में चार मुकदमें दर्ज हैं। इसके अलावा अन्य थानों को मिलाकर महेश पर 20 से अधिक केस पंजीकृत हैं। सबसे अधिक केस रेउसा थाने में पंजीकृत बताए जा रहे हैं। बिसवां पुलिस लंबे समय से अभियुक्त को दबोचने का प्रयास कर रही थी। सिपाही पर फायर कर फरार हुआ था बदमाशः कुछ दिन पूर्व इनामी अभियुक्त महेश लोनिया ने बिसवां थाने में तैनात सिपाही समरजीत यादव पर भी फायर किया था।

सिपाही को घायल कर अभियुक्त फरार हो गया था। सिपाही पर फायर करने के बाद पुलिस ने उसको दबोचने का जाल बिछाना शुरू किया। अभियुक्त महेश लोनिया पर बिसवां में चार केस दर्ज हैं। 25 हजार का इनाम भी घोषित था। इसका आपराधिक भी है। इतिहास चंदन महमूदपुर में मुडभेड़ के बाद इनामिया को गिरफ्तार कर लिया गया। उपचार चल रहा है।

बरेली में चोरों ने दो घरों में की चोरी, तीन को गोली मारकर किया घायल, फैली सनसनी

बरेली (एजेंसी) बरेली के सीबीगंज थाना क्षेत्र के अंतगर्त बदमाशों ने शुक्रवार की रात जहां दो घरों में चोरी की वारदात को अंजाम दिया। इसके साथ ही एक परिवार तीन लोगों को गोली मारकर घायल कर दिया और फरार हो गए। घटना में गोली लगने से घायल हुए लोगों को परिजनों ने इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां उनका इलाज चल रहा है। सीबीगंज के अटा कायस्थान और लटूरी के दो घरों में चोरी की वारदात को अंजाम देने के बाद देर रात चोर गोविंद राम के घर के सामने पहुंचे।

घर के ठीक सामने रहने वाले गोविंद राम के भाई ने घर के मेन गेट के सामने खड़े कुछ लोगों को देखा। जिनकी गतिविधि संदिग्ध लगी। जिसके बाद उन्होंने अपनी पत्नी को मामले की जानकारी दी। इसके बाद दोनों ने चोर चोर कह कर शोर मचाना शुरू कर दिया।शोर सुनकर घर में सो रहे गोविंद राम 60 वर्ष, उनका पुत्र दीपक 35 वर्ष, पुत्री रजनी 22 वर्ष तीनों ही जाग गए। जिसके बाद तीनों घर का मुख्य दरवाजा खोलकर जैसे ही बाहर निकले तभी बाहर खड़े बदमाशों ने तीनो को गोली मारकर घायल कर दिया।और फरार हो गए। जिससे क्षेत्रीय लोगों में हड़कंप मच गया।

इधर बदमाशों के भागने के बाद मौके पर एकत्रित हुए ग्रामीण व परिजन गोली लगने से घायल तीनों लोगों को लेकर निजी अस्पताल पहुंचे। जहां चिकित्सक तीनों का इलाज कर रहे है। वहीं घटना की जानकारी पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपितों की तलाश शुरू कर दी है। हालांकि घटना के बाद से क्षेत्रीय लोगों में दहशत है।

2022 से पहले बसपा के छह और भाजपा के एक विधायक सपा में शामिल

लखनऊ (एजेंसी)
उत्तर प्रदेश में 2022 में होने वाले विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को जोरदार टक्कर देने के लिए समाजवादी पार्टी कुनबा बढ़ाओ अभियान में तेजी से लगी है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इसी के तहत शनिवार को सात विधायकों को समाजवादी पार्टी की सदस्यता दिलाई।

उत्तर प्रदेश विधानसभा उपाध्यक्ष के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी से बगावत करने वाले सीतापुर सदर के विधायक राकेश राठौर के साथ ही बहुजन समाज पार्टी से निष्कासित सात विधायकों ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। बहुजन समाज पार्टी से निष्कासित विधायक सुषमा पटेल, हरगोविंद भार्गव, असलम चौधरी,असलम राइनी, हाकिम लाल बिन्द व मुज्तबा सिद्दीकी ने शनिवार को समाजवादी पार्टी में शामिल होने का एलान किया। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष तथा उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की मौजूदगी में भाजपा के एक तथा बसपा के छह विधायक समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। सीतापुर सदर से भाजपा के विधायक राकेश राठौर, श्रावस्ती से बसपा के विधायक असलम राइनी, हापुड़ से बसपा के विधायक असलम अली चौधरी, प्रयागराज के प्रतापपुर से बसपा के विधायक मुजतबा सिद्दीकी, प्रयागराज के हंडिया से बसपा विधायक हाकिम लाल बिंद, सीतापुर के सिधौली से बसपा के विधायक हरगोविंद तथा जौनपुर के मुंगरा बादशाहपुर से बसपा की विधायक सुषमा पटेल ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले नेताओं का पाला बदल जारी है।

प्रदेश में शनिवार को बसपा को बड़ा झटका लगा है। इसके छह बर्खास्त विधायक आज हाथी को छोड़कर समाजवादी पार्टी की साइकिल पर सवार हो गए। इनके साथ भारतीय जनता पार्टी के बागी विधायक भी समाजवादी पार्टी के साथ हो गए। भाजपा के विधायक राकेश राठौर पार्टी की नीतियों के मुखर आलोचक हैं। समाजवादी पार्टी के मुख्यालय में इन सभी विधायकों ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता लेने के बाद समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का आभार जताया। उन्होंने कहा कि सभी माननीय विधायकों का समाजवादी पार्टी में बहुत-बहुत स्वागत एवं धन्यवाद।। आने वाले समय में हमारी सरकार बनने जा रही है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस अवसर पर कहा कि सीतापुर सदर से भारतीय जनता पार्टी के विधायक राकेश राठौर के समाजवादी पार्टी में शामिल होने के बाद अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का नारा बदल देंगे। अब मेरा परिवार ,भाजपा परिवार की जगह नारा बदल के नाम होगा मेरा परिवार-भागता परिवार' रख देंगे। उन्होंने कहा कि जनता इतनी दुखी है कि आने वाले चुनाव में भाजपा का सफाया होगा। भाजपा परिवार भागता परिवार दिखाई देगा। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में वादा किया गया था कि 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने के लिए निश्चित रोडमैप तैयार किया जाएगा। हाल यह है कि धान तैयार है बिकने के लिए किसान का, लेकिन भाजपा सरकार में जो कीमत तय की गई थी वह किसान को नहीं मिल रही है। यह वादा आज तक अधूरा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने 2017 में अपना लोक कल्याण संकल्प पत्र बनाया और सरकार बनने के बाद उसे कूड़ेदान में फेंक दिया।

बसपा छोड़कर सपा में शामिल हाजी मुजतबा सिद्दीकी, हाकिम लाल बिंद, सुषमा पटेल, असलम चौधरी, हरगोविंद भार्गव और असलम राईनी ने राज्यसभा चुनाव के दौरान बीएसपी से बगावत कर सपा का साथ दिया था। इनको लेकर बसपा पहले ही कह चुकी है इन बागी विधायकों के जाने से कोई फर्क नही पड़ता। इन सभी विधायकों को बसपा से निष्काषित किया जा चुका है। इनके रहने से पार्टी को नुकसान पहुंच रहा था।

यूपी सरकार का वायु प्रदूषण फैलाने वाले पटाखों की बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध, हरित पटाखों की अनुमति

लखनऊ (एजेंसी)
उत्तर प्रदेश सरकार मौसम बदलने के साथ ही बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर बेहद गंभीर हो गई है। सरकार ने वायु प्रदूषण बढ़ाने वाले पटाखों की बिक्री तथा उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है। दीपावली पर इस बार उत्तर प्रदेश में केवल हरित (ग्रीन) पटाखों की बिक्री होगी। इनके अलावा अन्य पटाखों की बिक्री प्रतिबंधित होगी। अपर मुख्य सचिव, गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड इन दिनों प्रदेश के 27 शहरों में वायु गुणवत्ता की निगरानी कर रहा है।

वर्ष 2021 में जनवरी से सितंबर तक इनमें शामिल लखनऊ, कानपुर, हापुड़ आगरा, सोनभद्र, गजरौला, मेरठ, खुर्जा, गाजियाबाद, हापुड़, वाराणसी, नोएडा, फिरोजाबाद, झांसी, खुर्जा, प्रयागराज, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, रायबरेली, मथुरा, सहारनपुर, गोरखपुर, उन्नाव, ग्रेटर नोएडा, मुजफ्फरनगर, बागपत, बुलंदशहर, अलीगढ़ व अयोध्या वायु गुणवत्ता स्तर थोड़ा प्रदूषित (माडरेट) पाया गया है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने 23 जुलाई, 2021 के आदेश में स्पष्ट किया है कि क्षेत्र की वायु गुणवत्ता थोड़ी प्रदूषित अथवा अच्छी है तो संबंधित प्राधिकारी हरित पटाखों की बिक्री व उपयोग की अनुमति दे सकते हैं। शासन ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देश व कोविड-19 की परिस्थितियों के दृष्टिगत प्रदेश में निर्धारित समय सीमा के लिए हरित पटाखों की बिक्री व उपयोग की अनुमति प्रदान करने का निर्णय किया है। इस संबंध में गृह विभाग ने आदेश जारी किया है। अपर मुख्य सचिव, गृह का कहना है कि पटाखों की बिक्री और उपयोग को लेकर सभी डीएम को निर्देश दिए गए हैं। जिला स्तर पर डीएम हरित पटाखों की बिक्री व उपयोग की समय सीमा तय करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि उत्सव दूसरों के स्वास्थ्य की कीमत पर नहीं हो सकता है और स्पष्ट किया कि जहां पटाखों के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं है, वहीं वे आतिशबाजी जिनमें बेरियम लवण होते हैं, प्रतिबंधित हैं। शीर्ष अदालत ने चेतावनी दी कि विभिन्न स्तरों पर शीर्ष अधिकारियों को किसी भी चूक के लिए व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी ठहराया जाएगा, शीर्ष अदालत ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जारी विभिन्न निर्देशों के बावजूद, एक स्पष्ट उल्लंघन हो रहा है। यूपी के गृह विभाग ने कहा कि जिन इलाकों में हवा की गुणवत्ता मध्यम या बेहतर होगी, वहां हरे पटाखों के इस्तेमाल की अनुमति दी जाएगी। योगी आदित्यनाथ सरकार ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और अन्य क्षेत्रों में पटाखों की बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया, जहां हवा की गुणवत्ता खराब श्रेणी में है। यूपी के गृह विभाग की ओर से जारी एक आदेश में कहा गया था कि जिन इलाकों में हवा की गुणवत्ता मध्यम या बेहतर होगी, वहां हरे पटाखों के इस्तेमाल की अनुमति दी जाएगी।

अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया जिला एवं पुलिस प्रशासन अधिकारियों को पटाखों की बिक्री व उपयोग के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। उन शहरों में पटाखों के उपयोग को प्रतिबंधित करें जहां हवा की गुणवत्ता मध्यम या हरे रंग के पटाखे से कम है। उत्सव दूसरों के स्वास्थ्य की कीमत पर नहीं हो सकता वह पटाखे, जिनसे प्रदूषण कम होता है और पर्यावरण के लिए बेहतर होते हैं। उन्हें ग्रीन पटाखा कहा जाता है। ग्रीन पटाखों को खास तरह से तैयार किया जाता है और इनके जरिये 30 से 40 फीसदी तक प्रदूषण कम होता है। ग्रीन पटाखों में वायु प्रदूषण को बढ़ावा देने वाले हानिकारक रसायन नहीं होते हैं। इनमें एल्युमिनियम, बैरियम, पौटेशियम नाइट्रेट और कार्बन का प्रयोग नहीं किया जाता है अथवा इनकी मात्रा काफी कम होती है। इनके प्रयोग से वायु प्रदूषण को बढऩे से रोका जा सकता है।

अल्पसंख्यक कांग्रेस ने त्रिपुरा हिंसा पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द को भेजा ज्ञापन

प्रयागराज (एजेंसी) त्रिपुरा में अल्पसंख्यक मुस्लिमों के साथ हो रही हिंसा एवं नरसंहार के विरोध में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के पदाधिकारी आक्रोशित हैं। अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन शाहनवाज आलम के दिशा निर्देश पर महानगर कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग जिला गंगापार एंव यमुनापार के तत्वावधान में जिलाधिकारी प्रयागराज को राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा। इसमें त्रिपुरा में भाजपा व उसके अनुवांशिक संगठनों द्वारा दंगा कराने का आरोप लगाया गया है। अल्पसंख्यक कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि पुलिस प्रशासन की मिलीभगत से मुस्लिमों समाज पर जुल्म ढाया जा रहा है। मस्जिदों और मजारों पर हमले व आगजनी की गई है।

कांग्रेस कमेटी के शहर अध्यक्ष प्रदीप कुमार मिश्र अंशुमन ने ज्ञापन के माध्यम से राष्ट्रपति से तत्काल त्रिपुरा में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की है। साथ ही दोषियों को जेल भेजा जाए। अल्पसंख्यक कांग्रेस के शहर अध्यक्ष अरशद अली ने मांग किया कि दंगे में संलिप्त अधिकारियों को बर्खास्त कर गिरफ्तारी की जाए। वहां तुरंत सेना भेजी जाए और पीड़ित परिवार को उचित मुआवाजा दिया जाए। साथ ही क्षतिग्रस्त मस्जिदों एवं मजारों की दरगाह को पुनः निर्माण कराया जाए। ज्ञापन देने वालों में शहर अध्यक्ष प्रदीप कुमार मिश्र अंशुमन, फुजैल हाश्मी, अरशद अली, परवेज़ सिद्दीकी, कमर रिजवी, अनील कुशवाह, जावेद उर्फी, किशोर वासने, अनुप सिंह, राजेंद्र गोड, अभिनव पांडे, भोले सिंह, रजिया सुल्तान, जितेंद्र कुमार राय, महफूज अहमदउमेश केशरवानी, नफीस अहमद, गुलाम वारिस, मुन्ना यादव, गुलाम वारिस, जाहिद आदि मौजूद रहे। त्रिपुरा के जरिए कांग्रेस ने प्रदेश सरकार को भी घेरने की कोशिश की है।

कांग्रेस पदाधिकारियों का कहना है भाजपा की सरकार में लगातार अराजकता हो रही है। उत्तर प्रदेश में भी लोग खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं। इस दौरान लखीमपुर मामले को भी उछाला गया। कांग्रेसी मामले की न्यायिक जांच की मांग कर रहे हैं।

पश्चिम बंगाल के रास्ते हो रही मानव तस्करों की घुसपैठ ने बढ़ाई चुनौती, यूपी एटीएस को गोंडा कनेक्शन की तलाश

लखनऊ (एजेंसी)
उत्तर प्रदेश में म्यांमार व बांग्लादेश के नागरिकों की घुसपैठ करा रहे ड्क्षसडीकेट में शामिल बड़ों तक पहुंचने के लिए आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) अपनी जांच का दायरा बढ़ा रहा है। पश्चिम बंगाल की सीमा से हो रही घुसपैठ को रोकने के लिए अन्य जांच एजेंसियों की भी मदद ली जा रही हैं, लेकिन बड़ी मछलियां हाथ नहीं लग रही हैं।

फर्जी दस्तावेजों के जरिए घुसपैठियों की पहचान बदलने व उन्हें भारतीय आधार कार्ड, पासपोर्ट व ऐसे अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज उपलब्ध कराने वाले गिरोह जांच एजेंसियों के लिए सबसे बड़ी चुनौती बने हैं। यही वजह है कि एटीएस ने अब 22 अक्टूबर को गोंडा में फर्जी दस्तावेजों के जरिए आधार कार्ड बनाने के मामले में पकड़े गए दो आरोपितों की भी छानबीन शुरू की है। वहीं, एटीएस ने दो दिन पूर्व मानव तस्करी में पकड़े गए मिथुन

मंडल व तीन बांग्लादेशी नागरिकों को पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ शुरू की है। एटीएस की एक टीम गोंडा में पड़ताल कर रही है। गोंडा पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपित श्याम निषाद व सूरज मौर्या से पूछताछ की भी तैयारी है। वहीं मिथुन व उसके साथियों से भी खासकर फर्जी दस्तावेजों के बिंदु पर पूछताछ की जा रही है। इनके कई और साथियों के भी पकड़े जाने की उम्मीद है। दरअसल, एटीएस ने इससे पूर्व रोंहिग्या महिलाओं को उत्तर प्रदेश लाने के बाद उनकी विदेश में तस्करी करने वाले गिरोह को भी पकड़ा था। जनवरी माह में संतकबीरनगर से रोड्क्षहग्या अजीजुल को गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद गिरोह का हवाला नेटवर्क भी सामने आया था। फर्जी दस्तावेज बनवाने में मददगार रहा अब्दुल मन्नान भी पकड़ा गया था, लेकिन उसके बाद भी इस नेटवर्क से जुड़े बड़े हाथ नहीं लगे थे। जांच एजेंसियों के आपसी समन्वय के बाद भी पश्चिम बंगाल से लेकर उत्तर प्रदेश व अन्य राज्यों में फैली मानव तस्करी के सिंडीकेट की परतें पूरी तरह से नहीं खुल पा रही हैं। आंतरिक सुरक्षा के लिए रोहिंग्या व बांग्लादेशियों की घुसपैठ से खतरा लगातार बढ़ रहा है।

सूत्रों का कहना है कि एटीएस ने फर्जी दस्तावेज तैयार करवाने वालों तक पहुंचने के लिए दूसरी एजेंसियों से भी संपर्क साधा है। एटीएस ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल निवासी ट्रैवल एजेंसी संचालक मिथुन मंडल व तीन बांग्लादेशी नागरिकों को पकड़ा था। अब उनके अन्य साथियों के बारे में छानबीन तेज की गई है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि इस गिरोह ने बीते दिनों कितने रोड्क्षहग्या व बांग्लादेशियों को कहां-कहां ठिकाना दिलाया है।

बिजनौर में शिक्षिका हत्याकांड में पुलिस की मुरादाबाद और नोएडा में दबिश, हाथ नहीं आया आरोपित

बिजनौर (एजेंसी) बिजनौर में शिक्षिका प्रिया शर्मा के हत्याकांड में पुलिस की तीन टीमें कई जगह दबिश दे रही है। अभी तक आरोपित पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ सका है। मुरादाबाद में आरोपित के घर पर ताला लगा हुआ है। पुलिस की एक टीम नोएडा में भी खाक छान रही है। बताया जा रहा है कि आरोपित ने वहां भी नौकरी की है और शेयर मार्केट का काम करता था। गौरतलब है कि प्रिया शर्मा की शुक्रवार की सुबह गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस तभी से इस हत्याकांड की जांच में जुटी है। पुलिस की टीम कई बिंदुओं पर काम रही है। सर्विलांस टीम कई और बिंदुओं पर कॉल डिटेल खंगाल रही है।

फिलहाल पुलिस शूटरों की भी तलाश कर रही है। जिनका हत्या में इस्तेमाल हुआ है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उन्हें चिन्हित करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस को मृतका के पति आरोपित कमल दत्त शर्मा की गिरफ्तारी के बाद ही अगली लाइन मिलने की उम्मीद है और शूटरों तक पहुंचा जा सकता है। इसलिए पुलिस के टारगेट पर सबसे पहले कमल दत्त शर्मा है। शहर कोतवाल राधेश्याम ने बताया कि फिलहाल मुख्य आरोपित कमल दत्त शर्मा की तलाश की जा रही है। उसके पकड़े जाने के बाद ही पूरी स्थिति स्पष्ट होगी। बिजनौर शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के गांव सुंदरपुर निवासी नरेन्द्र सिंह (40 वर्ष) पुत्र सुधीर सिंह ने बिजनौर शहर के मोहल्ला शक्ति नगर मैं किराए पर रह रहा था। शनिवार सुबह उसने मकान के कमरे में फांसी पर लटक कर जान दे दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। उसने पारिवारिक कारणों से फांसी लगाकर आत्महत्या की है।

प्रतापगढ़ में विधायक के करीबी के ठेके से नकली शराब बरामद, विधायक का थाना प्रांगण में हंगामा

प्रयागराज (एजेंसी)
प्रतापगढ़ जिले में बीते देशी शराब के ठेके से लेकर नकली शराब के सेवन से चार लोगों की मौत के बाद भी यहां देशी शराब के ठेके पर नकली शराब की बिक्री जारी है।

आबकारी विभाग की टीम ने शुक्रवार देर रात भारतीय जनता पार्टी के विधायक के करीबी के ठेके पर छापा मारकर नकली शराब बरामद की तो विधायक धीरज ओझा ने जमकर हंगामा किया। रानीगंज से विधायक आबकारी कर्मियों से भिड़ गए। प्रतापगढ़ के फतनपुर थाना क्षेत्र के कनेवरा गांव में स्थित देशी शराब ठेके पर आबकारी विभाग प्रयागराज की टीम ने शुक्रवार देर रात छापा मारा। यहां टीम को चार ड्रम नकली शराब बरामद मिली। यह ठेका रानीगंज विधायक धीरज ओझा के करीबी का है। इसी सूचना पर रानीगंज विधायक शनिवार सुबह फतनपुर थाने पहुंचे और फर्जी कार्रवाई का आरोप लगाकर आबकारी टीम के सदस्यों से नोकझोंक करने लगे। इस दौरान पहुंचे पत्रकार कुछ फोटो जब खींचने के साथ वीडियो बनाने लगे तो उनका मोबाइल बंद करा दिया।

आबकारी टीम ने कनेवरा गांव में शुक्रवार की रात अरुण कुमार सिंह की सरकारी देशी शराब की दुकान पर छापा मारा और चार ड्रम नकली शराब बरामद की। यह ठेका रानीगंज विधायक धीरज ओझा के करीबी पूर्व ब्लाक प्रमुख राकेश सरोज के समर्थक का है। फतनपुर थाना क्षेत्र के कनेवरा गांव में देशी

शराब के ठेके पर आबकारी विभाग प्रयागराज की टीम ने शुक्रवार देर रात छापा मारा। टीम को यहां नकली शराब की सूचना मिली थी। वहां से

आबकारी टीम ने चार ड्रम नकली शराब बरामद किया। यह देशी शराब का ठेका रानीगंज विधायक धीरज ओझा के करीबी का है शनिवार सुबह रानीगंज विधायक धीरज ओझा फतनपुर थाने पहुंचे और फर्जी कार्रवाई का आरोप लगाकर आबकारी टीम से नोकझोंक करने लगे। इस दौरान पहुंचे पत्रकार जब फोटो और वीडियो बनाने लगे तो उनका मोबाइल बंद करा दिया। इसकी जानकारी होने पर रानीगंज सीओ अतुल अंजान त्रिपाठी फतनपुर थाने पहुंचे।

सीओ कनेवरा गांव स्थित ठेके पर जांच पड़ताल कर रहे हैं। इसकी सूचना प्रतापगढ़ के एसपी सतपाल अंतिल को भी दी गई तो वे भी फतनपुर थाने पहुंचे। मामले की गहनता से पुलिस अफसर जांच कर रहे हैं। रानीगंज के विधायक धीरज ओझा पर पहले भी कई बार अभद्रता तथा हंगामा करने के आरोप लगे हैं। वह तत्कालीन एसपी आकाश तोमर पर बदसलूकी का आरोप लगाने के बाद डीएम आवास के सामने सड़क पर बैठ गए थे।

गौरतलब है कि प्रतापगढ़ में बीती अप्रैल में मिलावटी शराब के सेवन से सात लोगों की मौत हुई थी। थाना हथिगवां क्षेत्र के इस प्रकरण के बाद प्रतापगढ़ के एसपी सहित बड़े पुलिस अधिकारियों को हटाया गया था। जून में कंधई थाना क्षेत्र के गांव नौहड़ हुसैनपुर में क्राइम ब्रांच की टीम ने नकली शराब के मामले को पकड़ा था, तब भी विधायक धीरज ओझा ने काफी हंगामा किया था।

एक नज़र

पीएम पर आपत्तिजनक टिप्पणी पड़ गई भारी, दिल्ली पुलिस का सिपाही नौकरी से बर्खास्त

नई दिल्ली (एजेंसी) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ इंटरनेट मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करना दिल्ली पुलिसकर्मी को भारी पड़ गया। इसका पता चलने पर दिल्ली पुलिस मुख्यालय ने तत्काल उसे बर्खास्त करने का आदेश जारी कर दिया है। जिसे नौकरी से निकाला गया है, उसका नाम मनीष मीणा है। उत्तरी जिले के सब्जी मंडी थाने में तैनात सिपाही मनीष मीणा ने इंटरनेट मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के बारे में आपत्तिजनक पोस्ट कर दी।

इसकी जानकारी लगने पर दिल्ली पुलिस मुख्यालय ने उसे तुरंत नौकरी से बर्खास्त कर दिया। सिपाही मनीष मीणा ने पोस्ट में लिखा था कि किसान विरोधी पार्टियों को सत्ता में रहने का अधिकार नहीं है। आंदोलन को कुचलने में असफल हो गए तो अब किसानों को कुचल रहे हैं। उसने लखीमपुर खीरी मामले को लेकर तंज कसते हुए कहा था कि अरे भाइयों यह मंत्री हिस्ट्रीशीटर है, फिर तो उनकी गाड़ी चढ़ेगी ही। इंटरनेट मीडिया पर इस तरह की आपत्तिजनक पोस्ट डालने की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पहले मुख्यालय के निर्देश पर सिपाही को उत्तरी जिला के डीसीपी सागर सिंह कलसी ने अपने कार्यालय बुलाकर लंबी पूछताछ की।

डीसीपी की रिपोर्ट पर मुख्यालय ने उसे विगत 27 अक्टूबर को नौकरी से ही बर्खास्त कर दिया। यह पहला मामला है जब दिल्ली पुलिस के किसी सिपाही ने प्रधानमंत्री व गृह मंत्री के बारे आपत्तिजनक पोस्ट किया हो। गौरतलब है कि 27 नवंबर, 2020 से दिल्ली-एनसीआर के चारों बार्डर (टीकरी, सिंघु, शाहजहांपुर और गाजीपुर बार्डर) पर कई राज्यों के किसान नए कृषि कानूनों के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके चलते 11 महीने से रोजाना हजारों लोगों को जाम का सामना करना पड़ता है।

सरकारी वेबसाइट से साइबर ठगी की शिकायत दर्ज कराने वाले लोगों को ठगने वाले गिरोह का पर्दाफाश

नई दिल्ली (एजेंसी) एक तो पहले से ही साइबर ठगी के शिकार हो चुके हैं अब उसकी शिकायत दर्ज कराने के नाम पर एक बार फिर से ठगी शिकार बनाया जा रहा है। दिल्ली पुलिस साइबर सेल ने एक ऐसे गिरोह को पकड़ा है जो फर्जी सरकारी वेबसाइट बनाकर साइबर ठगी के शिकार हो चुके पीड़ितों की शिकायत दर्ज कराने के नाम पर ठगी कर रहे थे।

आरोपितों द्वारा अबतक देशभर में तीन हजार लोगों से 1.74 करोड़ रुपये की ठगी की जा चुकी है। पुलिस ने गिरोह के प्रमुख नोएडा के रहने वाले पी सिंह, एस पांडे, साउंडार ओबी श्रीवास्तव, पीडी कुमार, दिल्ली के कालकाजी निवासी ए शर्मा, के सिंह, ए अली, गोविंदपुरी निवासी एम नदीम और सीलमपुर निवासी एम वसीम के अलावा दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। साइबर सेल उपायुक्त केपीएस मल्होत्रा ने बताया कि इंटेलिजेंस फ्यूजन एंड स्ट्रेटेजिक आपरेशंस (आइएफएसओ) को पता चला कि कुछ लोग फर्जी सरकारी वेबसाइट बनाकर लोगों की ठगी की शिकायतें दर्ज कराने के नाम पर रुपये ले रहे हैं। इस मामले में शिकायत भी प्राप्त हुई थी।

जांच में पता चला कि जब पीड़ित अपनी ठगी की शिकायत दर्ज कराने के लिए वेबसाइट से नंबर लेकर काल करते तो उससे सरकारी अधिकारी बन बात की जाती थी। उनकी शिकायत दर्ज करने के नाम पर 500 से लेकर तीन हजार रुपये तक की ठगी की जाती थी। रुपये के मिलने के बाद आरोपित अपना फोन बंद कर दूसरा नंबर वेबसाइट पर डाल दिया करते थे। इसके साथ ही आरोपितों ने जन शिकायत केंद्र, ग्राहक सुरक्षा केंद्र, न्याय भारत समेत अन्य कई नामों से अलग-अलग वेबसाइट बनाई। आरोपितों ने अपनी वेबसाइट को गूगल में सूचीबद्ध किया हुआ था। पुलिस टीम ने शुक्रवार को टेक्निकल सर्विलांस की मदद से छापेमारी कर सभी आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।

दिल्ली सरकार नई शराब नीति को वापस ले,नया ठेका नहीं खोलने दिया जाएगा : रामवीर सिंह बिधूड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी) बदरपुर विधानसभा क्षेत्र में शराब के नए प्रस्तावित ठेके के विरोध में शुक्रवार को महिलाओं ने प्रदर्शन किया। महिलाएं उस दुकान के बाहर जमा हो गईं, जहां नया ठेका खोला जाना है। प्रदर्शन में दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी भी शामिल हुए। बिधूड़ी ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल नई शराब नीति को फौरन वापस लें। बदरपुर क्षेत्र में शराब का कोई नया ठेका नहीं खुलने दिया जाएगा।

बिधूड़ी ने कहा कि किसी भी इलाके में शराब की नई दुकान नहीं खोली जानी चाहिए। आज दिल्ली में जगह-जगह पर शराब की नई दुकानों का विरोध हो रहा है और भाजपा हर जगह पर इस आंदोलन का समर्थन करेगी। बदरपुर गांव के नंद चौक पर दिल्ली सरकार की नई शराब नीति के तहत यह ठेका खोला जा रहा है। इससे इलाके में काफी रोष है। महिलाओं का कहना है कि यह ठेका घनी आबादी के बीच खोला जा रहा है।

यह ठेका खोलने के लिए सरकार ने नियमों का उल्लंघन किया है, जहां ठेका खोला जा रहा है उसके 100 मीटर के दायरे में वाल्मीकि मंदिर, मस्जिद और गुरुद्वारा हैं। प्रदर्शन में जिला भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष शोभा शुक्ला, उपाध्यक्ष ममता रैक्सवाल और जिला भाजपा मंत्री प्रमोद भारद्वाज समेत प्रदर्शन में शामिल महिलाओं ने संकल्प लिया कि यह ठेका नहीं खुलने दिया जाएगा। महिलाओं ने कहा कि हम युवा पीढ़ी को बर्बाद करने वाली इस नीति को लागू नहीं होने देंगे।

दिल्ली पुलिस में तबादले को लेकर अधिकारियों में उथल-पुथल

नई दिल्ली (एजेंसी) बदलाव की बयार में कोई तर जाता है तो कोई किनारे लग जाता है। कुछ अंतराल और छोटे स्तर पर होने वाले बदलाव की तो अक्सर चर्चा भी नहीं होती, लेकिन जब एक के बाद एक कुछ ही समय में ऐसा हो जाए, जो लंबे अर्से से या कभी न हुआ हो तो चर्चा के साथ दहशत का माहौल बनता है। ऐसा ही कुछ दिल्ली पुलिस की अफसरशाही में चल रहा है। बड़े पैमाने पर तबादले को लेकर आइपीएस समेत पुलिस अधिकारियों में उथल-पुथल चल रही है।

हाल के महीने में पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना ने अधिकतर ऐसे एसीपी व इंस्पेक्टरों का तबादला कर दिया जो लगातार जिले, स्पेशल सेल व क्राइम ब्रांच जैसी यूनिटों में तैनात थे। लंबी पोस्टिंग काट चुके ऐसे एसीपी व इंस्पेक्टरों को अब सिक्योरिटी यूनिट, स्पेशल ब्रांच, पुलिस ट्रेनिंग कालेज, थर्ड बटालियन, जिला अन्वेषण इकाई व विजिलेंस में तैनात कर आजमाया जा रहा है। जो एसीपी और इंस्पेक्टर अर्से से अच्छी पोस्टिंग के इंतजार में थे, उन्हें आयुक्त ने जिले के सब डिवीजन, थानों, स्पेशल सेल व क्राइम ब्रांच जैसे यूनिटों में तैनात किया है। आयुक्त द्वारा किए जा रहे इस नए प्रयोग को लेकर महकमे में खूब चर्चा है।

बेहतर निर्णय, जल्द दिखेंगे परिणाम- पुलिस मुख्यालय सूत्रों की मानें तो आयुक्त राकेश अस्थाना हर पुराने ढर्रे को बदलना चाह रहे हैं। पदभार संभालने के बाद से लेकर अबतक कई ऐसे निर्णय ले चुके हैं, जिनके परिणाम जल्द देखने को मिल सकते हैं। फिर चाहे पीसीआर को जिला पुलिस के साथ मर्ज करना हो या राजधानी की बदहाल ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार लाने के लिए किए गए बदलाव। अफसरशाही में इन्हें बेहतर निर्णय माना जा रहा है। राकेश अस्थाना पहले ऐसे आयुक्त हैं जिन्होंने बहुत कम समय में कई बड़े निर्णय लिए हैं। लगातार हो रहे तबादले को लेकर कहा जा रहा है कि भ्रष्टाचार से अधिकारियों व कर्मियों को बचाने के ऐसा हो रहा है। साथ आयुक्त यह भी संदेश दे रहे हैं कि किसी भी पद पर लंबे समय तक तैनाती ठीक नहीं है।

सर्विस रिकार्ड ठीक होने पर हर किसी को मौका मिलना चाहिए। बड़े पैमाने पर फेरबदल के बीच चर्चा यह भी है कि बड़ी संख्या में ऐसे एसीपी व इंस्पेक्टर हैं, जो एक्टिव पुलिसिंग में न आकर लंबे समय से पुलिस की अन्य यूनिटों में ही काम कर रहे थे। उन्हें भी अब जिलों में तैनाती दी गई है।

वाल्मीकि समाज को गुमराह और आर्थिक रूप से कमजोर करने का षणयंत्र रच रही : राखी बिड़लान

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में 2018 में ही विधानसभा के विशेष सत्र में सफाई कर्मचारियों को पक्का करने का प्रस्ताव पास किया गया था : राखी बिड़लान

भाजपा हर एमसीडी चुनाव में कर्मचारियों को पक्का करने का वादा करती है और हर बार उसका घोषणा पत्र जुमला साबित हुआ है : राखी बिड़लान

विकास सैनी.ओपन सर्च

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के विधायकों ने नार्थ एमसीडी में कार्यरत चंद सफाई कर्मचारियों को नियमित करने का प्रस्ताव लाकर वाहवाही लूटने की कोशिश कर रही भाजपा को आड़े हाथ लिया। विधायक राखी बिड़लान ने कहा कि भाजपा, नार्थ एमसीडी के मुट्ठी भर कर्मचारियों को पक्का कर वाल्मीकि समाज को गुमराह और आर्थिक रूप से कमजोर करने का षणयंत्र रच रही है, जबकि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में 2018 में ही विधानसभा के विशेष सत्र में सफाई कर्मचारियों को पक्का करने का प्रस्ताव पास किया गया था। भाजपा हर एमसीडी चुनाव में कर्मचारियों को पक्का करने का वादा करती है और हर बार उसका घोषणा पत्र जुमला साबित हुआ है। भाजपा सिर्फ वाहवाही लूटना चाहती है।

हम इसका विरोध करते हैं और उसके असल चेहरे को बेनकाब कर लोगों के सामने लाएंगे। विधायक कुलदीप कुमार ने कहा, भाजपा ने सभी कर्मचारियों को पक्का करने का वादा किया था, लेकिन सिर्फ 500 को पक्का कर रही है। आम आदमी पार्टी सभी कर्मचारियों को पक्का कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए हम बड़ा आंदोलन करेंगे। वहीं, विधायक रोहित मेहरोलिया ने कहा कि एमसीडी चुनाव पास आता देख भाजपा नौटंकी कर रही हैं। वाल्मीकि समाज के लोग अब भाजपा के झांसे में नहीं आएंगे। आम आदमी पार्टी के विधायक कुलदीप कुमार, विधायक राखी बिड़लान और विधायक रोहित मेहरौलिया समेत सफाई कर्मचारी नेता संतलाल चावड़िया ने आज पार्टी मुख्यालय में सफाई कर्मचारियों को पक्का करने के मुद्दे पर एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता को संबोधित किया। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए विधायक कुलदीप कुमार ने कहा कि पिछले 15 सालों से दिल्ली नगर निगम के अंदर भाजपा की सरकार है। भाजपा की सरकार ने अपने सारे भ्रष्टाचार की हदों को पार कर चुकी है। उसी के तहत भाजपा शासित एमसीडी ने सफाई कर्मचारियों को परेशान करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। अभी नगर निगम के अंदर लगातार हमारी पार्टी के पार्षद, हमारे नेता विपक्ष, हमारे नेता यह विषय उठाते रहे हैं कि सफाई कर्मचारियों को पक्का किया जाए। यह बात खुद भाजपा ने अपने मैन्युफेस्टो में भी कही है कि सफाई कर्मचारियों को पक्का किया जाएगा। भाजपा ने अपने 2012 और 2017 एमसीडी चुनाव के मैन्युफेस्टो में कहा कि हम सफाई कर्मचारियों को नियमित करेंगे। जब हमने कहा कि आप सफाई कर्मचारियों को नियमित नहीं कर रहे हैं और आपके नेता बार-बार जाकर हड़तालों में कहते हैं कि हम सफाई कर्मचारियों को नियमित करेंगे। अब नार्थ एमसीडी की स्टैंडिंग कमेटी के अंदर भाजपा एजेंडा लेकर आई है, जिसमें मात्र 500 सफाई कर्मचारियों को पक्का करने का काम करने जा रही है, जबकि एमसीडी में लगभग 6646 सफाई कर्मचारी कार्यरत हैं। आज भाजपा फिर वादा खिलाफी कर रही है। यह बहुत ही निंदनीय है। विधायक राखी बिड़लान ने कहा कि भाजपा ने अभी नार्थ एमसीडी की स्टैंडिंग कमेटी में एक प्रस्ताव पास किया है, जिसमें कुछ मुट्ठी भर कर्मचारियों को पक्का करने की भाजपा की चतुराई दिखाई दे रही है। लेकिन एमसीडी के अंदर लगभग 7 हजार कर्मचारी ऐसे हैं, जो 2003 से लेकर 2006 से पक्का होने की उम्मीद में बैठे हैं। लेकिन भाजपा लगातार समाज के लोगों और कर्मचारियों को गुमराह करती आ रही है। उन लोगों को आर्थिक रूप कमजोर करने का षणयंत्र रच रही है।

अब फिर से एक नया षणयंत्र नार्थ एमसीडी की स्टैंडिंग कमेटी के माध्यम से दिखाई दे रहा है कि किस प्रकार से वाल्मीकि समाज के लोगों को मानसिक और आर्थिक तौर पर कमजोर करने का काम भाजपा की संकीर्ण मानसिकता की ओर से किया जा रहा है। लगातार आम आदमी पार्टी के सभी प्रतिनिधि लगातार सफाई कर्मचारियों की मजबूती, उनका आर्थिक विकास, उनका मानसिक और शारीरिक मजबूती को लेकर लगातार प्रयत्नशील रहे हैं और लगातार काम करते हैं।

स्वतंत्रता आंदोलन, भारत के स्व को जागृत करने का आंदोलन था : दत्तात्रेय होसबाले

स्वतंत्रता आंदोलन के अज्ञात सेनानियों का जीवन समाज के सामने लाया जाएगा। उदाहरण स्वरूप कालापानी में सजा काटने वाले लोगों के बारे में जानकारी ही नहीं है, ऐसे लोगों के जीवन पर प्रदर्शनी लगाना, तमिलनाडु से वेलु नाचियार, कर्नाटक से अबक्का, रानी गाइदिन्ल्यू के बारे में जानकारी नहीं है।

नई दिल्ली एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले जी ने कहा कि देश स्वतंत्रता का अमृत महोत्सव मना रहा है। इस निमित्त संघ के स्वयंसेवक समाज व विभिन्न संस्थाओं के साथ मिलकर काम करेंगे, स्वतंत्र रूप से भी आयोजन होंगे। स्वतंत्रता आंदोलन के अज्ञात सेनानियों का जीवन समाज के सामने लाया जाएगा।

उदाहरण स्वरूप कालापानी में सजा काटने वाले लोगों के बारे में जानकारी ही नहीं है, ऐसे लोगों के जीवन पर प्रदर्शनी लगाना, तमिलनाडु से वेलु नाचियार, कर्नाटक से अबक्का, रानी गाइदिन्ल्यू के बारे में जानकारी नहीं है। ऐसे लोगों का जीवन समाज में लाना है। भारत का स्वतंत्रता आंदोलन विश्व में विशिष्ट रहा है, सबसे लंबे समय तक चला है। आंदोलन में देश की एकात्मता प्रकट हुई। यह आंदोलन केवल अंग्रेजों के खिलाफ नहीं था, अपितु भारत के स्व का आंदोलन था, इसलिए स्वदेशी आंदोलन उसमें जुड़ गया, स्व-भाषा, स्व-संस्कृति का जुड़ गया।

इसलिए भारत के स्व का अर्थ अंग्रेजों को यहां से भगाना चाहिए, इतना ही नहीं था। भारत की आत्मा को जागृत करने का था, इसके लिए स्वामी विवेकानंद सहित अनेक हस्तियों ने कार्य किया। इसके साथ ही इस अवसर पर वर्तमान पीढ़ी को संकल्प लेना चाहिए कि हम भारत को हर क्षेत्र में दुनिया में उत्कृष्ट बनाने के लिए कार्य करेंगे। सरकार्यवाह ने कहा कि सिक्ख पंथ के नवम गुरु, गुरु तेगबहादुर जी के 400वें प्रकाश वर्ष पर संस्थाओं के साथ मिलकर कार्यक्रमों के आयोजन का निर्णय लिया गया है। गुरु तेगबहादुर जी ने धर्म संस्कृति की रक्षा के लिए बलिदान दिया है।

उनकी स्मृति व प्रेरणा वर्तमान पीढ़ी को होनी चाहिए। सरकार्यवाह धारवाड़ (कर्नाटक) में आयोजित अ. भा. कार्यकारी मंडल की बैठक के अंतिम दिन प्रेस वार्ता में जानकारी प्रदान कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कार्यकारी मंडल वर्ष में दो बार बैठता है, प्रतिनिधि सभा से पहले और दीपावली व दशहरा के बीच में बैठक होती है। अभी होने वाली बैठक पूरी तीन दिन की बैठक होती है। कोरोना के कारण पिछले साल बैठक नहीं हो सकी थी। कोरोना काल में संघ के स्वयंसेवकों ने लाखों की संख्या में सेवा कार्य किए।

कोरोना के कारण संघ कार्य का विस्तार भी बाधित हुआ, शाखाएं ठीक से नहीं लग पाईं, देशभर में प्रवास भी बाधित हुआ। शाखा के रूप में प्रत्यक्ष कार्य प्रभावित हुआ, लेकिन सेवा के रूप में व्यापक कार्य हुआ। नित्य शाखा में आने वाले स्वयंसेवकों के साथ ही केवल कार्यक्रमों में आने वाले स्वयंसेवकों ने भी अत्यधिक सक्रियता से कार्य किया।

ऐन दीपावली के वक्त पटाखों पर प्रतिबंध पर संघ ने जताई नाखुशी

नई दिल्ली (एजेंसी) ऐन दीपावली के वक्त कई राज्य सरकारों द्वारा पर्यावरण का हवाला देकर पटाखों पर प्रतिबंध लगाने पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने नाखुशी जताई है। सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कहा कि स्थिति स्विच आफ और आन करने वाली नहीं है कि जब मन किया प्रतिबंध लगा दिया गया। इससे लाखों लोगों का रोजगार जुड़ा हुआ है।

काफी पैसा लगा हुआ है। पटाखे तैयार हो गए हैं। भेजने के लिए पैकेट तैयार हैं। इसलिए इसपर समग्र चिंतन के बाद एक व्यापक नीति बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि संघ पर्यावरण को लेकर चिंतित है, लेकिन यह ठीक नहीं है कि एक समस्या का हल निकालने के लिए कई और समस्याएं पैदा कर दी जाए। जरूरी है कि इसके लिए पहले से चर्चा हो, एक नीति बने। इसमें पर्यावरण विशेषज्ञों के साथ उत्पादकों को भी शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि यह एक देश का मामला नहीं है।

पर्यावरण को लेकर हर कोई चिंतित है। अमेरिका में अमेरिका के आजादी दिवस पर 4 जुलाई को सरकारी आयोजन होते हैं। उसमें पटाखे छोड़े जाते हैं। इसलिए इसे ठीक से देखा जाना चाहिए। बता दें कि दिल्ली समेत कई राज्यों में पटाखों की बिक्री और उसे जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने हरित पटाखों को जलाने की अनुमति दी है।

मुठभेड़ के बाद दो कुख्यात बदमाश एएटीएस की टीम के हत्थे चढ़े

नई दिल्ली (एजेंसी) पुरानी दिल्ली इलाके के कारोबारियों के साथ लूटपाट की वारदात को अंजाम देने के लिए आए दो कुख्यात बदमाशों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया है। उत्तरी जिला पुलिस की वाहन चोरी निरोधक दस्ता (एएटीएस) की टीम ने बदमाशों को वजीराबाद इलाके के जगतपुर से पकड़ा। बदमाश महेश और सुखबीर पर कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

बदमाशों के बारे में एएटीएस की टीम को सूचना मिली थी। उसी सूचना पर एसीपी आपरेशन जयपाल सिंह की देखरेख में इंस्पेक्टर संजीव कुमार, एसआइ विकास दीप, एएसआइ दिनेश, हवलदार मुनेश, संदीप, राकेश और सिपाही राजकमल की टीम ने गुरुवार की रात ट्रैप लगाया। बदमाशों ने पुलिस टीम को देख कर कई राउंड फायर किए। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, लेकिन किसी भी बदमाश को गोली नहीं लगी। हालांकि दोनों को दबोच लिया गया। वहीं,एक अन्य मामले में ओखला में रहने वाली एक महिला की सूझबूझ के चलते मोबाइल झपटने वाला बदमाश गिरफ्तार हो गया।

बदमाश ने 17 अक्टूबर को महिला से मोबाइल लूटा था। इसके बाद महिला ने अपने ही नंबर पर अपनी सहेली के मोबाइल से वीडियो काल की। बदमाश ने वीडियो काल पर बात करनी शुरू कर दी। इसके बाद महिला ने उसका स्क्रीन शाट लेकर पुलिस को दे दिया। फोटो के जरिये ओखला पुलिस चौकी ने बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। बदमाश के कब्जे से छीना गया मोबाइल फोन बरामद कर लिया गया है।

पीड़ित सुषमा संजय कॉलोनी, ओखला में रहती है। वह 17 अक्टूबर को रात 11 बजे अपने घर के बाहर मोबाइल पर बात कर रही थी। तभी एक युवक आया और सुषमा का मोबाइल छीनकर ले गया। इस दौरान महिला ने बताया कि उसने आरोपित से वीडियो काल की थी और आरोपित ने वीडियो काल अटेंड की थी। इसमें उसका चेहरा सामने दिखा था। स्क्रीन शाट के आधार पर पुलिस टीम ने ओखला के 250 घरों की तलाशी लेकर आरोपित को गिरफ्तार किया। बदमाश की पहचान सुलतान अली के रूप में की गई है।

दोपहिया वाहनों और एंबुलेंस के लिए टीकरी बार्डर पर खुला रास्ता, किसान संगठन-दिल्ली पुलिस में बनी सहमति

नई दिल्ली (एजेंसी)
तीनों केंद्रीय कृषि कानूनों के विरोध में जारी प्रदर्शन के बीच 11 महीने बाद दिल्ली और हरियाणा के लोगों को बड़ी राहत मिल गई है।

शनिवार को दिल्ली पुलिस और किसान संगठनों के बीच हुई अहम बैठक में दिल्ली-हरियाणा के टीकरी बार्डर पर रास्ता खोलने को लेकर सहमति बन गई, जिसके बाद एक छोटा सा रास्ता खोल दिया गया है। शनिवार दोपहर बाद टीकरी बार्डर पर 5 फीट का रास्ता खोला गया है। इससे दुपहिया वाहनों के साथ एंबुलेंस भी आ-जा सकेंगे।

इस रास्ते का इस्तेमाल पैदल यात्री भी आवाजाही के लिए कर सकेंगे। दिल्ली पुलिस और किसानों के बीच बनी सहमति के बाद टीकरी बार्डर पर 5 फीट का रास्ता खोला गया है, जिसके जरिये 2 व्हीलर, एंबुलेंस, और पैदल आने-जाने वाले निकल सकेंगे। यह रास्ता रोजाना सुबह 7 बजे से शाम 8 बजे तक खुला रहेगा।

इस दौरान रात को सिर्फ एम्बुलेंस की एंट्री होगी, जिसे किसान नहीं रोकेंगे। दिल्ली और हरियाणा के बीच बड़ी संख्या में लोग कामकाज और अन्य वजहों से टीकरी बार्डर के माध्यम से आवागमन करते हैं। ऐसे में इस छोटे से रास्ते के खुलने से भी रोजाना हजारों लोगों को सीधे लाभ मिलेगा। इसके अलावा, इसके आसपास बनी दुकानों पर भी रौनक बढ़ेगी। गौरतलब है कि 11 महीने बाद टीकरी बार्डर पर बृहस्पतिवार को बैरिकेट हटाए गए। तकरीबन 2 दिन तक चली कार्रवाई में यहां पर बिछी कील की परतों को दिल्ली पुलिस ने पूरी तरह से हटा दिया है। शुक्रवार सुबह तक भारी पुलिस बल की मौजूदगी में टीकरी बार्डर पर रोहतक रोड के किनारे एक लेन पर बिछी कील की परत को पूरी तरह उखाड़ गया। शनिवार को बार्डर के आसपास सड़क के एक लेन पर यहां वहां रखे गए अवरोधक को बचे बैरिकेड को भी हटा दिया गया। इसके बाद कयास लगाए जा रहे थे कि प्रदर्शनकारी व बहादुरगढ़ प्रशासन सहमत हुए तो बहादुरगढ़ से दिल्ली की ओर आने वाली रोहतक रोड के एक लेन पर यातायात शुरू किया जा सकता है। शनिवार को ऐसा ही हुआ, जब दिल्ली पुलिस और किसान संगठनों के बीच हुई बैठक में 5 फीट का रास्ता खोलने पर सहमति बन गई।

दिल्ली में 1 नवंबर से क्या खुलेगा और किस पर अब भी है रोक

नई दिल्ली (एजेंसी)
कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में कमी आने के बाद दिल्ली में सत्तासीन आम आदमी पार्टी सरकार ने लोगों को और राहत देने का एलान किया है। ऐसे में आगामी सोमवार (1 नवंबर) से दिल्ली में कई तरह के बदलाव देखने को मिलेंगे।

हम यहां पर बता रहें है कि दिल्ली में 1 नवंबर से क्या-क्या बदलाव होने जा रहा है, जिसका असर हर राजधानी वासी पर पड़ेगा। डीडीएमए के साथ बैठक में बनी सहमति के बाद दिल्ली में सोमवार से भी स्कूल और कालेज खुलेंगे। इस दौरान स्कूल प्रबंधन, शिक्षकों, अभिभावकों और छात्र-छात्राओं को कोरोना प्रोटोकाल का पालन करना होगा। दिल्ली में सत्तासीन आम आदमी पार्टी सरकार के आदेश के मुताबिक दिल्ली में एक नवंबर से सभी कक्षाओं के लिए स्कूलों को दोबारा खोले जाने की अनुमति दी गई है। दिल्ली दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने शुक्रवार को सिनेमाघरों, थियेटर और मल्टीप्लेक्स को दोबारा पूरी क्षमता से संचालन की अनुमति प्रदान कर दी। आदेश में कहा गया कि सिनेमाघरों, थियेटर और मल्टीप्लेक्स के मालिक मानक संचालन प्रक्रिया के सख्त अनुपालन के लिए जिम्मेदार होंगे और आधिकारिक दिशा-निर्देशों के अनुसार परिसर में कोविड-उपयुक्त व्यवहार की पालना सुनिश्चित करेंगे।

इसके लिए ये लोग मांग कर रहे थे, इन लोगों का तर्क था कि सिनेमाहाल को इन हालात में चलाना कठिन हो रहा है।आधी सीटों पर ही बैठने की अनुमति के चलते खर्च अधिक और कम हो रही है।ऐसे में कुछ सिनेमाहाल बंद चल रहे थे। दिल्ली में विवाह समारोह और अंतिम संस्कार के दौरान अधिकतम 200 लोगों के शामिल होने की भी अनुमति दी है। पहले इन कार्यक्रमों में अधिकतम 100 लोग ही शामिल हो सकते थे। डीडीएमए द्वारा जारी यह आदेश 31 अक्टूबर की मध्यरात्रि से लागू होगा। डीडीएमए ने दिल्ली में सभी अधिकृत साप्ताहिक बाजारों को भी एक नवंबर से दोबारा खोलने की अनुमति प्रदान की है। इससे दुकानदारों के साथ लाखों मध्यवर्गीय लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

डीडीएमए ने कहा है कि सभी तरह के सामाजिक, राजनीतिक, खेल, मनोरंजन, सांस्कृतिक जमावड़े पर रोक जारी रहेगी। हालांकि, डीडीएमए के 30 सितंबर के आदेशानुसार त्यौहार संबंधी कार्यक्रम की अनुमति रहेगी।सभी अनुमति प्रदान और प्रतिबंधित गतिविधियों के संबंध में ये आदेश 15-16 नवंबर की मध्यरात्रि या अगले आदेशों तक प्रभावी रहेंगे। आटो, टैक्सी, फटफट सेवा और ई रिक्शा आदि में भी अभी पूरी क्षमता के साथ लोग नहीं बैठ सकेंगे। आदेश में कहा गया है कि किसी भी तरह का उल्लंघन पाए जाने पर रेस्त्रां, बार, सिनेमा, थियेटर और मल्टीप्लेक्स के मालिक के खिलाफ सख्त दंडात्मक और आपराधिक धाराओं के तहत कार्रवाई की जाएगी। अभी मेट्रो और बसों में खड़े होकर यात्रा करने की अनुमति नहीं दी गई है।

गौरतलब है कि कोरोना वायरस की महामारी की दूसरी लहर के कारण अप्रैल में लाकडाउन लगाने के साथ ही सिनेमा, थियेटर और मल्टीप्लेक्स को बंद कर दिया गया था। बाद में जुलाई के आखिरी सप्ताह में इन्हें 50 फीसद क्षमता के साथ संचालन की अनुमति दी गई थी।आदेश में बैंक्वेट हाल में बैठकों और सम्मेलन की भी अनुमति प्रदान की गई है, जहां अब तक केवल शादी समारोह और प्रदर्शनी के आयोजन की छूट थी।

सम्पादकीय
ओपन सर्च

स्वायत्त बहुजन राजनीति और कांशीराम की विरासत

क्या देश की संसदीय राजनीति में 'स्वायत्त दलित राजनीतिक अवधारणा' के दिन लद रहे हैं या राष्ट्रीय दलों में दलित प्रतिनिधित्व की नई राजनीति इसे विस्थापित कर रही है। कांग्रेस एवं भाजपा जैसे दलों में दलित नुमाइंदगी प्रतीकात्मक होने के आरोप के साथ बहुजन राजनीति की शुरुआत हुई थी। बड़ा सवाल आज यह है कि क्या उत्तर भारत में बहुजन राजनीति अपने ही अंतर्विरोधों से अप्रसांगिक होने के खतरे से नहीं जूझ रही है। अगले साल यूपी सहित पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव होने हैं, जिसकी बिसात बिछ चुकी है और ऐसे में सबकी निगाह मायावती के प्रदर्शन या सही मायनों में स्वायत्त दलित राजनीतिक अवधारणा के भविष्य पर भी टिकी हुई है। असल में मायावती की सफलता और विफलता के साथ डॉ. अम्बेडकर और कांशीराम की उस दलित चेतना का सीधा संबन्ध भी है जिसे सामाजिक न्याय के साथ देखा जाता है।

सवाल यह है कि क्या मायावती के साथ ही उस स्वायत्त दलित राजनीति का अंत भी हो जाएगा जिसे कांशीराम ने खड़ा किया था क्योंकि मौजूदा पूर्वानुमान यही इशारा कर रहे हैं कि उप्र में मायावती भाजपा और सपा की तुलना में पिछड़ सकती हैं। ऐसे में इस सवाल के समानांतर राष्ट्रीय दलों में दलित प्रतिनिधित्व की राजनीति को भी विश्लेषित किये जाने की आवश्यकता है। हाल ही में पंजाब में कांग्रेस ने रामदसिया दलित बिरादरी के सिख को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बिठाया है तो भाजपा ने उत्तराखंड की राज्यपाल बेबी रानी मौर्य को इस्तीफा कराकर पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया है। जाहिर है राष्ट्रीय दल अब प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व को मजबूत करते हुए दीर्घकालिक चुनावी लक्ष्यों को साधने के लिए जुट गए हैं।

> सवाल यह है कि क्या मायावती के साथ ही उस स्वायत्त दलित राजनीति का अंत भी हो जाएगा जिसे कांशीराम ने खड़ा किया था क्योंकि मौजूदा पूर्वानुमान यही इशारा कर रहे हैं कि उप्र में मायावती भाजपा और सपा की तुलना में पिछड़ सकती हैं। ऐसे में इस सवाल के समानांतर राष्ट्रीय दलों में दलित प्रतिनिधित्व की राजनीति को भी विश्लेषित किये जाने की आवश्यकता है। हाल ही में पंजाब में कांग्रेस ने रामदसिया दलित बिरादरी के सिख को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बिठाया है तो भाजपा ने उत्तराखंड की राज्यपाल बेबी रानी मौर्य को इस्तीफा कराकर पार्टी का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया है।

बड़ा सवाल यही है कि क्या जिस तरह 2007 में मायावती ने अपने दम पर यूपी की सत्ता पर कब्जा कर स्वायत्त दलित राजनीतिक ताकत का खंबा ठोका था वह महज एक संयोग भर था।क्योंकि 2012 और 2017 के विधानसभा चुनाव हों या 2014 और 2019 के लोकसभा नतीजे, मायावती की बहुजन थियरी लगातार कमजोर होते हुए आज अपने अस्तित्व से क्यों जूझ रही है। इसके जवाब में दलित आंदोलन के नवसामंती तत्वों को समझने की आवश्यकता भी है क्योंकि मायावती कांशीराम की विरासत को संभालने में नाकाम साबित हुई हैं। डॉ. अम्बेडकर ने शिक्षित,संगठित दलित समाज की अवधारणा को गढ़ा था जिसे 90 के दशक में कांशीराम ने जमीन पर कुछ परिवर्तन के साथ उतारने का काम किया। बेशक कांशीराम जाति को जाति से काटने की बुनियाद पर चले लेकिन उनके मिशन में एक सांस्कृतिक पुट भी था जो कतिपय ऐतिहासिक जातिगत अन्याय को उभार कर आगे बढ़ा था। कांशीराम ने प्रवास और अहंकार मुक्त सम्पर्क के बल पर दलित राजनीति की स्वायतत्ता को आकार दिया। मायावती ने इसे एक एटीएम की तरह उपयोग किया और उस पक्ष को बिसार दिया जो कांशीराम के परिश्रम और सम्पर्क शीलता से जुड़ा था। नतीजतन मंडल और कमंडल की काट में खड़ा किया गया एक सफल दलित आंदोलन आज महज चुनाव लड़ने के विचार शून्य सिस्टम में तब्दील होकर रह गया। उत्तर प्रदेश में आज कोई भी पूर्वानुमान मायावती को 2007 की स्थिति में होने का दावा नहीं कर रहा है। आज दलित बिरादरी में मायावती और बसपा को जाटव एवं कुछ पॉकेट में मुस्लिम वोटों की ताकत तक आंका जा रहा है।

कभी 30 फीसदी वोटों वाली मायावती दो लोकसभा चुनाव में उस कोर जाटव वोट को भी सहेज कर नहीं रख पाई जो कांशीराम के जमाने से इस पार्टी का सबसे सशक्त आधार था। बेशक आज भी यूपी में वह 20 फीसदी से ज्यादा मत प्रतिशत पर काबिज है लेकिन जिन गैर जाटव और गैर यादव ओबीसी वोटों के साथ बहुजन आंदोलन कांशीराम ने खड़ा किया था उसकी उपस्थिति मायावती के साथ नहीं है। 2014 में अमित शाह ने जिस सोशल इंजीनियरिंग को उप्र में अंजाम दिया था वह 2019 में भी कायम नजर आई और अब खतरा बहुजन आंदोलन के सामने यह खड़ा है कि जाटव कोर वोट में भी भाजपा सेंधमारी की फूल प्रूफ तैयारी के साथ मैदान में उतर चुकी है। बेबीरानी मौर्य मायावती की उसी जाटव जाति से आती हैं और प्रदेश के सभी 75 जिलों में उनके दौरे एवं सम्पर्क सभाओं का प्लान पार्टी ने तय किया है। खासकर जाटव महिलाओं के बीच।

पटाखों से पैदा होने वाला प्रदूषण

ललित गर्ग

इस वर्ष दीपावली पर आतिशबाजी न हो, इसके लिये सरकारें ही नहीं गैर-सरकारी संगठन भी व्यापक प्रयत्न कर रहे हैं। दिल्ली सरकार ने इसके लिये सख्ती बरतने की तैयारी की है, प्रसिद्ध फिल्म अभिनेता आमिर खान दिवाली पर पटाखेबाजी के विरुद्ध एक विज्ञापन में टीवी चौनलों पर करोड़ों को प्रेरित कर रहे हैं एवं अणुव्रत विश्व भारती ईको-फ्रेंडली दीपावली का संदेश जन जन के बीच पहुंचा रही है, क्योंकि पटाखे जलाने से न केवल बुजुर्गों बल्कि बच्चों के जीवन पर खतरनाक प्रभाव पड़ने और अनेक रोगों के पनपने की संभावनाएं हैं। आम जनता की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाली पटाखे जलाने की भौतिकतावादी मानसिकता को विराम देना जरूरी है।

कोरोना महामारी के बाद बदले माहौल एवं स्वास्थ्य-जरूरतों को देखते हुए यह नितांत अपेक्षित भी है। प्रदूषण मुक्त पर्यावरण की वैश्विक अभिधारणा को मूर्त रूप देने के लिये इको फ्रेंडली दीपावली मनाने का संकल्प लेने की आवश्यकता है। पटाखे के प्रदूषण से दीपावली के गौरवपूर्ण अस्तित्व एवं अस्मिता के काले पड़ने की सम्भावना संस्कृतिकर्मी एवं प्रदूषण विशेषज्ञ व्यक्त कर रहे हैं। मैं और कुछ भी कह कर दीपावली की महत्ता को कम नहीं कर रहा हूं, पर और भी जो काला पड़ रहा है वह भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। दीपावली हमारी संस्कृति है, सभ्यता है, आपसी प्रेम है, इतिहास है, विरासत है और दीपों की कतारों का आश्चर्य है। पटाखे जलाने से दीपावली ही नहीं, ये सब भी काले पड़ रहे हैं। स्वास्थ्य चौपट हो रहा है, फिजूलखर्ची बढ़ रही है। पटाखों पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध होने के बावजूद अंधाधुंध आतिशबाजी होना जहां सरकार की लापरवाही है, गैरजिम्मेदारी है, वहीं आम जनता द्वारा गैरकानूनी तरीके से आतिशबाजी करना आपराधिक कृत्य है। इस विषम एवं ज्वलंत समस्या से मुक्ति के लिये हर व्यक्ति को संवेदनशील एवं अन्तर्दृष्टि-सम्पन्न बनना होगा। क्या हमें किसी चाणक्य के पैदा होने तक इन्तजार करना पड़ेगा, जो जड़ों में मठ्ठा डाल सके।...नहीं, अब तो प्रत्येक मन को चाणक्य बनना होगा। तभी विकराल होती वायु प्रदूषण की समस्या से मुक्ति मिलेगी। दिल्ली के अलावा 21 शहर भी प्रदूषित शहरों की लिस्ट में शामिल हैं, पटाखों के धुएं से इन शहरों एवं समूचे देश में प्रदूषण बढ़ने की संभावनाएं हैं। सर्दियां आते ही दिल्ली की आबोहवा बच्चों और बुजुर्गों के लिए विशेष रूप से खतरनाक होने लगती है।

दिल्ली की हवा में उच्च सांद्रता है, जो बच्चों को सांस की बीमारी और हृदय रोगों की तरफ धकेल रही है। शोध एवं अध्ययन में यह भी पाया गया है कि यहां रहने वाले 75.4 फीसदी बच्चों को घुटन महसूस होती है। 24.2 फीसदी बच्चों की आंखों में खुजली की शिकायत होती है। सर्दियों में बच्चों को खांसी की शिकायत भी होती है। बुजुर्गों का स्वास्थ्य तो बहुत ज्यादा प्रभावित होता ही है। सर्दियों के मौसम में हवा में घातक धातुएं होती हैं, जिससे सांस लेने में दिक्कत आती है। हवा में कैडमियम और आर्सेनिक की मात्रा में वृद्धि से कैंसर, गुर्दे की समस्या और उच्च रक्तचाप, मधुमेह और हृदय रोगों का खतरा बढ़ जाता है। इसमें आतिशबाजी एवं पराली जलाने से घातकता कई गुणा बढ़ जाती है। किसी व्यक्ति के बारे में सबसे बड़ी बात जो कही जा सकती है, वह यह है कि उसने अपने चरित्र पर कालिख नहीं लगने दी। अपने जीवन दीप को दोनों हाथों से सुरक्षित रखकर प्रज्वलित रखने के लिये ईको-फ्रेंडली दीपावली के संकल्प को आकार देना ही होगा। अगर हमने यह संकल्प नहीं लिया तो दीपावली पर दिल्ली में फिर धुएं की चादर छा जाएगी और लोगों को सांस लेना भी दूभर हो जाएगा। वैसे तो दिल्ली सरकार ने सख्ती भी की है। दिल्ली में अगर लोग पटाखे जलाते पकड़े गए तो उनके खिलाफ विस्फोटक एक्ट के तहत एक्शन लिया जाएगा। अगर कोई लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ करता दिखाई दिया तो उसके खिलाफ आईपीसी की धारा 188 और 286 के तहत कार्रवाई की जाएगी। बात दिल्ली की ही नहीं, समूचे राष्ट्र की है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय पटाखे नहीं दीया जलाओ अभियान की शुरूआत कर रहे हैं, ताकि लोगों को जागरूक किया जा सके। यह सही है कि प्रदूषण की रोकथाम के लिए सख्ती जरूरी है लेकिन लोग मानने को तैयार नहीं होते। हर वर्ष दीपावली को देर रात गए लोग पटाखे जलाते रहते हैं। एक विश्लेषण के अनुसार राजधानी में नवम्बर माह के पहले पन्द्रह दिनों में हवा सबसे प्रदूषित होती है। इसका कारण पराली और पटाखों से निकलने वाला धुआं होता है, जो दिल्ली को स्वास्थ्य आपातकाल में धकेल देता है। राजधानी की हवा में प्रदूषण का प्राथमिक स्रोत वाहनों का जमावड़ा और पड़ोसी राज्यों में औद्योगिक संचालन से निकलने वाला धुआं भी है। अणुव्रत विश्व भारती के जनजागृति अभियान की भी व्यापक प्रासंगिकता है। देश में 165 स्थानों पर अणुव्रत समितियां सक्रिय हैं जो देश में पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति, सद्भावना, अहिंसा प्रशिक्षण, चुनाव शुद्धि जैसे विभिन्न मुद्दों पर जन अभियान चला रही है। 'ईको-फ्रेंडली दीपावली' के प्रचार-प्रसार में योगदान देकर समितियां एक कदम और आगे बढ़ेंगी तथा जन-जागरण से पर्यावरण को शुद्ध बनाने तथा प्रदूषण नहीं फैलाने में इनकी अहम् भूमिका होगी। समिति प्रचार-प्रसार के दौरान पटाखों से प्रभावित लोगों की मार्मिक कहानी, बैनर लोकार्पण, नुक्कड़ नाटक मंचन, संकल्प पत्र, ईको-फ्रेंडली दीपावली आलेख लेखन एवं प्रकाशन सरीखें कई कार्यक्रम करेगी। आमिर खान ने दिवाली पर पटाखेबाजी के विरुद्ध जो देश के करोड़ों लोगों से अनुरोध किया हैं उसका व्यापक असर होगा। उनका अनुरोध है कि दिवाली के मौके पर सड़कों पर पटाखेबाजी न करें। अंधाधुंध पटाखेबाजी से सड़कों पर यातायात में तो बाधा पड़ती ही है, प्रदूषण भी फैलता है और विस्फोटों से लोग भी मरते हैं। इसके अलावा पटाखों के नाम पर हम चीनी पटाखा-निर्माताओं की जेबें मोटी करते हैं। आमिर ने जन-जन की जीवन रक्षा से जुड़े इस ज्वलंत मुद्दे पर विज्ञापन करके एक सकारात्मक पहल की है। आमिर खान की तरह हमारे सभी अभिनेता और अभिनेत्रियाँ ऐसे विज्ञापनों में भाग लें, जो आम लोगों को समाज-सुधार के लिए प्रेरित करें। इससे अपराध घटेंगे, विकृतियां एवं विसंगतियां समाप्त होगी और सरकार का भार भी हल्का होगा। प्रदूषण कम करने और दिल्ली सहित देश के अन्य महानगरों-नगरों को रहने लायक बनाने की जिम्मेदारी केवल सरकारों की नहीं है, बल्कि हम सबकी है। हालांकि लोगों को सिर्फ एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभानी है। यद्यपि एंटीडस्ट अभियान भी चलाया जा रहा है। लोगों को खुद भी पूरी सतर्कता बरतनी होगी। लोगों को खुली जगह में कूड़ा नहीं फैंकना चाहिए और न ही उसे जलाया जाए। वाहनों का प्रदूषण लेवल चौक करना चाहिए। कोशिश करें कि हम निजी वाहनों का इस्तेमाल कम से कम करें और सार्वजनिक वाहनों का उपयोग करें। हालांकि पराली जलाए जाने की घटनाएं पिछले साल के मुकाबले काफी कम हैं, इसलिए दिल्ली वालों को भी पटाखे जलाकर खुद की या दूसरों की जान जोखिम में नहीं डालनी चाहिए। अगर हमने पर्यावरण को लेकर पहले से ही सतर्कता बरती होती तो देश प्रदूषण का शिकार नहीं होता।

जरा पाक परस्तों का नंगा नाच तो देखो

दृआर.के. सिन्हा

भारत-पाकिस्तान के बीच टी-20 ओवर वर्ल्ड कप के पहले मैच के दौरान जिस तरह से कश्मीर और पंजाब में पाकिस्तान परस्तों ने खुलकर भारत विरोधी नारेबाजी, आतिशबाजी करके जश्न मनाया उसे सारे देश ने देखा। इसे कहते हैं, एहसान फरामोशी। ये जिस देश में रहते हैं या जहां का खाते हैं, उस देश के साथ ही गद्दारी करते हैं। इनकी आत्मा यह सब करने की इजाजत कैसे देती है।

क्या यही इनके मजहब में सिखाया जाता है कि जिस थाली में खाओ उसी में छेद करते रहो! यह देशद्रोह का सीधा मामला है। पाकिस्तान की भारत पर जीत पर श्रीनगर के एसकेआईएमएस मेडिकल कॉलेज के छात्रों और गवर्मेंट मेडिकल कॉलेज की छात्राओं के जश्न मनाने के आरोप में यूएपीए की धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया गया है। यूएपीए की धाराओं में अगर किसी की गिरफ्तारी होती है तो उसे बेल मिलना तो मुश्किल हो ही जाता है। इस कानून का मुख्य मकसद आतंकी गतिविधियों को रोकना है। इस कानून के तहत पुलिस ऐसे आतंकियों, अपराधियों या अन्य लोगों को पकड़ती है, जो आतंकी गतिविधियों में शामिल होते हैं। इन दोनों कॉलेजों के स्टूडेंट्स पर टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान पाकिस्तान के समर्थन में नारेबाजी करने का मामला है। यह मात्र आरोप नहीं है। इन विद्यार्थियों को सारे देश ने पाकिस्तान के हक में नारेबाजी करते देखा है। नारेबाजी करने वाले इनके वीडियो पूरे विश्व में वायरल हो चुके हैं। पंजाब के दो निजी शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले कश्मीर के छात्रों ने भी मैच के दौरान पाकिस्तान के हक में नारेबाजी की थी।

> ये जिस देश में रहते हैं या जहां का खाते हैं, उस देश के साथ ही गद्दारी करते हैं। इनकी आत्मा यह सब करने की इजाजत कैसे देती है। क्या यही इनके मजहब में सिखाया जाता है कि जिस थाली में खाओ उसी में छेद करते रहो ! यह देशद्रोह का सीधा मामला है। पाकिस्तान की भारत पर जीत पर श्रीनगर के एसकेआईएमएस मेडिकल कॉलेज के छात्रों और गवर्मेंट मेडिकल कॉलेज की छात्राओं के जश्न मनाने के आरोप में यूएपीए की धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया गया है।

एक घटना संगरूर शहर के बाहरी इलाके में स्थित भाई गुरदास इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में हुई, जबकि दूसरी मोहाली जिले में हुई। इन छात्रों को इन्हीं कॉलेजों में पढ़ने वाले उत्तर प्रदेश और बिहार के छात्रों ने कसकर पीटा भी। हालांकि इन्हें कश्मीरी छात्रों की हरकतों की जानकारी पुलिस को दे देनी चाहिए थी। लेकिन, कोई भी राष्ट्र भक्त भारत के खिलाफ खुलकर नारेबाजी को कैसे सहन करेगा ? राजस्थान में भी एक स्कूल की टीचर ने पाकिस्तान की जीत पर अपने फेसबुक स्टेट्स पर लिखा- हम जीत गए। जब उसकी कड़ी प्रतिक्रिया हुई तो उसने माफी मांगी। पर तब तक बहुत देर हो चुकी थी। उसे तो नौकरी से निकाला जा चुका था। अब यही अच्छा रहेगा कि वह पाकिस्तान जाये और वहां अपने मन मुताबिक नौकरी ढूँढ लें। जरा गौर करें कि भारत में अब भी कितने आस्तीन के सांप सक्रिय हैं। इन पाकिस्तान परस्तों को जानते ही होंगे पाकिस्तान के गृह मंत्री शेख राशिद। तब ही तो उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की भारत पर जीत से भारत के मुसलमान खुश होंगे। हालांकि बड़बोले शेख राशिद ने भारत के सभी करोड़ों मुसलमानों की भारत के प्रति निष्ठा पर सवाल खड़े करके अपनी घटिया मानसिकता को ही दर्शाया। वे नहीं जानते कि भारत का औसत मुसलमान राष्ट्रवादी ही है। हां, कश्मीरी मुसलमानों को इस कैटेगरी में शामिल नहीं किया जा सकता है।

इन्हें पिछले 70 सालों में भारत सरकार ने सब कुछ दिया पर ये लगभग पाकिस्तान के हक में ही खड़े रहे। ये भारतीय फौजियों पर पत्थर फेंकते रहे और वे बेचारे सरकारी आदेश के अभाव में चुपचाप सहते रहे। पाकिस्तान की जीत पर हमारे यहां आतिशबाजियां हो और जश्न मनाया जाए इस पर पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर और वीरेंद्र सहवाग का भड़कना स्वाभाविक ही है। इन्होंने ट्विटर पर ऐसा करने वालों को जमकर लताड़ा। भाजपा सांसद गंभीर ने टूक कहा, पाकिस्तान की जीत पर जो आतिशबाजी कर रहे हैं वो भारतीय नहीं हो सकते। हम अपने खिलाड़ियों के साथ खड़े हैं। इसके बाद भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने भी ट्वीट कर सवाल पूछा कि जब पटाखे प्रतिबंधित हो गए हैं तो अचानक ये कहां से आ गए। उन्होंने आगे लिखा, देश के कई हिस्सों में पाकिस्तान की जीत का जश्न मनाने के लिए पटाखे फोड़े गए।

अच्छा वे क्रिकेट की जीत का जश्न मना रहे होंगे, तो फिर दिवाली पर पटाखे फोड़ने पर क्या हर्ज है। यह पाखंड क्यों, सारा ज्ञान उन्हें तब ही याद आता है। देखिए वैसे तो किसी भी खेल का हिस्सा है जीत और हार। इसलिए भारतीय टीम के हारने से कोई आफत नहीं आ गई है। हमारी टीम की क्षमताओं पर किसी को कोई शक नहीं है। मसला यह है कि क्या मुंबई में आतंकी हमले करवाने वाले देश की टीम की जीत पर आतिशबाजी की जाए ? क्या जो भारत में घुसपैठ करवा कर आतंक मचाता है उस देश को गले लगाया जाए ? अब उन सब पर यूएपीए की धाराओं के अंतर्गत केस चलेगा जो पाकिस्तान के जीतने पर जश्न मना रहे थे। अब देश देखेगा कि कौन से सेक्युलरवादी और लिबरल एक्टिविस्ट देश के इन दुश्मनों के हक में बयानबाजी करते हैं। उन्हें किसी भी सूरत में माफ नहीं किया जा सकता। इन्हें मेडिकल कॉलेज से तत्काल निकाला जाना चाहिए। तब इन्हें होश आएगा। इन्हें पाकिस्तान से इतना ही प्यार है तो इन्हें वहीं भेजो। उम्मीद के मुताबिक, महबूबा मुफ्ती का पाकिस्तान प्रेम सिर चढ़कर बोलने लगा है। वह उन कश्मीरी स्टूडेंटस के साथ आ गई हैं जो पड़ोसी मुल्क का साथ दे रहे थे। यकीन मानिए कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान और कुख्यात खुफिया एजेंसी आईएसआई महबूबा मुफ्ती से बहुत प्रभावित होंगे क्योंकि उनका पाकिस्तान प्रेम जगजाहिर है। इन्हें भी पाकिस्तान के ही हवाले कर देना सही रहेगा।

इस बीच, अब भारत को देश के अंदर पल रहे अपने शत्रुओं को ठीक ढंग से कसना होगा। हाल के कुछ वर्षों में यह देखने में आ रहा है कि कुछ भारतीय नागरिक ही देश की जड़ों को कमजोर कर रहे हैं। आपको याद होगा कि कुछ समय पहले पुणे में सेना भर्ती परीक्षा का पर्चा लीक करने के आरोप में सेना के एक मेजर को पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। इस मामले में एक और मेजर की भी गिरफ्तारी हुई है। इन पर आरोप है कि ये सेना की परीक्षा के पर्चे लीक करके पैसे बटोर रहे थे। साफ है कि ये चंद सिक्कों के लिए देश के साथ गद्दारी कर रहे थे।

चुनावी बाजार चाणक्यों की भरमार

पंडित संदीप

अखंड भारत शब्द के प्रथम प्रणेता आचार्य चाणक्य के नाम की उपाधि ले लेने मात्र से कोई भी चाणक्य की उपलब्धि में बदल देगा यह संभावना ही संभव प्रतीत नहीं होती। नंद वंश का अंत कर शिखा को बांध देने की चाणक्य प्रतिज्ञा से भला कौन परिचित नहीं होगा? चंद्रगुप्त को सिंहासन सौंप स्वयं कुटिया में रहने वाले आचार्य चाणक्य का तप, साधना, समर्पण, संयम, सदाचार शब्द मात्र नहीं चाणक्य होने का, चाणक्य के बनने का चाणक्य के जीवन जीवांत होने का आधार है।

आज दौरे चुनाव में मैं भी चाणक्य तू भी चाणक्य... खबरिया चैनलों पर चाणक्य की भरमार है हर ऐरे गैरे आंकड़ेबाजों की जमात के मुखिया को चाणक्य शब्द से सुशोभित कर महिमामंडित करने की होड़ मची है। चुनाव के नारों को गढ़ने वाले, आंकड़ों का जोड़ घटा कर नए समीकरण सजा मन मोहने वाले, आंकड़ों के उलट फेर से सत्ता संघर्ष का खेल खेलने वालों, सियासी रण में ऐसे सस्ते चाणक्य आज हर बाजार हर दल के दरबार में हाथ बांधे बिकने को तैयार खड़े हैं।

ऐसे आज के तथाकथित चाणक्य जिनमें कुछ की दुकानें हैं तो कुछ दल दल, नेता नेता खुद को मैं भी चाणक्य बता चुनावी बिसात में रणनीति का माहिर बता सत्ता सुंदरी को मोहने का पासा फेंकते दिखाई देंगे। इन सस्ते चाणक्यो के चक्कर में छोटे दलों के क्षत्रप फंस भी रहे हैं । जिससे उस दल के जमीनी कार्यकर्ताओं, अनुभवी नेताओं, पार्टी की दीवार बन अडिग खड़े बुद्धिजीवियों को उस भाड़े के चाणक्य के सम्मुख दरबारी बन हाजिरी लगाने की मजबूरी बन जाती है। चुनाव चेहरे, मुद्दे, कार्यकर्ता, ईमानदारी और उम्मीद इन पाँच सूत्र पर लड़े और जीते जाते रहे हैं और आगे भी यही पाँच आधार भूत तथ्य किसी दल को शीर्ष में पहुंचाने की राह बनाएंगे। चुनाव 2014 का हो तो चेहरा मोदी बन सामने थे, काला धन उम्मीद, बहुत हुई महंगाई की मार मुद्दा, भ्रष्टाचार से मुक्त ईमानदारी और कार्यकर्ताओं का हुजूम सुनामी बन कमल दल को दिल्ली दरबार में स्थापित करने का कारण बनी।

उसी दिल्ली में केजरीवाल ने जनता से कहा काम किया तो वोट देना नहीं तो किसी और को चुन लेना। केजरीवाल दिल्ली में मोदी से बड़ा चेहरा बन गए, उनका काम चुनावी मुद्दा, उनकी शैली ईमानदारी का प्रतीक, उनके बनाए स्कूल, अस्पताल, बिजली उम्मीद की किरण बन जनता के दिलों में थी, नतीजा देश जीतने वाला दल केजरीवाल से हार गया अमित शाह की मंत्रियों मुख्यमंत्रियों, सांसदों, विधायको, बुद्धिजीवियों, धनपतियों की सेना झाड़ू वालों के सामने रणछोड़ बन परास्त चित्त हो सिमट गई। 70 में से आठ बस इतने ही जीते कमल प्रेमी दिल्ली के दंगल में।

कांग्रेस का तो खाता ही नहीं खुला शून्य पर सिमटी शीला की कांग्रेस माकन के दौर में भी जीरो पर ही अडिग, अविचलित खड़ी रही। दीदी ओ दीदी बोल बंगाल में ललकारने वाले मोदी से ममता का चेहरा भिड़ गया। खेला होवे का नारा तराना बन दंभ, धर्म, अहंकार, नफरत की राजनीति का बीज बोने वालों को लपेट समेट गया। दीदी चुनाव तक चतुराई से पैर में प्लास्टर सजाए पहिएदार कुर्सी पर विराजमान हो सहानुभूति की फसल काट बंगाल में ऐतिहासिक जीत का अध्याय लिखा। पूरे हिंदुस्तान ने देखा दीदी का दम, शाह की बिसात, मोदी की ललकार और बंगाल का फैसला। तीन चुनाव, तीन चेहरे, तीन जीत, तीन नायक देश के सामने हैं।

ऐसे में सस्ते बाजारू चाणक्यो की चतुराई क्या काम आई? आंकड़ेबाजों की पैंतरेबाजी क्या रंग लाई? यह जीत कार्यकर्ताओं के कौशल, समर्पण दिल से जुड़े नेताओं के आत्मविश्वास का पैगाम है या फिर दल दल, दफ्तर दफतर घूम रहे मैं भी चाणक्य कहने वाले किसी सस्ते बाजारू चाणक्य का जादू... आंकड़े बताए गिनाए जा सकते हैं आंकड़ों से जाति, धर्म, अमीर, गरीब, पढ़े, अनपढ़, किसान, मजदूर, रोजगार, बेरोजगार चिन्हित किए जा सकते हैं पर चेहरे के बिना चुनावी समर में यह आंकड़ों का जाल किसी काम का नहीं बेमानी साबित होता है।

नेता की नियति लोकप्रियता आंकड़ों से नहीं बढ़ती बल्कि आंकड़ों का उपयोग ही नेता के वजूद के जादू से सत्यापित होता है। किसी भी दल को दिल जीतने की जुगत बनानी होगी, कार्यकर्ता प्रथम, दल को जीवन देने वाले सर्वोपरि, नेता का चेहरा बेदाग सेवा ही मुद्दा, समर्पण ही नारा होगा तो जनता राजतिलक करेगी वरना इन बाजारू चाणक्यों का सौदा पटा तो ठीक नहीं तो डील कैंसिल होते ही विरोधी के मंगल के गीत गाने शुरू कर देते हैं। नोट छाप वोट बटोर वाले मीडिया के बनाए बेचारे चाणक्य को क्या खबर चाणक्य बाजारू नहीं जुझारू होते हैं।

ईसाई अल्पसंख्यक और भारतीय प्रजातंत्र

राम पुनियानी

जैसे-जैसे साम्प्रदायिक राष्ट्रवाद और मजबूत, और मुखर होता जा रहा है वैसे-वैसे धार्मिक अल्पसंख्यकों को डराने-धमकाने और उनके विरूद्ध हिंसा की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। पिछले एक दशक में इस प्रवृत्ति में तेजी से वृद्धि हुई है। मुस्लिम विरोधी हिंसा की चर्चा तो फिर भी होती रहती है किंतु ईसाई समुदाय के खिलाफ हिंसा अनेक अलग-अलग कारणों से अखबारों की सुर्खी नहीं बनती। इसका एक कारण यह है कि ईसाई आबादी बिखरी हुई है और उनके विरूद्ध जो हिंसा की जाती है वह अक्सर बड़े पैमाने पर नहीं होती। ये सभी नागरिकों के एक तथ्यांनवेषण दल के निष्कर्ष हैं जिसने देश के अलग-अलग भागों में ईसाई विरोधी हिंसा का अध्ययन और विश्लेषण किया है। इस दल की रपट में कहा गया है कि भारत में ईसाईयों के विरूद्ध हिंसा पर नजर रखने वाले मानवाधिकार संगठनों को लगातार इस समुदाय के खिलाफ हिंसा और उन्हें आतंकित किए जाने की घटनाओं की जानकारी मिलती रहती है परंतु मीडिया और यहां तक कि मानवाधिकार के क्षेत्र में काम करने वाले अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की नजर इन घटनाओं पर नहीं पड़ती. इस रपट में उत्तरप्रदेश के विभिन्न जिलों में ईसाईयों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं को सूचीबद्ध किया गया है। इसके साथ ही अक्टूबर 2020 में रूड़की में चर्च पर हमले की घटना की जांच के निष्कर्ष भी शामिल हैं. रपट कहती है कि इस मामले में पुलिस को पूर्व सूचना दी गई परंतु इसके बाद भी पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की. हमला शुरू होने के बाद पुलिस को सूचना दी गई परंतु वह तब पहुंची जब हमलावर अपना काम करके जा चुके थे। ईसाईयां और उनके धार्मिक स्थलों पर हमलों का उद्धेश्य इस आख्यान को मजबूती देना है कि ईसाई मिशनरियां हिन्दुओं का धर्म परिवर्तन करवा रही हैं। रपट में देश के विभिन्न भागों में इस तरह की घटनाओं के विवरण संकलित किए गए हैं। इस वर्ष ऐसी घटनाएं अनेक स्थानों पर हुई जिनमें शामिल हैं मऊ (10 अक्टूबर), इंदौर (26 जनवरी), शाहजहांपुर (3 जनवरी), कानपुर (27 जनवरी), बरेली (16 फरवरी), अम्बेडकरनगर (21 फरवरी), प्रयागराज (25 फरवरी), कानपुर (3 मार्च), आगरा (14 मार्च), केरल (22 मार्च), महाराजगंज (19 अप्रैल), बिजनौर (23 जून), गोंडा (25 जून), आजमगढ़ (25 जून), रामपुर (26 जून), रायबरेली (28 जून), शाहजहांपुर (29 जून), औरेया (29 जून), जौनपुर (3 जुलाई), होशंगाबाद (3 अक्टूबर), महासमुंद (3 अक्टूबर) और भिलाई (3 अक्टूबर). इस सूची से पता चलता है कि इस तरह की घटनाओं में से अधिकांश उत्तरप्रदेश में हो रही हैं। हरियाणा, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी कुछ घटनाएं हुई हैं और एक घटना केरल में हुई है. अधिकांश मामलों में हमला ईसाईयों की प्रार्थना सभाओं पर किया गया. आरोप यह था कि ये सभाएं धर्म परिवर्तन का अड्डा हैं। बहुसंख्यकवाद के उभार के साथ-साथ धार्मिक अल्पसंख्यकों को नकारात्मक ढ़ंग से प्रस्तुत करने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। अलग-अलग धार्मिक अल्पसंख्यक समूहों पर अलग-अलग ढ़ंग के आरोप लगाए जाते हैं. ईसाईयों के मामले में मुख्य आरोप यह होता है कि वे हिन्दुओं को लालच, कपट और जोर-जबरदस्ती से ईसाई बना रहे हैं। आज से छःह साल पहले सन् 2015 में जूलियो रिबेरो, जिन्होंने अत्यंत प्रतिबद्धता और ईमानदारी से पुलिस अधिकारी बतौर अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया, ने कहा था कि एक ईसाई बतौर अचानक मैं अपने आपको इस देश में अजनबी सा महसूस करने लगा हूं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा आदित्य ग्राफिक्स, प्रताप भवन 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, आई.टी.ओ. नई दिल्ली-110002 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबाइल : 9210092542 फोन :- 011-46696546 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com
सम्पादकीय कार्यालय :- 15&16 सिंधिया हाउस, कस्तूरवा गांधी मार्ग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001

एक नज़र

पटियाला में चचेरी बहन की हत्या कर किया आत्महत्या का नाटक, बाद में एक और का किया मर्डर : ऐसे खुला राज

पटियाला (एजेंसी) पटियाला में चचेरी बहन कर हत्या करने के बाद एक और हत्या करन के मामले का खुलासा करते पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान गुरिंदर सिंह निवासी बोलड़ कला और मनजीत कौर निवासी पटियाला के तौर पर हुई है। जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार करके एक पिस्तौल 32 बोर, 4 रौंद, दो मैगजीन, 4 पिस्तौल, 16 रौंद बरामद किए हैं।

एसएसपी हरचरन सिंह भुल्लर ने बताया कि गुरिंदर सिंह की चचेरी बहन हरनीत कौर के सहजपरीत सिंह के साथ प्रेम संबंध थे और इसी की रंजिश में अक्टूबर 2020 को गुरिंदर सिंह ने हरनीत की गोलियां मारकर हत्या कर दी थी। इसके बाद गुरिंदर ने पुलिस से बचने के लिए गांव मालोमाजरा में भाखड़ा नहर के किनारे बाइक खड़ी करके खुदकुशी का नाटक किया। वह खुद को मृत साबित करके अन्य राज्यों में छिपता रहा। इस के बाद गुरिंदर ने सहजपरीत के जीजे वरिंदर सिंह की भी 4 अक्टूबर, 2021 को गोलियां मारकर हत्या कर दी। सीआईए स्टाफ इंचार्ज शमिंदर सिंह की टीम ने जांच करते हुए दोनों हत्या के मामलों को सुलझाकर आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। थाना पसियाणा के तहत गांव हरीगढ़ में तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार की मौत हो गई।

पुलिस ने ट्रैक्टर ड्राइवर सतिंदरजीत सिंह निवासी गांव कौजीवाला खिलाफ केस दर्ज किया है। राजू निवासी गांव अमामगढ़ थाना सिटी समाना ने बताया कि बीते 28 अक्टूबर को सुबह करीब नौ बजे उसके जीजा धर्मवीर सिंह (36) निवासी गांव हीरागढ़ थाना सनौर अपनी बाइक पर सवार होकर टी-प्वाइंट संगरूर पटियाला रोड पर गांव कौरजीवाला के पास जा रहे थे। इसी दौरान आरोपित ड्राइवर ने अपने तेज रफ्तार ट्रैक्टर से उनके जीजा की बाइक को टक्कर मार दी। उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपित ड्राइवर सतिंदरजीत सिंह के विरुद्ध केस दर्ज करके अगली कार्रवाई शुरू कर दी है।

चंडीगढ़ में पार्क में सरेआम खेला जा रहा था जुआ, पुलिस ने रेड कर 5 को गिरफ्तार किया, कैश बरामद

मनीमाजरा (एजेंसी) चंडीगढ़ जुआरियों का अड्डा बनता जा रही है। आए दिन पुलिस जुआ खेलने के आरोप में लोगों को गिरफ्तार कर रही है। ताजा मामला मनीमाजरा का है, जहां पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर पार्क में जुआ खेलते हुए पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पांचों आरोपितों से 24 हजार 7 सौ रुपये भी बरामद किए।

आरोपितों की पहचान न्यू इंदिरा कॉलोनी के भुपेंद्र सिंह, रणजीत कुमार, पवन कुमार, महिपाल सिंह और मौलीजागरां के चांद के रूप में हुई। पुलिस ने पांच के खिलाफ गैंबलिंग एक्ट के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया। हालांकि पुलिस ने बाद में पांचों को जमानत पर छोड़ दिया। पुलिस के अनुसार दीपावली के त्योहार के दौरान इलाके में अकसर चोरी छिपे जुआ खेला जा रहा है। इसके चलते पुलिस ने इलाके में गश्त बढ़ा दी। वीरवार शाम को पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि शिवालिक गार्डर्न में कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं। सूचना पाते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने पांचों आरोपितों को रंगे हाथ जुआ खेलते हुए पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपितों के पास से 24 हजार सात सौ रुपये भी बरामद किए। इसके बाद पुलिस ने पांच के खिलाफ गैंबलिंग एक्ट के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया। कुछ दिन पहले शहर में सट्टा लगाती तीन महिलाओं को पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

तीनों आरोपितों महिलाओं के पास से पुलिस को 15 हजार 200 रुपये बरामद हुए थे। गिरफ्तार महिलाओं की पहचान मौलीजागरां की रहने वाली शबनम, सेक्टर-25 की रहने वाली ज्योति और काजल के तौर पर हुई है। तीनों आरोपित महिलाओं के खिलाफ सेक्टर-11 थाना पुलिस ने कानूनी कार्रवाई करने के बाद जमानत पर छोड़ दिया। बता दें कि इससे पहले भी पुलिस महिलाओं को सट्टा लगाने के आरोप में गिरफ्तार कर चुकी हैं।

लुधियाना में जियो कंपनी के टावरों को चोर बना रहे निशाना, कई स्थानों से बैटरियां चोरी

संसू, लुधियाना (एजेंसी) शहर के दो स्थानों पर जियो कंपनी के टावरों से बैटरियां चोरी हो गई। कंपनी की शिकायत पर संबंधित थानों की पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पहले मामले में डेहलों के इलाके से टावर में लगी बैटरियां चोरी हो गई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। यह मामला पुलिस ने मोहाली निवासी सचिन कुमार की शिकायत पर दर्ज किया है।

शिकायतकर्ता के अनुसार उसकी जिओ टावर की देखरेख की जिम्मेदारी है। 28 अक्टूबर को उनके टेक्नीशियन ने फोन पर बताया कि गांव खेड़ा में लगे जियो टावर से 3 बैटरियां यहां चोरी हो चुकी है। जिसकी शिकायत उन्होंने पुलिस को दर्ज करवाई। वहीं थाना सदर की पुलिस ने टावर से बैटरियां चोरी होने की शिकायत पर अज्ञात पर मामला दर्ज किया है। यह मामला भी पुलिस ने मोहाली निवासी सचिन कुमार की शिकायत पर दर्ज किया है।

शिकायतकर्ता के अनुसार उनका गांव किला रायपुर में जियो कंपनी का टावर लगा हुआ है। जहां से कोई दो बैटरियां चोरी कर ले गया। सूचना के बाद पुलिस को शिकायत दी गई। पुलिस ने दोनों मामलों में केस दायर कर जांच शुरू कर दी है। गौरतलब है कि पंजाब में किसान आंदोलन के चलते उद्योगपति मुकेश अंबानी और गौतम अदानी का किसानों ने जमकर विरोध किया था। इसके चलते लुधियाना के किला रायपुर स्थित लाजिस्टिक पार्क और फिरोजपुर में साइलों प्लांट को बंद करना पड़ा था। इसके साथ ही रिलायंस कंपनी के कई स्टोर भी बंद करने पड़े थे। अब पुलिस के सामने जियो कंपनी के टावरों की बैटरियां चोरी का सुराग लगाना बड़ी चुनौती है।

पानीपत यूको बैंक में 8.41 करोड़ का लोन घोटाला, सीबीआइ जांच शुरू

पानीपत (एजेंसी) सीबीआइ ने 8. 41 करोड़ रुपये की बैंक धोखाधड़ी से संबंधित दो अलग-अलग मामलों की जांच शुरू कर दी है। मामले पानीपत यूको बैंक से संबंधित है। इन मामलों में सीबीआइ टीम ने गांव शेरा तहसील मतलौडा (पानीपत) में डेयरी फार्म हाउस व खलीला माजरा में मुर्गी फार्म की जांच की है। मामले में बैंक कर्मी भी शामिल बताए जा रहे हैं। आरोप है कि

मतलौडा (पानीपत) में एक डेयरी हाउस को लगभग 3.44 करोड़ रुपये का लोन फर्जी दस्तावेज के आधार पर दिया गया है।

साथ ही खलीला माजरा गांव स्थित मुर्गी फार्म हाउस को 4.97 करोड़ रुपये के करीब का लोन दिया गया। करनाल यूको बैंक ने लोन फर्जीवाड़े की शिकायत सीबीआई को दी है। इस संदर्भ में लीड बैंक मैनेजर (एलडीएम) कमल गिरधर से जागरण ने पूछा तो उन्होंने बताया कि यूको बैंक ने शिकायत दी है। बैंक में सीबीआइ की टीम के आने की जानकारी नहीं है।

तीन मामले सीबीआइ में चल रहे हैं। पानीपत यूको बैंक में दो फर्मों ने लोन लिया है। इस मामले में बैंक कर्मी के साथ -साथ फर्मों की जांच चल रही है। यूको बैंक की चंडीगढ़ शाखा का भी एक मामला दर्ज किया गया है। इसमें इसी तरह का लोन फर्जीवाड़ा का मामला है। पानीपत और समालखा एसडीएम की आइडी से वीवीआइपी नंबर अलाट कर दिए गए थे। जांच में सामने आया था कि एक नंबर के लिए करीब डेढ़ लाख रुपये लिए गए। एसडीएम की यूजर आइडी का इस्तेमाल करके नंबर अलाट किए गए। पानीपत में एक-एक करोड़ के प्लाट को छह-छह लाख में दे दिया गया था। हशविप्रा में आस्टिज कोटे के प्लाटों का घोटाला सामने आया था।

दोपहर 1 बजे तक 43 प्रतिशत मतदान, वोटिंग बूथ पर मतदान का जायजा लेने पहुंचे प्रत्याशी

सिरसा (एजेंसी)
ऐलनाबाद में प्रत्याशियों के भाग्य के फैसला होने का दिन आ गया है। सुबह सात बजे से मतदान शुरू हो चुका है। जिसके लिए दोपहर 1 बजे तक 43 प्रतिशत मतदान हुआ है। वहीं बात अगर ऐलनाबाद के जमाल गांव की जाए तो अब तक 30 प्रतिशत मतदान हो चुका है। मतदान करने के लिए लाइनों लोग रहे हैं।

वहीं उपचुनाव में अपनी जनप्रतिनीधि चुनने के लिए लोगों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। हालांकि मतगणना के दिन ही हार जीत तय होगी, मगर रुझानों से आज ही काफी कुछ सामने की उम्मीद है। कुल 211 बूथों पर एक लाख 86 हजार 103 मतदाता मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मतदान सुबह सात बजे शाम छह बजे तक जारी रहेगा। चुनाव आयोग ने निष्पक्ष व स्वतंत्र करवाए जाने के लिए अर्धसैनिक बलों की 34 कंपनियां लगाई हैं। नकली किसानों के खिलाफ उतरे माखोसरानी के ग्रामीण इनेलो के टैन्ट के सामने बाहर से आये लोगों के खिलाफ गांव के लोगों ने जताया आक्रोश। गांव माधोसिंघाना निवासी भूप सिंह के दोनों हाथ नहीं है फिर वोट डाला इनेलो उम्मदीवार अभय चौटाला ने मतदान की ली जानकारी ऐलनाबाद के गांव तलवाड़ा खुर्द में मतदान के लिए भारी उत्साह गांवो में मतदान केंद्रों पर पहुंचे गोविंद कांडा मतदान केंद्रों पर पहुंचे भाजपा प्रत्याशी गांव जमाल में मतदान के केंद्रों में मतदाताओं के हाथों को सैनिटाइजर करवाते हुए मतदान केंद्रों में किया जा रहा है कोविड गाइडलाइन का पालन गांव जमाल में 61 नंबर बूथ पर 100 साल की बुजुर्ग ने डाला वोट सुरक्षा प्रबंधों को जायजा लिया पुलिस महानिरीक्षक हिसार रेंज राकेश कुमार आर्य व पुलिस अधीक्षक डा. अर्पित जैन ने गांव माधोसिंघाना ,मलेका, पोहड़का, ऐलनाबाद कस्बा तथा जमाल, जोडकिया सहित अनेक क्षेत्रों में जाकर मतदान केंद्रों पर सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लिया। मतदान केंद्रों पर सुरक्षा प्रबंधो को जायजा लेने पहुंचे पुलिस महानिरीक्षक हिसार रेंज अनीश

यादव ने मतदान केंद्रों का निरीक्षण कर कर्मचारियों से भी बातचीत की पूर्व विधायक भरत सिंह बेनीवाल ने 58 नंबर बूथ पर मतदान किया 136 बूथों को संवेदनशील व अतिसंवेदनशील की श्रेणी में रखा गया है जहां अतिरिक्त सुरक्षा प्रबंध रहेंगे। इनेलो के अभय सिंह चौटाला, भाजपा के गोबिंद कांडा व कांग्रेस के पवन बैनीवाल सहित 19 प्रत्याशी चुनावी मैदान में हैं। इस चुनाव में एक महिला प्रत्याशी भी मैदान में है। इससे पहले चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय में चुनावी ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों को पीठासीन अधिकारी के साथ चुनाव सामग्री वितरित की गई और निर्वाचन अधिकारियों द्वारा चुनाव प्रक्रिया के बारे में अंतिम प्रशिक्षण भी दिया गया। ऐलनाबाद उपचुनाव में मतदान के लिए मतदान केंद्रों पर लोगों की भीड़ जुटने लगी है। इस दौरान बुढ़े से लेकर जवान वोटिंग के लिए मतदान केंद्रों पर पहंच रहे हैं।

हलकी ठंड होने के बावजूद भी लोग सुबह से मतदान के लिए लाइन में लगने शुरू हो गए थे। उपचुनाव में मतदान के लिए महिलाएं भी सुबह से लाइन में लग गई। वहीं लाइन में लगी महिला मतदाताओं में मतदान के लिए खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। ऐलनाबाद के महिला भी अपना नेता चुनने के लिए और उपचुनाव में अपनी भागीदारी पेश करने के लिए लाइनों में लगनी शुरू हो चुकी है। ऐलबाद उपचुनाव में सुमित सरदाना ने पहला वोट डाला। जानकारी के अनुसार सुमित सरदाना ने पहले मतदाता के रूप में मतदान करते आ रहे है। जिसके चलते इसी कड़ी में सुमित ने बाहरवीं बार भी पहले मतदाता में रूप में अपने वोट का प्रयोग किया। ऐलनाबाद उपचुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी पवन बेनीवाल ने बूथ नंबर 57 पर अपना मतदान किया। पवन बेनबाल कांग्रेस की ओर से उपचुनाव के उम्मीदवार है। जानकारी के लिए बता दें कि पवन बेनीवाल इससे पहले भाजपा के और चुनाव लड़ चुके हैं लेकिन जीत हासिल नहीं कर पाए।

लेकिन बार उन्होंने कांग्रेस की तरफ चुनाव में अपनी दावेदारी पेश की है। उपचुनाव की लिए वोटिंग की शुरुआत हो चुकी है। जिसके चलते गांव दड़बा के लोग मतदान करने के लिए मतदान केंद्रों पर पहुंचने शुरू हो चुके है। लोग अपने मतदान का प्रयोग करने के लिए सुबह से ही लाइनों में लग गए। चुनावी हलचल को कंप्यूटर की स्क्रीन पर भी देखा जा सकेगा।

लुधियाना में बड़ी वारदात, मुथूट फाइनांस के मैनेजर को लुटेरों ने मारी गोली

फायरिंग में एक लुटेरे की मौत : दो फरार

लुधियाना (एजेंसी)
शहर के सुंदरनगर में मुथूट फाइनांस की शाखा में शनिवार सुबह लूट का प्रयास किया गया। वारदात में गार्ड के गोली चलाने से घायल एक लुटेरे की मौत हो गई जबकि दो मौके से फरार हो गए। पुलिस ने लुटेरे के शव को सिविल अस्पताल पहुंचाया।

वहीं घायल मुत्थुट फाइनांस के मैनेजर सन्नी शर्मा को पुलिस ने डीएमसी अस्पताल पहुंचाया है। उसके बाजू में गोली लगी है। सन्नी शर्मा चंडीगढ़ रोड स्थित प्रताप कालोनी का रहने वाला है और दो साल पहले ही मुत्थुट फाइनांस में ज्वाइन किया था। डीएमसी में अभी गोली नहीं निकाली गई है और वह उपचाराधीन है। वारदात के बाद लोगों का हुजूम उमड़ गया। बताया जा रहा है कि मुथुट फाइनांस के साथ ही यूनियन बैंक की शाखा भी है। उसके गार्ड ने लुटेरों की हरकत

देख गोली चलाई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार लुटेरों की संख्या तीन से ज्यादा थी। तीन-चार युवक बाहर खड़े थे। अंदर गोली चलने की आवाज आते ही बाहर खड़े युवक बाइक से भाग खड़े हुए। मौके पर पकड़े गए लुटेरे की मौत होने के बाद अन्य साथियों की खोज करने में पुलिस को अब काफी मशक्कत करनी पड़ेगी। पुलिस बैंक के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। एसीपी धर्मपाल ने बताया कि सुबह दस बजे की घटना है।

लुटेरों ने आफिस के अंदर घुस जहां सोना रखा होता है, वहां जाने की कोशिश की तो मैनेजर ने उन्हें रोका। इस दौरान उन्होंने गोली चला दी। मैनेजर की बांह पर गोली लगी। इस दौरान सिक्योरिटी गार्ड ने शटर गिरा दिया और गोली चला दी। इसमें एक लुटेरा मारा गया। मौके से पुलिस ने 9 एमएम की पिस्टल और खोल बरामद कर लिए हैं। मामले की जांच की जा रही है। गौरतलब है कि इससे पहले भी अक्टूबर 2020 में दुगरी रोड पर मुथूट फाइनांस कंपनी की ब्रांच से 15 करोड़ रुपये का सोना लूटने का प्रयास किया गया था। पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया था। इसके अलावा लुटेरों के मोबाइल से कॉल डिटेल को भी खंगाला था। बिहार के वैशाली निवासी 6 लुटेरों ने कंपनी में सोना और नकदी लूटने का प्रयास किया था।

मगर लोगों और पुलिस ने इनमें से तीन लुटेरों को काबू कर लिया था जबकि भीड़ का फायदा उठाकर तीन लुटेरे फरार हो गए थे।

हरियाणा की राजनीति पर असर डालेगा ऐलनाबाद उपचुनाव का नतीजाा, कई दिग्गजों की प्रतिष्ठा दांव पर

कांग्रेस में अकेले प्रदेश अध्यक्ष कुमारी सैलजा तथा इनेलो में पार्टी सुप्रीमो ओमप्रकाश चौटाला व उनके उम्मीदवार बेटे अभय सिंह चौटाला की प्रतिष्ठा से यह चुनाव सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। इस सीट पर अक्सर देवीलाल परिवार की जीत होती रही है। एक लाख 86 हजार मतों वाली ऐलनाबाद विधानसभा सीट का नतीजा दो नवंबर को चुनाव नतीजाा आएगा।

चंडीगढ़ (एजेंसी)
सिरसा जिले की ऐलनाबाद विधानसभा सीट पर आज सुबह से मतदान हो रहा है। इस उपचुनाव में हरियाणा के कई राजनेताओं की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। इसमें हालांकि भाजपा-जजपा गठबंधन के पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है, लेकिन इस चुनाव के नतीजे मुख्यमंत्री मनोहर लाल से लेकर उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बराला तथा सिरसा की सांसद सुनीता दुग्गल की राजनीतिक प्रतिष्ठा से जुड़े हुए हैं।

कांग्रेस में अकेले प्रदेश अध्यक्ष कुमारी सैलजा तथा इनेलो में पार्टी सुप्रीमो ओमप्रकाश चौटाला व उनके उम्मीदवार बेटे अभय सिंह चौटाला की प्रतिष्ठा से यह चुनाव सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। इस सीट पर अक्सर देवीलाल परिवार की जीत होती रही है। एक लाख 86 हजार मतों वाली ऐलनाबाद विधानसभा सीट का नतीजा दो नवंबर को चुनाव नतीजाा आएगा। भाजपा इस सीट पर कभी चुनाव नहीं जीत सकी है, लेकिन प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ और उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला के साथ हलोपा अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री गोपाल कांडा ने जिस तरह से गोबिंद कांडा के लिए दिन-रात मेहनत की है, उससे वह इनेलो के निवर्तमान विधायक अभय सिंह चौटाला को चुनौती देते दिखाई दे रहे हैं।

जजपा जब इस सीट पर लड़ने को तैयार नहीं हुई तो धनखड़ ने आगे बढ़कर ऐसा माहौल तैयार किया कि गोबिंद कांडा भाजपा में शामिल हो गए और भाजपा-जजपा-हलोपा गठबंधन के संयुक्त प्रत्याशी घोषित कर दिए गए। गोबिंद को जिताने के लिए ओमप्रकाश धनखड़ समेत भाजपा के तमाम नेता, मंत्री रंजीत चौटाला, जेपी दलाल, कमलेश ढांडा, पूर्व मंत्री कृष्ण बेदी व मनीष ग्रोवर और विधायक ऐलनाबाद में डेरा डाले रहे। यह चुनाव भाजपा-जजपा व हलोपा नेताओं की प्रतिष्ठा से जुड़ा है। इनेलो उम्मीदवार के रूप में अभय सिंह चौटाला ऐलनाबाद में सबसे मजबूत प्रत्याशी हैं। उन्होंने तीन कृषि कानूनों के विरोध में विधानसभा की सदस्यता से उस समय इस्तीफा दे दिया था, जब उनका कार्यकाल साढ़े तीन साल से भी ज्यादा का पड़ा था। इनेलो सुप्रीमो ओमप्रकाश चौटाला ने अभय चौटाला की जीत सुनिश्चित करने के लिए इलाके में काफी मेहनत की है। अभय भी दिन रात नहीं रूके।

उन्हें इस राजनीतिक सफर में भाकियू नेता राकेश टिकैत, इनेलो के पूर्व नेता रामपाल माजरा, नफे सिंह राठी, सुनैना चौटला, श्याम सिंह राणा, नरेश शर्मा और अपना भारत मोर्चा के संयोजक पूर्व सांसद डा. अशोक तंवर का खुलकर साथ मिला। कांग्रेस के एक बड़े नेता का हाथ भी अभय चौटाला के सिर पर बताया जाता है। कांग्रेस ने पवन बैनीवाल को ऐलनाबाद से चुनाव मैदान में उतार रखा है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, कुलदीप बिश्नोई, किरण चौधरी और दीपेंद्र हुड्डा कांग्रेस उम्मीदवार के लिए यहां प्रचार करते दिखाई दिए, लेकिन राजनीतिक रूप से पवन बैनीवाल का यह चुनाव प्रदेश अध्यक्ष कुमारी सैलजा व पार्टी प्रभारी विवेक बंसल की प्रतिष्ठा से जुड़ा है। टिकट के दूसरे दावेदार भरत बैनीवाल भी रिश्ते में अपने भतीजे लगने वाले पवन बैनीवाल के लिए कुछ खास कम नहीं कर पाए।

ऐसे में पवन बैनीवाल यदि तीसरे मुकाबले में बने रहते हैं तो यह उनके लिए बड़ी उपलब्धि होगी। कुमारी सैलजा सिरसा से सांसद रह चुकी हैं और हुड्डा के साथ उनके राजनीतिक रिश्ते बहुत अच्छे नहीं कहे जा सकते।

लखबीर आखिर पंजाब से कैसे पहुंचा सिंघू बार्डर, दस दिन बाद भी नहीं चला पता, एसआइटी की अब तक 18 लोगों से पूछताछ

तरनतारन (एजेंसी) हरियाणा- दिल्ली के सिंघू बार्डर पर किसानों के आंदोलन में बेरहमी से कत्ल किए गए पंजाब के तरनतारन के लखबीर सिंह के मामले में एसआइटी अब तक जांच में कुछ पता नहीं कर सकी है। यह अब तक नहीं पता चल सका है कि लखबीर सिंह अपने गांव चीमा खुर्द से आखिर सिंघू बार्डर कैसे पचुंसा। बता दें के 15 अक्टूबर को तरनतारन के गांव चीमा खुर्द के 34 वर्षीय लखबीर सिंह की कुछ निहंगों ने सिंघू बार्डर पर बेरहमी से हत्या कर दी थी। इस मामले में पंजाब सरकार की तरफ से बनाई गई स्पेशल इंवेस्टिगेशन टीम (एसआइटी) के हाथ अब तक कोई सफलता नहीं लगी है। । दस दिन की जांच के दौरान एसआइटी को कोई ऐसा सुबूत नहीं मिल पाया, जिससे साबित हो सके कि लखबीर सिंह को गांव चीमा खुर्द से निहंग सरबजीत सिंह लेकर गया था। न ही कोई ऐसा सुराग हाथ लगा है, जिससे पता चल सके कि लखबीर को

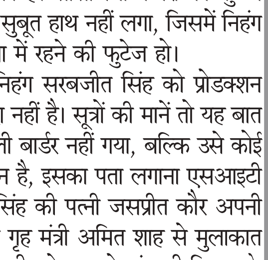

गांव से आखिर कौन सिंघू बार्डर ले गया था। कुल मिलाकर दस दिन की जांच में सामने आया है कि निहंग सरबजीत गांव चीमा खुर्द में कभी नहीं आया। उधर, एडीजीपी वरिंदर कुमार का कहना है कि लखबीर सिंह के मामले में चल रही जांच के बीच में कुछ बताना अभी सही नहीं होगा।

जांच मुकम्मल होते ही सारी सच्चाई सामने आ जाएगी। बता दें कि एडीजीपी वरिंदर कुमार की अगुआई में फिरोजपुर के डीआइजी इंद्रबीर सिंह, तरनतारन के एसएसपी हरविंदर सिंह विर्क पर आधारित एसआइटी ने दस दिन की जांच में करीब 18 लोगों से पूछताछ की है। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी कब्जे में ली है। फुटेज में भी ऐसा कोई सुबूत हाथ नहीं लगा, जिसमें निहंग सरबजीत सिंह या लखबीर सिंह के गोशाला में रहने की फुटेज हो।

कुल मिलाकर अब एसआइटी का निहंग सरबजीत सिंह को प्रोडक्शन वारंट पर लेकर पूछताछ करने का कोई इरादा नहीं है। सूत्रों की मानें तो यह बात भी सच है कि लखबीर सिंह अकेला कुंडली बार्डर नहीं गया, बल्कि उसे कोई अपने साथ ले गया था और यह शख्स कौन है, इसका पता लगाना एसआइटी के लिए सबसे बड़ी सिरदर्दी है। लखबीर सिंह की पत्नी जसप्रीत कौर अपनी तीनों बेटियों, भाई समेत वीरवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की और इंसाफ दिलाने की गुहार लगाई। जसप्रीत ने शाह से मांग की कि उसके परिवार की आर्थिक मदद भी की जाए। शाह ने परिवार को आश्वासन दिया है कि केंद्र सरकार द्वारा परिवार की हरसंभव मदद की जाएगी।

जालंधर में बीएड टेट पास अध्यापकों का प्रदर्शन जारी, बोले- शिक्षा मंत्री का उन्हीं के शहर में करेंगे विरोध

जालंधर (एजेंसी) जालंधर में बीएड टेट पास अध्यापक यूनियन पंजाब का प्रदर्शन तीसरे दिन भी जारी रहा वह अपनी मांग पर अड़े हुए हैं कि जब तक उनकी मांगों को पूरा करने संबंधी नोटिफिकेशन जारी नहीं किया जाता उनका प्रदर्शन जारी रहेगा। यही कारण है कि 2 अध्यापक अभी भी जनरल बस अड्डा की खस्ताहाल पानी की टंकी पर चढ़कर प्रदर्शन कर रहे हैं जबकि बाकी साथी नीचे उनके समर्थन के तौर पर प्रदर्शन कर रहे हैं। वे कहते हैं कि शिक्षा मंत्री प्रगट सिंह और मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी की तरफ से 3 दिन होने के बाद भी मीटिंग का समय देने के बावजूद उन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है।

सरकारों की तरफ से प्रत्येक वर्ष अध्यापकों के हर त्यौहार पर यूं ही आश्वासनों के दीए जलाकर ही अपने घर रोशन किए जाते रहे हैं। इससे पहले संगरूर में भी टंकी पर चढ़कर अध्यापकों का प्रदर्शन जारी लंबे समय तक रहा था और शिक्षा मंत्री के शहर में भी अगर उनकी मांगों को गौर ना किया गया तो यहां भी वही हालात बनेंगे। अध्यापक अब किसी भी सूरत में पीछे हटने को तैयार नहीं हैं जब तक उनकी मांगों की पूर्ति संबंधी नोटिफिकेशन जारी नहीं किया जाता क्योंकि इसके बाद तो आने वाले समय में विधानसभा चुनाव को लेकर कोड ऑफ कंडक्ट लागू हो जाएगा। तब भी उनका विरोध जारी रहेगा क्योंकि अगर कोई भी सरकार का नुमाइंदा वह नेता उनके यहां वोट मांगने भी आया तो उसे भी उनके जवाब सुनने होंगे और नतीजों के तौर पर परिणाम भी भुगतने होंगे। यही नहीं शिक्षा मंत्री या मुख्यमंत्री जहां पर भी दौरा करेंगे वहां पर उनकी यूनियन के सदस्य उनका घेराव भी करेंगे क्योंकि उन्हें अपनी मांगों का जवाब चाहिए।

रसोई गैस के दामों में बढ़ोतरी से लुधियाना के लोग बेहाल

लुधियाना (एजेंसी)
रसोई गैस के रेट में भारी बढ़ोतरी होने की संभावना है। पहले से ही रसोई गैस हजार तक पहुंच चुका है और अब रेट में बढ़ोतरी हुई तो आम आदमी को रोटी खाना मुश्किल हो जाएगा। विभागीय जानकारी के मुताबिक 30 अक्टूबर तक रसोई गैस की रिफिलिंग 926 रुपये में है इसके साथ ही गैस होम डिलीवरी करने वाले बेंडर भी 30 रुपये लेते हैं।

इस तरह देखा जाए तो वर्तमान समय में लोगों को 960 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर रिफिलिंग होती है। सूत्र बताते हैं कि 1 नवंबर से रसोई गैस मूल्य में भारी बढ़ोतरी होने वाली है।

राजकुमार शर्मा व विक्रमजीत शर्मा ने कहा कि रसोई गैस में इस तरह से भारी बढ़ोतरी करना गरीब परिवारों के साथ अन्याय है। केंद्र सरकार को चाहिए कि रसोई गैस मूल्य वृद्धि पर रोक लगाएं ताकि गरीब परिवार दो शाम की रोटी खा सके। उन्होंने कहा कि इस समय ही सिलेंडर रिफिलिंग 1000 रुपये का पड़ जाता है अगर इसमें 145 रुपये की बढ़ोतरी हो जाती है तो 1150 रुपये में सिलेंडर खरीद कर लोग रोटी नहीं खा पाएंगे इसलिए सरकार को चाहिए कि घरेलू रसोई गैस के रेट में कटौती कर 500 रुपये प्रति सिलेंडर व्यापारिक सिलेंडरों का भी मूल्य काफी ज्यादा हो जाने से व्यापारियों को इस सिलेंडर को इस्तेमाल करने में परेशानी हो रही है। पंजाब स्वीट्स मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन के प्रधान सुरेश शर्मा का कहना है कि व्यापारिक सिलेंडर का भी रेट दोगुना हो जाने से स्वीट्स निर्माताओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि इस समय 1820 रुपैया में व्यापारिक सिलेंडर मिल रहा है और अगर इसमें मूल्य वृद्धि हुई तो व्यापारियों का रोजी-रोटी ठप हो जाएगा। उन्होंने कहा कि तिवारी का सीजन होने के समय में सिलेंडरों में मूल्य वृद्धि व्यापारियों से ज्यादती होगी।

सरकार को चाहिए कि व्यापारिक सिलेंडरों का मूल्य बढ़ोतरी ना करें ताकि पब्लिक को सही रेट में मिष्ठान मिल सके। रसोई गैस सिलेंडरों में मूल्य वृद्धि को लेकर एलपीजी कोऑर्डिनेटर सचिन आनंद से बात करने पर उन्होंने कहा कि फिलहाल उन्हें कोई सूचना नहीं मिली है कि रसोई गैस में मूल्य वृद्धि होगी।

एक नज़र

रात के अंधेरे में लालू यादव से मिले बिहार भाजपा के बड़े नेता, राबड़ी आवास पर तेजस्वी और शिवानंद भी थे मौजूद

पटना (एजेंसी)। बिहार के राजनीतिक माहौल में भाजपा के एक बड़े नेता और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की मुलाकात ने हलचल मचा दी है। यह मुलाकात शुक्रवार की रात राबड़ी देवी के आवास पर हुई है। इस मुलाकात के वक्त लालू के छोटे बेटे, बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और वैशाली जिले के राघोपुर से विधायक तेजस्वी यादव के साथ ही राजद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवानंद तिवारी भी मौजूद थे। बिहार विधानसभा की दो सीटों तारापुर और कुशेश्वरस्थान में मतदान से ठीक एक दिन पहले इस मुलाकात का मकसद अभी सामने नहीं आया है। लालू से रात के अंधेरे में मिलने वाले ये नेता भाजपा के पूर्व सांसद आरके सिन्हा हैं। इन दोनों नेताओं के बीच पारिवारिक संबंध भी है। लेकिन, शुक्रवार की रात अचानक हुई इस मुलाकात का मकसद अभी सामने नहीं आया है। आरके सिन्हा ने पिछले दिनों लालू यादव की तारीफ की थी। उन्होंने लालू यादव और भक्त चरण दास के बीच बयानबाजी के मसले पर कहा था कि लालू यादव का आकलन कांग्रेस से बेहतर है। उन्होंने कहा था कि लालू को कम नहीं आंकना चाहिए। उन्होंने लालू को जमीनी नेता बताया था। उन्होंने भक्त चरण दास को लालू की ओर से भकचोन्हर बताए जाने पर कहा था कि इसे लेकर बहुत विवाद नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा था कि भकचोन्हर का मतलब कंफ्यूज्ड होता है। आरके सिन्हा ने कहा था कि तारापुर और कुशेश्वरस्थान में कायस्थ मतदाताओं की अच्छी तादाद है। उन्होंने कायस्थ मतदाताओं से एनडीए को वोट देने की अपील की थी। उन्होंने बिहार में नीतीश सरकार के दौरान विकास होने और नरेंद्र मोदी सरकार में महंगाई नियंत्रण में होने की बात भी कही थी। हालांकि उन्होंने यह भी कहा था कि चुनाव के नतीजों से पता चलेगा कि कौन जीता और कौन हारा। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस के मुकाबले लालू यादव का आकलन ज्यादा सटीक होगा। वे जमीनी नेता हैं।

प्रशासन के रोकने पर भी पटना में एसडीपीआई कार्यकर्ताओं ने निकाला जुलूस, लगाए भड़काऊ नारे

पटना (एजेंसी)। राजनीतिक संगठन एसडीपीआइ की ओर से त्रिपुरा की घटना के विरोध में शुक्रवार को मुस्लिम युवकों की रैली निकाले जाने के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। बिना अनुमति जुलूस निकालने समेत अन्य आरोपों को लेकर पार्टी के महासचिव एहसान परवेज, अतहर परवेज, शब्बीर मलिक, सरफराज और कौशर बानो सहित 35-40 अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। बताया जाता है कि शुक्रवार को फुलवारीशरीफ में एसडीपीआइ की ओर से रैली निकाली गई थी। इसमें आरएसएस प्रमुख, केंद्र एवं त्रिपुरा की भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई। प्रदर्शनकारी त्रिपुरा की भाजपा सरकार को बर्खास्त करने की मांग कर रहे थे। मौके पर पहुंचे थानेदार ने जब जुलूस निकालने का अनुमति पत्र मांगा तो जुलूस में शामिल नेता और कार्यकर्ता उनसे उलझ पड़े थे। इसको लेकर फुलवारीशरीफ सीओ चंदन कुमार के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसमें बिना अनुमति जुलूस निकालने, आदर्श आचार संहिता उल्लंघन, भड़काउ नारे लगाने, सरकारी कार्य में बाधा एवं कोरोना प्रोटोकाल उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। सीओ की ओर से दर्ज प्राथमिकी में बताया गया है कि दोपहर डेढ़ बजे इशोपुर स्थित मस्जिद से जुलूस निकाला गया था। कुछ लोग एसडीपीआइ का बैनर लहराने लगे। वे नमाज पढ़कर लौट रहे लोगों से जुलूस में शामिल होने के लिए उकसाने लगे। इसके बाद सीओ और थानेदार ने अगुआई कर रहे महासचिव ई एहसान परवेज से जुलूस निकालने का आर्डर मांगा तो वे लोग हंगामा करने लगे। इसके बाद वे भड़काऊ नारे लगाने लगे। कहा कि हर हाल में जुलूस निकालेंगे। उन्हें सौहार्द्र का हवाला दिया लेकिन वे लोग जुलूस निकालते हुए इसोपुर से चुनौटी कुआं होते हुए शहीद चौक तक गए। वहां जुलूस का समापन हुआ। शुक्रवार को नमाज के बाद निकले जुलूस के दौरान विधि व्यवस्था में व्यवधान डाला गया। पुलिस ने रोकने की कोशिश की लेकिन वे लोग आपत्तिजनक नारेबाजी करते रहे।

खरीफ फसलों की अंतिम पटवन को लेकर 11 नवंबर तक की जाएगी पानी की आपूर्ति

डेहरी आनसोन (सासाराम) (एजेंसी)। इंद्रपुरी बराज से सोन नहरों में पानी की आपूर्ति 11 नवंबर तक की जाएगी। मध्य प्रदेश के बाणसागर जलाशय से अंतिम पटवन के लिए मिल रहे पानी को बंद करा दिया गया है। उत्तर प्रदेश के रिहंद जलाशय से अभी भी जल विद्युत केंद्र चलने से पानी प्राप्त हो रहा है। किसानों की मांग के अनुसार शुक्रवार को भी अंतिम पटवन को पानी की आपूर्ति जारी रही। पश्चिमी संयोजक नहर में 4001 व पूर्वी में 2356 क्यूसेक पानी की आपूर्ति आज की जा रही है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार खरीफ फसलों के लिए गत एक जून से पानी की आपूर्ति प्रारंभ हुई थी। इंद्रपुरी बराज से पश्चिमी व पूर्वी संयोजक नहरों तथा वितरणी के माध्यम से रोहतास, बक्सर, भोजपुर, कैमूर, औरंगाबाद, अरवल व पटना जिलों में पटवन होती है। जल संसाधन विभाग के मॉनिटरिंग सेल के कार्यपालक अभियंता सुजीत कुमार के अनुसार इस बार खरीफ फसलों के लिए मध्य प्रदेश के बाणसागर व उत्तर प्रदेश के रिहंद जलाशय से मांग के अनुसार पानी की आपूर्ति की गई, इससे सभी खेतों तक पानी की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकी है। इस वर्ष चार लाख 74 हजार 153 हेक्टेयर में खरीफ फसलों की सिंचाई हुई है। लक्ष्य के 98 .71 प्रतिशत सिंचाई हुई है। छठ पर्व को ले इस वर्ष 11 नवंबर तक नहरों में पानी की आपूर्ति की जाएगी, ताकि आस्था के महापर्व में व्रतियों को परेशानी न हो। रिहंद जलाशय के जल विद्युत केंद्र के लगातार चलने से बराज पर आज भी लगातार पानी पहुंच रहा था। आज भी वहां से 1422 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश के बाणसागर जलाशय से पानी की आपूर्ति बंद करा दी गई है, ताकि रबी फसलों के लिए जरूरत के अनुसार पानी की मांग की जा सके।

पटना की महिला का अश्लील वीडियो कर दिया वायरल, लैब टेक्निशियन पकड़ाया तो कही यह बात

मोकामा (एजेंसी)। इंजेक्शन लगवाने के लिए जांच केंद्र पहुंची महिला का धोखे से अश्लील वीडियो बनाने के बाद यौन शोषण करने और फिर उसे वायरल करने के मामले में जांच केंद्र के संचालक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। थाना क्षेत्र के सरदार भवन के सामने संचालित लैब के टेक्निशियन वार्ड नंबर 14 के लहरिया टोला निवासी मो जैनुल को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। आरोपित जैनुल बाजार रोड के एक ब्लड कलेक्शन सेंटर में काम करता है। पीड़िता वहीं पास में किराये के मकान में रहती है। तबियत खराब होने पर वह इंजेक्शन लगवाने लैब में पहुंची थी। इसी दौरान लैब टेक्निशियन जैनुल ने उससे गलत हरकत की और धोखे से उसका अश्लील वीडियो बना लिया। इसके बाद जब वह घर पहुंची तो उसने काल कर इसकी जानकारी दी। यह सुनकर उसके होश उड़ गए। इसके बाद उसने ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। वह मोबाइल पर अश्लील मैसेज भेजता था। उसे बार-बार अपने जांच केंद्र बुलाता था। मनमानी नहीं करने देने पर वह वीडियो वायरल करने की धमकी देता। लोकलाज के भय से महिला उसकी मनमानी सहती रही। किसी को कुछ नहीं बताया। अंदर ही अंदर घुटती रही। वह बार-बार जैनुल से वह वीडियो मिटाने को कहती। लेकिन जैनुल पर शैतान सवार था।

शिवहर में पुलिस के सामने पीट-पीटकर युवक को मार डाला, नाराज महिलाओं ने पुलिस को खदेड़ा

शिवहर (एजेंसी)। जिले के तरियानी थाना क्षेत्र के छतौनी वार्ड तीन में शुक्रवार की रात भूमि विवाद में पुलिस के सामने ही लाठी-डंडों से पीट-पीटकर गिरधारी सहनी उर्फ बेचू सहनी (35) नामक युवक की हत्या कर दी गई। पुलिस के सामने हत्या का आरोप लगाकर शनिवार की सुबह महिलाओं ने जबरदस्त हंगामा किया। इस दौरान मामले की जांच करने गई पुलिस टीम के साथ महिलाओं ने गाली-गलौज और धक्का-मुक्का भी की। महिलाएं झाडू से पुलिस अधिकारियों को पीटने के लिए उतारू थी। स्थिति भांप पुलिस की टीम भाग निकली। जबकि, कुछ महिलाओं ने पुलिस टीम को खदेड़कर भगा दिया।

महिलाओं का आरोप था कि, आरोपी को पकड़ने आई पुलिस के सामने ही गिरधारी सहनी की हत्या कर दी गई। रात में ही महिलाओं ने हंगामा करना शुरू किया। इसके बाद पुलिस की टीम भाग गई। बाद में महिला पुलिस की टीम मौके पर पहुंचकर शव को ले गई। शनिवार की सुबह सरोजा सीताराम सदर अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। ग्रामीण व स्वजन शव के गांव में लाए जाने का इंतजार कर रहे है। जबकि, गांव में तनाव बरकरार है। उधर, तरियानी थानाध्यक्ष शोभाकांत पासवान ने बताया है कि गिरधारी सहनी का उसके पट्टीदार रोहित सहनी से विवाद चल रहा था। बताया कि, इसी विवाद में रोहित सहनी ने पीट-पीटकर गिरधारी सहनी की हत्या कर दी। बताया कि हत्यारोपी रोहित सहनी को गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने पुलिस के सामने पीट-पीटकर हत्या के आरोप को खारिज कर दिया है। जबकि, एसपी डॉ. संजय भारती ने इतने गंभीर मामले के बावजूद काल रीसीव करने से परहेज रखा। तरियानी थाने के छतौनी वार्ड तीन

निवासी स्व.जगन्नाथ सहनी के पुत्र गिरधारी सहनी उर्फ बेचू सहनी का उसके पट्टीदार कलेवर सहनी के पुत्र रोहित सहनी से भूमि विवाद चल रहा था। रोहित दुष्कर्म के एक मामले में आरोपित है। पुलिस उसकी तलाश में छापेमारी कर रही थी। जबकि वह फरार चल रहा था। इसी क्रम में वह शुक्रवार की रात अपने घर पहुंचा था। इसकी मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। रोहित को लगा कि, गिरधारी सहनी द्वारा पुलिस को सूचना दी गई है। इससे नाराज रोहित सहनी ने गिरधारी सहनी को खदेड़ना शुरू किया। जबकि, पुलिस की टीम भी पीछे-पीछे दौड़ी। इसी बीच रोहित ने लाठी-डंडों से पीटकर उसकी जान ले ली। हालांकि, पुलिस की टीम ने हत्यारोपी को दबोच लिया। इसके बाद पुलिस की मौजूदगी में हत्या का आरोप लगाकर महिलाओं ने हंगामा करना शुरू किया। लिहाजा पुलिस की गश्ती दल लौट गई। एक घंटे बाद मौके पर पहुंची महिला पुलिस की टीम ने शव को कब्जे में लेकर सदर अस्पताल भेज दिया। भूमि को लेकर गिरधारी और रोहित की दुश्मनी दस साल पुरानी है। दस साल पूर्व गिरधारी सहनी के भाई बालेश्वर सहनी को जिंदा जला दिया गया था। ग्रामीणों के अनुसार बालेश्वर सहनी को पुआल के टाल में बांधकर आग लगाकर हत्या कर दी गई थी। स्वजनों के अनुसार हत्या की इस वारदात को रोहित सहनी ने ही अंजाम दिया था। हालांकि, मामले का ठिकड़ा दूसरे पर फोड़ दिया गया था। इसके अलावा रोहित ने गांव में आतंक मचा रखा है। उसके खिलाफ दुष्कर्म का मामला थाने में दर्ज है। उसने गांव के एक व्यक्ति की बेरहमी से पिटाई कर हाथ भी तोड़ दिया था। तरियानी थाना के छतौनी गांव निवासी गिरधारी सहनी उर्फ बेचू सहनी मजदूरी कर वृद्ध मां, पत्नी और चार बच्चों की परवरिश कर रहा था। शुक्रवार की रात हुई उसकी हत्या के बाद स्वजनों में कोहराम मच गया है। 62 वर्षीया मां बदहवास है। पति की मौत के बाद दस साल के भीतर दो बेटों की हत्या के गम में वह बेसुध है। यही हाल पत्नी रामवती देवी का है। गिरधारी के चार छोटे-छोटे बच्चे अनाथ हो गए है। सबसे बड़ी बेटी काजल महज 11 साल की है। जबकि, गोद में चार साल की बेटी काजल है। दो पुत्र सात साल का शिवम और पांच साल का ओम कुछ समझ नहीं पा रहा है। अब इस परिवार की परवरिश करने वाला तक कोई नहीं है।

बिहार में राजस्व विभाग के कई अधिकारियों पर गिरी गाज, रिटायरमेंट के बाद भी नहीं मिल रही राहत

पटना (एजेंसी)। राजस्व विभाग और उसके क्षेत्रीय अधिकारी, दोनों जिद पर अड़े हैं। विभाग की जिद है कि गड़बड़ी रोकेंगे। अधिकारी की जिद कि मर्जी से काम करेंगे। नतीजा सिर्फ अक्टूबर में राजस्व विभाग ने दर्जन भर क्षेत्रीय अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। निलंबन से लेकर निंदन तक की सजा दी गई है। कुछ अधिकारियों को तो अवकाश ग्रहण करने पर भी राहत नहीं मिल रही है। उनके पेंशन से वसूली के आदेश दिए गए हैं।

एक अक्टूबर को किशनगंज जिला के दीघलबैंक की सीओ (अंचलाधिकारी) श्वेता राज को निलंबित कर दिया गया। उन पर मनमर्जी से गैर-हाजिर रहने के अलावा वरीय पदाधिकारियों से ढंग से बात न करने का आरोप लगा था। जांच में सही पाया गया। पटना सदर के वर्तमान सीओ जितेंद्र कुमार पांडेय को निंदन की सजा मिली। चार अक्टूबर को आदेश जारी हुआ। आरोप है कि आदापुर में सीओ रहने के दौरान उन्होंने बिना अतिक्रमण हटाए अतिक्रमण मुक्ति की रिपोर्ट दे दी थी। जांच में धर लिए गए। समस्तीपुर जिला के सिंघिया के तत्कालीन सीओ संतोष कुमार पर म्युटेशन में सुस्ती के अलावा कई अन्य आरोप लगे। छह अक्टूबर को उनके खिलाफ विभागीय कार्यवाही शुरू हो गई। म्युटेशन में लापरवाही के साथ कई अन्य आरोपों के चलते उसी दिन समस्तीपुर जिला के कल्याणपुर के सीओ अभय पद दास के खिलाफ भी विभागीय कार्यवाही शुरू हुई है। दरभंगा जिला के बहेड़ी के तत्कालीन सीओ विमल कुमार कर्ण पर आरोप लगा कि उन्होंने लोक शिकायत निवारण अधिनियम के तहत पारित नौ आदेशों को लागू नहीं किया। इस आरोप में 11 अक्टूबर को उनके खिलाफ विभागीय कार्यवाही शुरू की गई। उसी दिन कटैया के तत्कालीन सहायक चकबंदी पदाधिकारी देवराज स्वामी कार्तिकेय के खिलाफ भी विभागीय कार्यवाही के संचालन का आदेश जारी हुआ। 11 अक्टूबर को कुचायकोट के तत्कालीन सीओ चौधरी राम के बारे में तय हुआ कि उनके खिलाफ पहले से चल रही विभागीय कार्यवाही को पेंशन से जोड़ा जाए। वित्तीय अनियमितता पकड़ी गई तो पेंशन से वसूली होगी।

वे सेवानिवृत हो चुके हैं। 25 और 28 अक्टूबर को क्रमशः बक्सर के सिमरी के सीओ अनिल कुमार एवं बेगूसराय जिला के बछवाड़ा की सीओ नेहा कुमारी को निलंबित किया गया।

दीपावली में पटाखों का शोर रहेगा कमजोर, सुपौल में इस बार कम दिख रहीं पटाखे की दुकानें

सुपौल (एजेंसी)। कभी बच्चों का मन मचल गया तो कभी बड़ों का मन बदल गया दीपावली है तो लाख मना कर लें लेकिन पटाखे तो छूटेंगे ही। बाजार भी इसी मौके को कैश करता है या यूं कहें कि इसलिए तैयार रहता है। नतीजा है कि पटाखे की इक्का-दुक्का दुकान नजर आने लगी है। यह अलग बात है कि दुकानों की संख्या पिछले साल की तुलना में इस साल कम दिखाई देती है, पहले तो इस समय तक पटाखों की दुकान से फुटपाथ सज जाते थे। दूसरी ओर लोगों की जागरूकता भी बढ़ी है इसलिए दिवाली से पूर्व पटाखों की आवाज नहीं सुनाई देती अन्यथा दिवाली से पहले ही पटाखे छूटने लगते थे। दुकानदारों की मानें तो बिक्री में कमी जरूर आई है लेकिन बेचनेवाले भी निङ्क्षश्चत मुद्रा में दिखाई देते हैं वह इसलिए कि उन्हें पता है कि उन्होंने जो पटाखे लाए हैं वह दिवाली से छठ तक में बिक ही जाएंगे। वैसे भी पंचायत चुनाव चल रहा है तो उस नाम पर भी पटाखे की खपत होती है और नवंबर से शादी के लग्न की शुरुआत हो रही है बचे-खुचे पटाखे उसमें बिक जाएंगे। जहां तक कीमत की बात है तो हर साल कीमत बढ़ती रहती है इस साल भी बढ़ी है। पूर्व की तरह पटाखों की दुकानें नहीं

सजने से लगता है कि इस साल दिवाली में पटाखों के शोर कम ही सुनाई पड़ेंगे। दुकानदारों के अनुसार कीमत में बहुत ज्यादा बढ़ोतरी नहीं हुई है। थोड़ी-बहुत बढ़ोतरी का कारण बताया कि उत्पादन लागत में बढ़ोतरी के कारण कीमत बढ़ी है। कहा कि डीजल की कीमत बढने का असर ट्रांसपोर्टिंग पर पड़ा है। ढुलाई में भी अधिक खर्च हो रहा है। सारा खर्च कीमत पर ही बिठाया जाता है इसलिए कीमत मामूली बढ़ी है। दुकानदारों से बातचीत करने पर वे कम फायदे का रोना रोते जरूर नजर आते हैं लेकिन उन्हें अधिक कुरेदने पर उनकी बातों से लगता है कि अगर लाया गया सारा माल बिक जाए तो यह कारोबार डेढ़ से दो गुना फायदे पर चलता है। अगर नहीं बिका तो पूंजी फंस जाती है बाद में बिक्री का हिसाब भी नहीं रहता है। ऊपर से प्रशासन का डर भी बना रहता है। अगर पकड़े गए तो चालान कट जाता है। नाम नहीं छापने की शर्त पर एक विक्रेता बताते हैं कि वे हर साल दिवाली में पटाखे की दुकान चलाते थे। कहा साल में एक बार यह दुकानदारी दीपावली से शुरू होती है जो छठ तक चलती है। मुनाफा अच्छा जरूर होता है लेकिन माल बिक जाए तब। अगर नहीं बिके तो अगली दिवाली का इंतजार करना पड़ता है। पूंजी फंसी रहती है। दूसरे विक्रेता बताते हैं कि उनकी स्थायी दुकान है।

भागलपुर में आसानी में मिलेंगे जैविक उत्पाद, कृषि कार्यालय परिसर में बन रहा स्टोर

भागलपुर (एजेंसी)। जैविक उत्पाद की खरीद के लिए अभी इंतजार करना होगा। कृषि विभाग द्वारा जिला कृषि कार्यालय परिसर में जैविक उत्पाद रखने की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही उत्पाद बेचने के लिए स्थान तय किया जा रहा है। उम्मीद है कि दीपावली बाद जिला कृषि कार्यालय परिसर में जैविक उत्पाद की बिक्री शुरू हो जाएगी। नवगछिया प्रखंड कार्यालय परिसर में एनएच-31 किनारे और कहलगांव बाजार क्षेत्र में भी जैविक उत्पाद की बिक्री होगी। शुक्रवार को एक भी किसान जैविक उत्पाद की बिक्री करने जिला कृषि कार्यालय नहीं पहुंचे, जबकि जैविक उत्पाद की खरीद के लिए लगातार ग्राहक पहुंचते रहे। जिले के दो हजार एकड़ में जैविक सब्जी और फल की खेती हो रही है। 2028 किसान जैविक खेती में लगे हैं। इसके लिए 24 समूह का गठन हुआ है। जैविक उत्पाद को बसोका द्वारा सी-1 प्रमाणपत्र दिया गया है। गुरुवार को जिला कृषि कार्यालय में जैविक उत्पाद हाट का उद्घाटन जिलाधिकारी द्वारा किया गया था। हाट में विभिन्न समूहों द्वारा सी-1 प्रमाणपत्र प्राप्त खेतों में उगाए परवल, फूल गोभी, करेला, परोल, भिंडी, मूली, बैगन, ओल, पपीता, हरी मिर्च, केला, कद्दु, खीरा आदि के स्टाल लगाए गए थे। कुछ ही देर में सारी सब्जियों की बिक्री हो गई थी। हालांकि फल और सब्जियों की कीमत दोगुनी थी।

जैविक खेती से संबंधित सामग्री की खरीद

के लिए किसानों को प्रति एकड़ 11 हजार पांच सौ रुपये की दर से अग्रिम अनुदान राशि उनके खाते में दी गई है। किसानों को सामग्री खरीद कराने की जिम्मेदारी किसान सलाहकार को दी गई है। विभाग द्वारा चिन्हित कंपनी से किसानों को जैविक खेती करने के लिए सामग्री की खरीद करना है। जैविक खेती से संबंधित सामग्री की खरीद नहीं करने वाले किसानों पर कार्रवाई होगी। जैविक खेती करने वाले किसानों के 24 समूह का गठन किया गया है। 24 समूह में 2028 किसान जुड़े हैं। सहकारिता से पांच समूह को जोड़ा गया है, जबकि एफपीओ से 19 समूह जुड़ा है। सभी 2028 किसान जैविक खेती करने को लेकर प्रशिक्षित किए गए हैं। इन किसानों के समूह को बसोका से मान्यता मिल गई है और इन्हें सी-1 प्रमाणपत्र मिल गया है। जिले के सुल्तानगंज, नाथनगर, सबौर, कहलगांव, पीरपैंती, खरीक, रंगरा चौक में जैविक खेती हो रही है। सुल्तानगंज मोतीचक में जैविक खेती करने वाले किसान हंसराज मंडल बायोटेक इंडिया द्वारा ग्रेटर नोयडा में आयोजित राष्ट्रीय मेला में भाग ले रहे हैं। वे 30 अक्टूबर तक मेला में जैविक उत्पाद से संबंधित जानकारी प्राप्त करेंगे। साथ जैविक उत्पाद के बाजार की जानकारी लेंगे। जैविक खेती करने वाले तीन समूह ने आनलाइन मार्केटिंग के लिए नेटवर्क मार्केटिंग कंपनी कापरेटिव भेज फंड से संपर्क साधा है। इसके लिए कृषि विभाग की ओर से पत्राचार किया जा रहा है। आने वाले दिनों में जैविक उत्पाद की आनलाइन बिक्री होगी। जैविक खेती करने वाले किसानों को उत्पाद बेचने के लिए जगह चिह्नित किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री उद्यमी योजनाः अभ्यर्थियों की प्रतीक्षा सूची पर अभी निर्णय नहीं, 65 हजार ने किया है आवेदन

पटना (एजेंसी)। मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के तहत आवेदकों की जो लंबी प्रतीक्षा सूची माह-दो माह में तैयार हो जाएगी, उसका क्या होगा इस पर उद्योग विभाग ने अभी कोई निर्णय नहीं लिया है। लेकिन यह तय है कि यह प्रतीक्षा सूची 65 हजार से कम आवेदकों की नहीं होगी। उद्योग विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यह पहले से तय है कि मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति-जनजाति उद्यमी योजना, मुख्यमंत्री अति पिछड़ा वर्ग उद्यमी योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना और मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना के तहत 200-200 की संख्या में ही लाभार्थियों का चयन किया जाना है। ऐसे में इस सीमा से अधिक उद्यमी लिए जाने का कोई प्रश्न नहीं है। तो स्वाभाविक है कि बड़ी संख्या में आवेदक प्रतीक्षा सूची में रह जाएंगे।

इस योजना के तहत एक चर्चा थी कि जो आवेदक प्रतीक्षा सूची में हैं उनमें से ही अगले वित्तीय वर्ष के लिए लाभार्थियों का चयन कर लिया जाए। उद्योग विभाग के आला अधिकारी का कहना है कि अभी इस बारे में कोई निर्णय नहीं लिया गया है कि प्रतीक्षा शुरू से ही अगले वर्ष के लिए चयन कर लिया जाए। इसमें संकट यह है कि अगर यह प्रक्रिया अपनायी गयी तो प्रतीक्षा सूची के खत्म होने में कई वर्ष लग जाएंगे। ऐसे में इस योजना का कोई लाभ नहीं मिल पाएगा। इसके मूल में यह है कि हर वर्ष उद्योग की लागत में बढ़ोतरी होती जाएगी। मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के तहत जिन लाभार्थियों का चयन होगा उन्हें उद्योग विभाग अपने स्तर से प्रशिक्षण भी दिलाएगा। यह उनके उद्योग विशेष के बाजार व आगे की संभावनाओं पर केंद्रित होगा। बता दें कि इस योजना के तहत सरकार 10 लाख रुपये का लोन देगी। उसमें से पांच लाख रुपये सब्सिडी के रूप में दी जाएगी।

मधुबनी जिले में एएसआइ व चौकीदार को निगरानी ने रिश्वत लेते रंगेहाथ दबोचा

जयनगर (एजेंसी)। निगरानी विभाग की टीम ने शुक्रवार को जयनगर के देवधा थाना में पदस्थापित एक व एक चौकीदार को रिश्वत की राशि 26 हजार के साथ रंगेहाथ दबोच लिया है। शुक्रवार की सुबह निगरानी की इस कार्रवाई के बाद देवधा थाना के पुलिस कर्मियों में हड़कंप मच गया। पटना से पहुंची निगरानी विभाग की टीम ने रिश्वत लेते एएसआई सुभाष चंद्र राम और चौकीदार रामप्रीत पासवान को घूस लेते थाना परिसर में ही धर लिया।

13 सदस्यीय निगरानी टीम का नेतृत्व डीएसपी एसके भौआर कर रहे थे। निगरानी डीएसपी भौआर ने बताया कि देवधा थाना क्षेत्र के भदौर गांव निवासी ऋषिकेश कुमार ने निगरानी विभाग में शिकायत दर्ज कराई थी। इसमें उन्होंने कहा था कि देवधा थाना में दर्ज कांड संख्या 110/21 में मामला निपटाने के लिए उनसे 26 हजार रुपये रिश्वत की मांग की जा रही है। निगरानी के सत्यापन में शिकायत सही पाई गई जिसके बाद दोनों घूसखोर पुलिस कर्मियों को दबोचने के लिए निगरानी ने जाल बुनना शुरू कर दिया। शुक्रवार की सुबह देवधा थाना परिसर से एएसआई और चौकीदार को घूस के रुपये के साथ रंगेहाथ दबोचने में निगरानी विभाग की टीम सफल भी रही। निगरानी टीम दोनों आरोपित पुलिस कर्मियों को अपने साथ लेकर पटना रवाना हो गई। गरानी के छापेमारी दल में डीएसपी एस के भौआर के साथ अरुणोदय पाण्डेय, राजीव कुमार सिंह, एसआई और एएसआई अनिल कुमार, नागेंद्र राय, श्यामबाबू प्रसाद, ऋषिकेश कुमार, अभिषेक कुमार, एनके चतुर्वेदी आदि शामिल थे।

फायरिंग से गूंज से दहल उठी बांका की कुशमाहा पंचायत, पूर्व मुखिया मुन्नी देवी को मारी गई गोली, गंभीर हालत में भागलपुर रेफर

अमरपुर (एजेंसी)। कुशमाहा पंचायत के पूर्व मुखिया मुन्नी देवी को शुक्रवार को लगभग साढ़े चार बजे बदमाशों ने गोलीमारकर जख्मी कर दिया। एक गोली पेट में लगने से मुन्नी देवी जमीन पर गिर गई। इस क्रम में स्वजनों ने उसे इलाज के लिए रेफरल अस्पताल लाया। जहां चिकित्सकों ने जख्मी की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए भागलपुर रेफर कर दिया।

घटना का कारण पारिवारिक एवं चुनावी रंजिश बताया है। जख्मी के स्वजनों ने इस मामले में मुन्नी देवी की ननद के पुत्र उपेंद्र उर्फ ओपी मंडल पर गोली मारने का आरोप लगाया है। गोपी मूलरूप से कजरा गांव का है, लेकिन पिछले एक दशक से बिदुआ में ही घर बनाकर रह रहा है। मुन्नी के पुत्र देवराज मंडल ने बताया कि उसकी मां घर के आगे खड़ी थी। इसी दौरान उपेंद्र उर्फ ओपी मंडल देसी कट्टा लहराते हुए आया और उसकी मां को गोली मारकर भाग गया। ज्ञात हो कि तीन वर्ष पूर्व मुन्नी के पति नवल किशोर चौहान की भी हत्या कर दी गई थी। नवल अपने पुत्र के साथ एक शादी समारोह से बाछनी गांव से लौट रहे थे। इसी क्रम में पूर्व से घात लगाए अपराधियों ने तबाड़तोड़ गोलीबारी कर नवल किशोर चौहान

की हत्या कर दी थी। मुखिया पति के हत्या में भी उपेंद्र उर्फ ओपी मंडल भी आरोपित हैं। जो फिलवक्त उक्त केस में फरार चल रहा है। इस कांड में बिदुआ उत्तरी टोला के उसके रिश्तेदार सीताराम मंडल एवं उसका तीन पुत्र समेत एक दर्जन आरोपित फिलवक्त जेल में हैं। बताया जाता है कि पिछले पंचायत चुनाव में नवल किशोर चौहान ने सीताराम मंडल के सहयोग से ही पत्नी को मुखिया बनाया था। लेकिन पत्नी के मुखिया बनने के बाद नवल किशोर चौहान ने सीताराम मंडल एवं उसके पुत्र को दरकिनार कर दिया। इसी खुन्नस में नवल की हत्या की गई थी। इस पंचायत चुनाव में सभी एकबार मिलजुल कर मुन्नी देवी को मुखिया बनाने में सहयोग की योजना बनाई थी। अंततः मुन्नी देवी चुनाव हार गई। मुन्नी देवी का सीताराम मंडल से समझौता का उपेंद्र उर्फ ओपी मंडल विरोध कर रहा था। इसी कारण उपेंद्र उर्फ ओपी मंडल ने गोली मारकर हत्या करने का प्रयास किया। इधर, थानाध्यक्ष मु. सफदर अली ने बताया कि स्वजनों के बयान पर केस दर्ज किया जाएगा।

फिडे ग्रैंड स्विस शतरंज टूर्नामेंट: हरिका ने स्टेफानोवा को हराया

रीगा (लाटविया) (एजेंसी) । भारत की द्रोणवल्ली हरिका ने पूर्व विश्व चौम्पियन बुल्गारिया की अंतोनेता स्टेफनोवा को फिडे ग्रैंड स्विस शतरंज टूर्नामेंट के तीसरे दौर में हराकर संयुक्त बढत बना ली। तीन दौर के बाद नौ खिलाड़ी 2.5 अंक लेकर शीर्ष पर हैं। हरिका ने 68 चालों के बाद जीत

दर्ज की। भारत की पद्मिनी राउत ने आर वैशाली को हराया जबकि वंतिका अग्रवाल ने दिव्या देशमुख को मात दी। राउत और अग्रवाल इस जीत के बाद तीन दौर में दो अंक हासिल कर चुके हैं। हरिका का सामना चौथे दौर में चीन की झू जिनेर से होगा।वहीं राउत रूस की एलिना काश्लिनस्काया से और अग्रवाल आर्मेनिया की अन्ना एम सर्जिस्यान से खेलेगीं पुरूष वर्ग में ग्रैंडमास्टर पी हरिकृष्णा ने खराब शुरूआत के बाद वापसी करते हुए चअली के इवान मोरोविच फर्नांडिज को हराया। सत्रह वर्ष के निहाल सरीन ने आस्ट्रेलिया के तैमूर कायबोकारोव को मात दी। अब उनका सामना रूस के पावेल पोंक्रातोव से होगा जबकि हरिकृष्णा आर्मेनिया के सर्जेइ मोवसेसियान से खेलेंगे। भारत के डी गुकेश, के शशिकिरण, आर प्रज्ञानानंदा, अर्जुन एरिगेसी और रौनक साधवानी ने ड्रा खेले। ईरान के अलीरजा फिरोजा पूरे अंक लेकर शीर्ष पर हैं।सरीन समेत छह खिलाड़ी उनसे आधा अंक पीछे हैं।

पवार ने पाकिस्तान से हारने के बाद भारतीय खिलाड़ियों की 'ट्रोलिंग' की निंदा की

मुंबई (एजेंसी) । एनसीपी प्रमुख और पूर्व आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) चेयरमैन शरद पवार ने टी20 विश्व कप में पाकिस्तान से मिली 10 विकेट की हार के बाद सोशल मीडिया पर कुछ भारतीय खिलाड़ियों की 'ट्रोलिंग' को शुक्रवार को 'अशोभनीय' करार दिया। कुछ खिलाड़ियों, विशेषकर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को इस हार के बाद सोशल मीडिया पर निशाना बनाया गया था। उन्होंने यहां एक कार्यक्रम के दौरान कहा, ''मेरी क्रिकेट के प्रशंसकों से अपील है कि उन्हें इस तरह की आलोचना से खिलाड़ियों को हतोत्साहित करने से खुद को दूर रखना चाहिए। '' उन्होंने किसी भी खिलाड़ी का नाम लिये बिना कहा, ''भारतीय टीम के पाकिस्तान से हारने के बाद कुछ खिलाड़ियों के खिलाफ इस तरह की 'ट्रोलिंग' अशोभनीय थी। '' उन्होंने कहा, ''हम जीतते भी हैं और हारते भी। लेकिन मैंने कभी भी इस स्तर की आलोचना नहीं देखी। मेरा मानना है कि हम न्यूजीलैंड के खिलाफ अगला मैच जीतेंगे जिससे लोगों का मूड भी बदल जायेगा।

बुमराह मैच विनर खिलाड़ी लेकिन भारत की टीम उन पर अधिक निर्भर मुरली

दुबई (एजेंसी) । श्रीलंका के पूर्व दिग्गज और दुनिया में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले मुथैया मुरलीधरन ने स्वीकार किया कि भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह उनकी टीम के लिए मैच विजेता हैं, लेकिन उन्हें लगता है कि विराट कोहली की अगुवाई वाली टीम इस समय उन पर बहुत अधिक निर्भर है। भारत आईसीसी टी20 विश्व कप सुपर 12 का पहला मैच प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से 10 विकेट से हार गया था और मुरली ने कहा कि बुमराह को छोड़कर भारत के पास पाकिस्तान के शाहीन अफरीदी या हारिस रऊफ जैसा तेज गेंदबाज नहीं होना चिंता का विषय है। मुरलीधरन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के लिए अपने कॉलम में कहा, आईसीसी टी-20 विश्व कप 2021 में एक बात स्पष्ट हो गई है कि सर्वश्रेष्ठ टीमों के पास मजबूत गेंदबाजी आक्रमण हैं। हारिस रऊफ और शाहीन शाह अफरीदी की गति के कारण पाकिस्तान खतरनाक रहा है। वे 140 किमी से अधिक की रफ्तार से यॉर्कर और धीमी गति की गेंदबाजी भी कर सकते हैं। अतिरिक्त गति से इन परिस्थितियों में बड़ा फर्क पड़ता है और फिर यह स्पिनरों के बारे में है जो एक लाइन और लेंथ पर टिके रह सकते हैं। उन्होंने कहा, इस संबंध में मुझे जो टीम चिंतित करती है, वह भारत है। जसप्रीत बुमराह एक मैच विजेता है, लेकिन टीम इस समय गेंदबाजी पक्ष में उन पर थोड़ा निर्भर करती है। मुझे लगता है कि वे टीम में एक लेग स्पिनर के साथ कमाल कर सकते हैं, जो रविचंद्रन अश्विन हो सकते हैं। यह दो तेज गेंदबाजों के नीचे जाने और हार्दिक पांड्या पर भरोसा करने का मामला हो सकता है। यह सही संतुलन खोजने और बुमराह पर ज्यादा भरोसा नहीं करने के बारे में है। श्रीलंका के महान गेंदबाज ने कहा कि पाकिस्तान इस विश्व कप में दूरी तय करने के लिए सबसे अच्छी स्थिति में है क्योंकि उसने टूर्नामेंट में दो सर्वश्रेष्ठ टीमों- भारत और न्यूजीलैंड को हराया है। जब सबसे अच्छी स्थिति में टीम की बात आती है, तो मुझे लगता है कि पाकिस्तान अच्छा दिख रही है क्योंकि उन्होंने भारत और न्यूजीलैंड में अपने समूह की दो सबसे मजबूत टीमों को पहले ही हरा दिया है। उनके पास इतनी प्रतिभा है, जो हमेशा से रही है। लेकिन वेस्ट इंडीज की तरह, अतीत में उनका प्रदर्शन खराब होते भी देखा गया है। यह टीम अलग महसूस करती है। मुझे यकीन नहीं है कि यह कहां से आई है, लेकिन उनके पास गति और विश्व स्तरीय गेंदबाजी आक्रमण है। बल्लेबाजी बाबर आजम के आसपास बनी है, जो उनका एक विश्व स्तरीय बल्लेबाज है। अनुभव के मामले में उनके पास शोएब मलिक और मोहम्मद हफीज जैसे खिलाड़ी हैं जो 15 साल से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहे हैं। साथ ही कुछ अच्छे युवा भी टीम में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

फिडे ग्रैंड स्विस शतरंज टूर्नामेंट हरिका ने स्टेफानोवा को हराया

रीगा (लाटविया) (एजेंसी) । भारत की द्रोणवल्ली हरिका ने पूर्व विश्व चौम्पियन बुल्गारिया की अंतोनेता स्टेफनोवा को फिडे ग्रैंड स्विस शतरंज टूर्नामेंट के तीसरे दौर में हराकर संयुक्त बढत बना ली। तीन दौर के बाद नौ खिलाड़ी 2.5 अंक लेकर शीर्ष पर हैं। हरिका ने 68 चालों के बाद जीत दर्ज की। भारत की पद्मिनी राउत ने आर वैशाली को हराया जबकि वंतिका अग्रवाल ने दिव्या देशमुख को मात दी। राउत और अग्रवाल इस जीत के बाद तीन दौर में दो अंक हासिल कर चुके हैं। हरिका का सामना चौथे दौर में चीन की झू जिनेर से होगा। वहीं राउत रूस की एलिना काश्लिनस्काया से और अग्रवाल आर्मेनिया की अन्ना एम सर्जिस्यान से खेलेगीं पुरूष वर्ग में ग्रैंडमास्टर पी हरिकृष्णा ने खराब शुरूआत के बाद वापसी करते हुए चअली के इवान मोरोविच फर्नांडिज को हराया। सत्रह वर्ष के निहाल सरीन ने आस्ट्रेलिया के तैमूर कायबोकारोव को मात दी। अब उनका सामना रूस के पावेल पोंक्रातोव से होगा जबकि हरिकृष्णा आर्मेनिया के सर्जेइ मोवसेसियान से खेलेंगे। भारत के डी गुकेश, के शशिकिरण, आर प्रज्ञानानंदा, अर्जुन एरिगेसी और रौनक साधवानी ने ड्रा खेले। ईरान के अलीरजा फिरोजा पूरे अंक लेकर शीर्ष पर हैं। सरीन समेत छह खिलाड़ी उनसे आधा अंक पीछे हैं।

टी20 मैचों में बाबर आजम ने तोड़ा विराट कोहली का रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम इस समय अपनी लाइफ के सबसे अच्छे दौर से गुजर रहे हैं। टी20 वर्ल्ड कप में अभी तक उन्होंने शानदान प्रदर्शन किया हैं। दुबई में शुक्रवार को अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में बाबर आजम ने एक और रिकॉर्ड को अपने नाम किया। उन्होंने इस मैच में 45 गेंदों पर 51 रन बनाए और पाकिस्तान ने अफगानिस्तान को पांच विकेट से हरा दिया। जीत के हीरो रहे आसिफ अली ने 7 गेंदों में 25 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई। इस दौरान, बाबर ने अंतरराष्ट्रीय टी20 मैचों में कप्तान के तौर पर सबसे तेज 1000 रन पूरे करने वाले कप्तान विराट कोहली के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। बाबर ने यह मुकाम महज 26 पारियों में पाया है वहीं, भारतीय कप्तान को एक हजार रन तक पहुंचने में 30 पारियां लगी थी। इस बीच, दक्षिण अफ्रीका के फाफ डु प्लेसिस (31), ऑस्ट्रेलियाई एरोन फिंच (32) और न्यूजीलैंड के केन विलियमसन (36) टॉप फाइव में मौजूद हैं।

नामीबिया के खिलाफ जीत की राह पर लौटना चाहेगा अफगानिस्तान

अबुधाबी, 30 अक्टूबर (वेब वार्ता)। पाकिस्तान के खिलाफ करीबी मुकाबले में हार का सामना करने के बाद अफगानिस्तान की टीम रविवार को आईसीसी टी20 विश्व कप में जब यहां टूर्नामेंट में पदार्पण कर रहे नामीबिया के खिलाफ मैदान में उतरेगी तो उसके सामने जीत की राह पर लौटने की चुनौती होगी।

अफगानिस्तान ने साबित कर दिया है कि वह ऐसी टीम नहीं है जिसे हल्के में लिया जाए। टीम में राशिद खान की अगुवाई में विश्व स्तरीय स्पिन गेंदबाजी आक्रमण है। राशिद के अलावा मुजीब उर रहमान और कप्तान मोहम्मद नबी ने दुनिया भर के अलग दृ अलग टी20 लीग टूर्नामेंटों में खेलकर अपने कौशल को शानदार तरीके से निखारा है। शानदार स्पिन गेंदबाजी को टीम के तेज तर्रार बल्लेबाजों का भी साथ मिलता रहा है। टीम ने अपने शुरुआती मुकाबले में स्कॉटलैंड को बुरी तरह से पराजित किया जबकि शानदार लय में चल रही पाकिस्तान को उन्होंने कड़ी चुनौती दी। अफगानिस्तान के बल्लेबाज बेखौफ होकर बल्लेबाजी करने के लिए जाने जाते है।

यह वैसा ही है जैसे वेस्टइंडीज के बल्लेबाज इस प्रारूप में बड़े शॉट लगाने के लिए जाने जाते है। पाकिस्तान के खिलाफ लगातार अंतराल पर विकेट गंवाने के बावजूद नबी और गुलबदीन नायब ने 45 गेंद में 71 रन की साझेदारी कर टीम को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। उनके बल्लेबाज अगर 20 रन और जोड़ने में सफल रहते तो पाकिस्तान के लिए लक्ष्य को हासिल करना काफी मुश्किल होता।

पाकिस्तान के खिलाफ मैच के बाद कप्तान नबी ने कहा था कि हार के बाद भी उनकी टीम का हौसला बढ़ेगा। उन्होंने कहा, '' इस मैच में हमारे लिए बहुत सारी सकारात्मक चीजें हैं, हम सकारात्मक चीजें के साथ आगे बढ़ेंगे। अभी तीन और मैच हैं। इंशाअल्लाह हम अच्छा करेंगे, टीम का मनोबल ऊंचा है।'' दूसरी ओर, नामीबिया टूर्नामेंट में अपने ऐतिहासिक प्रदर्शन को जारी रखने की उम्मीद करेगा।

महज 25 लाख की आबादी और क्रिकेट की सिर्फ पांच पिचों वाले इस देश ने टूर्नामेंट में अपने प्रदर्शन से सबको आश्चर्यचकित किया है। क्वालीफायर में नीदरलैंड और आयरलैंड को हारने के बाद टीम सुपर 12 के अपने पहले मैच में स्कॉटलैंड के खिलाफ यादगार जीत दर्ज करने में सफल रही है। टीम के गेंदबाज स्कॉटलैंड को 109 रन पर रोकने में सफल रहे लेकिन इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए बल्लेबाजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बड़ी टीमों के खिलाफ अपने लय को बनाये रखने के लिए नामीबिया को अपने प्रदर्शन के स्तर को और ऊंचा करना होगा। टीम को अफगानिस्तान के खिलाफ बड़ा स्कोर खड़ा करने के लिए उनकी कमजोर तेज गेंदबाजी का फायदा उठाना होगा। टीमेंरू अफगानिस्तानरू राशिद खान, रहमानुल्ला गुरबाज, हजरतुल्लाह जजई, उस्मान गनी, असगर अफगान, मोहम्मद नबी (कप्तान), नजीबुल्लाह जादरान, हशमतुल्ला शाहिदी, मोहम्मद शहजाद, मुजीब उर रहमान, करीम जनत, गुलबदीन नायब, नवीन-उल-हक, हामिद हसन, फरीद अहमद।

नामीबियारू गेरहार्ड इरासमस (कप्तान), स्टीफन बार्ड, कार्ल बिरकेनस्टॉ, मिचौ डू प्रीज, जेन फ्रीलिंक, जेन ग्रीन, निकोल लोफी-ईटन, बर्नार्ड सोल्ट्ज, बेन शिकोंगो, जेजे स्मिट, रूबेन ट्रम्पेलमैन, माइकल वैन लिंगेन, डेविड वाइसी, क्रेग विलियम्स और पिक्की ये फ्रांस। मैच का समय रू दोपहर 03.30 से (भारतीय समयानुसार)

ऑस्ट्रेलियारू पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर खिलाड़ी एलन डेविडसन का 92 की उम्र में निधन

सिडनी (एजेंसी) । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी एलन डेविडसन का आज निधन हो गया है। वे 92 साल के थे। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए कुल 44 टेस्ट खेले थे। क्रिकेट डॉट कॉम के अनुसार, डेविडसन बाएं हाथ के तेज गेंदबाज थे। उन्होंने अपने बेहतरीन करियर में 186 टेस्ट विकेट हासिल किए। इस दौरान उनका औसत 20 से ज्यादा रहा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने शनिवार को जारी एक शोक संदेश में कहा कि, ऑस्ट्रेलिया अपनी क्रिकेट टीम के सबसे बेहतरीन और प्रभावशाली शख्सियतों में एक एलन डेविडसन को खोने से दुखी हैं जिनका आज सुबह 92 साल की आयु में निधन हो गया। इसकी सूचना इनके परिवार ने दी। डेविडसन का जन्म एनएसडब्ल्यू सेंट्रल कोस्ट के लिसारो में हुआ था। उन्होंने अपने घर से खेलना शुरू किया था। डेविडसन ने आगे बढ़कर एनएसडब्ल्यू और ऑस्ट्रेलिया के लिए बेहतरीन पारियां खेल कर ऑलराउंडर खिलाड़ी बन कर उभरे। डेविडसन ने 1949/50 सीजन के दौरान एनएसडब्ल्यू के लिए प्रथम श्रेणी के साथ 1953 के एशेज दौरे पर अपना टेस्ट डेब्यू किया। उन्होंने 7/93 के सर्वश्रेष्ठ आंकड़ों के साथ 20.53 पर 186 टेस्ट विकेट लिए

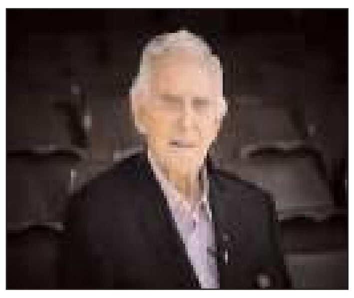

और 80 के शीर्ष स्कोर के साथ 24.5 पर 1,328 रन बनाए। डेविडसन ने 1960 में ब्रिस्बेन में वेस्टइंडीज के खिलाफ मशहूर टाई टेस्ट खेला, जहां उन्होंने अपना सर्वोच्च बल्लेबाजी स्कोर हासिल किया और कप्तान रिची बेनॉड के साथ ऑस्ट्रेलिया के लिए रिकॉर्ड सांतवे विकेट की हिस्सेदारी दी। उस मैच में डेविडसन ने टूटी हुई उंगली के साथ खेला था और एक ही टेस्ट में 100 रन बनाने और 10 विकेट लेने वाले पहले व्यक्ति बने थे। डेविडसन के शानदार खेल करियर को हमेशा क्रिकेट के साथ-साथ अन्य खेलों और धर्मार्थ कार्यों के लिए याद किया जाएगा। उन्होंने क्रिकेट एनएसडब्ल्यू के अध्यक्ष के रूप में 33 वर्ष, ट्रस्टी के रूप में 20 वर्ष काम किया है। सिडनी क्रिकेट ग्राउंड और 1979-84 के बीच ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट चयनकर्ता के रूप में पांच साल काम किया है। डेविडसन को खेल में योगदान के लिए कई सम्मान दिए गए। साथ ही उन्हें ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर (एमबीई) का सदस्य भी बनाया गया था। उन्हें 1964 और 1987 में ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया से सम्मानित किया गया। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अध्यक्ष, रिचर्ड फ्रायडेनस्टीन ने कहा, एलन डेविडसन का निधन ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट और दुनियाभर के क्रिकेट के लिए एक दुखद पल बताया है। एलन क्रिकेट खेल के दिग्गज थे और उन्होंने ऑस्ट्रेलिया और एनएसडब्ल्यू का प्रतिनिधित्व किया।

अफगान प्रशंसकों के कथित तौर पर बिना टिकट जबरन घुसने की जांच के निर्देश

दुबई (एजेंसी) । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने अमीरात क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) को अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच टी20 विश्व कप सुपर 12 चरण के मैच के दौरान दुबई अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम के बाहर बिना टिकट घुसे अफगान समर्थकों के दुर्व्यवहार की जांच के निर्देश दिये हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच शुक्रवार को हुए इस मैच के 16000 टिकट जारी किये गए थे लेकिन हजारों की संख्या में बिना टिकट के भी प्रशंसक पहुंच गए और स्टेडियम के भीतर घुसने की कोशिश की। आईसीसी ने एक बयान में कहा, ''दुबई पुलिस और सुरक्षा स्टाफ ने अतिरिक्त बल तैनात करके भीड़ को तितर बितर किया और हालात को संभाला। करीब सात बजे दुबईपुलिस ने सभी दरवाजे बंद करने और किसी को प्रवेश नहीं देने के निर्देश दे दिये थे ताकि स्टेडियम के भीतर हालात नियंत्रण में रहें।'' आईसीसी ने कहा कि भविष्य में इस तरह की घटना के दोहराव से बचने के पूरे उपाय किये जायेंगे।

आलोचना की कभी परवाह नहीं की,फोकस हमेशा बल्लेबाजी पर था आसिफ

दुबई (एजेंसी) । टी20 विश्व कप के पिछले दो मैचों में दमदार छक्के लगाने वाले पाकिस्तानी बल्लेबाज आसिफ अली ने कहा कि राष्ट्रीय टीम में उनके चयन की आलोचना की उन्होंने कभी परवाह नहीं की। टी20 विश्व कप टीम में आसिफ के चयन को लेकर पाकिस्तानी मीडिया में काफी हल्ला हुआ था। अतीत में कई अंतरराष्ट्रीय मैचों में उनका प्रदर्शन खराब रहा है। अफगानिस्तान के

खिलाफ सात गेंद में नाबाद 25 रन बनाकर टीम को एक ओवर बाकी रहते पांच विकेट से जीत दिलाने वाले आसिफ ने कहा, ''मैं सोशल मीडिया से दूर हूं और वहां जो चल रहा है, मुझे उसकी जानकारी नहीं रहती। मुझे आलोचना का पता नहीं।'' पाकिस्तान को आखिरी दो ओवरों में कल 24 रन चाहिये थे। आसिफ ने करीम जन्नत को चार छक्के जड़कर 19वें ओवर में ही मैच खत्म कर दिया।विश्व कप से पहले हालांकि उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं था। पिछली चार पारियों में वह दोहरे अंक तक भी नहीं पहुंच सके थे। घरेलू टी20 में 203 मैचों में वह 147 की औसत से रन बना चुके हैं। आसिफ ने कहा, ''आंकड़े कहेंगे कि आपने पिछली तीन पारियों में दस रन बनाये हैं लेकिन वे यह नहीं बतायेंगे कि आपने आखिरी ओवर में दो या तीन गेंद की खेली है।'' उन्होंने कहा, ''जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछली श्रृंखलाओं में मैं छठे नंबर पर उतरा। यह कठिन क्रम है और अच्छा नहीं खेलने पर सीधे आंकड़े दिखा दिये जाते हैं।यह नहीं देखा जाता कि मध्यक्रम के बल्लेबाजों को कितनी दिक्कतें आई।'' उन्होंने कहा, ''मैं टीम से भीतर बाहर होता रहा लेकिन जब टीम को मेरी जरूरत थी तो मुझे बुलाया गया। मैने अपने काम पर फोकस रखा। मैं दुनिया भर में फ्रेंचाइजी लीग खेल रहा था और घरेलू क्रिकेट भी। मैं फॉर्म में था और इसी वजह से ऐसा प्रदर्शन कर सका।''

टी20 वर्ल्ड कप रू दासुन शनाका की अगुवाई वाली टीम को चुनौती देने को तैयार दक्षिण अफ्रीका

शारजाह (एजेंसी) । आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप में शनिवार को दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका के बीच मुकाबला होना है। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका दासुन शनाका की अगुवाई वाली टीम को

चुनौती देना चाहेगी। जैसे इस साल की शुरुआत में कोलंबो में सीरीज के दौरान दिया था। टी20 वर्ल्ड कप में श्रीलंका ने शारजाह के मैदान में दो मुकाबले खेले हैं, जिसमें से एक में जीत मिली है तो दूसरे में हार का सामना करना पड़ा। दक्षिण अफ्रीका ने पिछले महीने श्रीलंका को कोलंबो में 3-0 से सीरीज हराया था। आज के मैच में टीम इसी अनुभव का फायदा उठाना चाहेगी। श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका ने शनिवार को कहा, मैच से पहले हमें परिस्थितियों का आकलन करना होगा। उम्मीद है कि शारजाह में खेले दो मैच से हमारी टीम को फायदा होगा। शनाका ने कहा, आप जानते हैं कि शारजाह की पिच पर हमेशा हलचल होती रहती है, इसलिए वेस्टइंडीज और बांग्लादेश के खिलाफ मैच में हमने देखा कि गेंद ऊपर और नीचे आ रही थी। जिस कारण बल्लेबाजों को खेलने में परेशानी हो रही थी। टूर्नामेंट में दोनों ही टीमों ने अपने दो मैचों में एक-एक जीत दर्ज की है। दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका अपने ग्रुप में तीसरे और चौथे स्थान पर बने हुए हैं।

नबी ने राशिद खान से 10वें ओवर के बाद गेंदबाजी करने के फैसले का बचाव किया

दुबई (एजेंसी) । अफगानिस्तान के कप्तान मोहम्मद नबी ने पाकिस्तान के खिलाफ आईसीसी टी20 विश्व कप मैच में अपने शीर्ष गेंदबाज राशिद खान को 10वें ओवर के बाद आक्रमण पर लाने के फैसले का बचाव किया। अफगानिस्तान को शुक्रवार को खेले गये इस मैच में पांच विकेट से शिकस्त झेलनी पड़ी।

जीत के लिए पाकिस्तान को 148 रन से कम स्कोर पर रोकने की चुनौती के साथ गेंदबाजी के लिए मैदान पर उतरी अफगानिस्तान की टीम ने राशिद को 11वें ओवर में गेंद थमाई । इस समय पाकिस्तान को 60 गेंद में जीत के लिए 76 रन की जरूरत थी।

नबी ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, '' मुझे लगता है कि 10 ओवर के बाद बहुत देर नहीं हुई थी। उन्होंने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की और पाकिस्तान के रनों पर अंकुश लगाने में सफल रहे।'' उन्होंने कहा, '' मैच के आखिर में पाकिस्तान के जीत के लिए 12 गेंद में 24 रन चाहिए थे। इसका मतलब है कि वह उनके बल्लेबाजों को रोकने में सफल रहे।'' ाशिद ने चार ओवर में 26 रन देकर दो विकेट चटकाये। उन्होंने अनुभवी मोहम्मद हफीज (10) को पवेलियन भेजने के बाद के मैच के अहम मोड़ पर पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम (51) को बोल्ड किया। आसिफ अली ने हालांकि 19वें ओवर में चार छक्के लगा कर पाकिस्तान की जीत

पक्की कर दी। नबी ने कहा, '' पाकिस्तान ने मैच को अच्छे से खत्म किया। लेकिन हमारे खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। हमने अपनी पारी की शुरुआत में जल्दी विकेट गंवाने के बाद भी प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा करने में सफल रहे। '' उन्होंने कहा, ''हम 19वें ओवर से पहले तक उन्हें रोकने में कामयाब रहे थे। आखिर में पाकिस्तान की जीत हुई। यह क्रिकेट का हिस्सा है।

यह मैच दर्शकों की भीड़ की परेशानी से प्रभावित हुआ। कई प्रशंसक स्टेडियम की दीवार पर चढ़ने की कोशिश कर रहे थे, उन्हें रोकने के लिए सुरक्षा कर्मचारियों को हस्तक्षेप करना पड़ा। नबी ने कहा, ''मैं अफगानिस्तान के प्रशंसकों से कहना चाहूंगा कि कृपया टिकट खरीद कर स्टेडियम में आये। दोबारा ऐसा नहीं करें। यह अच्छा नहीं है।''

नबी ने कहा कि इस मैच से उनकी टीम को भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ अच्छा करने का हौसला मिलेगा। आमतौर पर शांत और सुलझे हुये रहने वाला नबी अपने देश के तालिबान के अधिग्रहण के बाद पाकिस्तान के साथ राजनयिक संबंधों पर एक पत्रकार द्वारा सवाल पूछे जाने के बाद थोड़े असहज दिखे। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि हमें किसी और स्थिति को छोड़कर क्रिकेट के बारे में बात करनी चाहिये। यह बेहतर होगा। हम यहां विश्व कप के लिए आए हैं और हम आत्मविश्वास से भरे है और पूरी तैयारी के साथ आये है।''

पाकिस्तान ने लगाई जीत की हैट्रिक, अफगानिस्तान को 5 विकेट से हराया

दुबई, 30 अक्टूबर (वेब वार्ता)। पाकिस्तान ने कप्तान बाबर आजम (51) के अर्धशतक और आसिफ अली के सात गेंद में चार छक्के जड़ित नाबाद 25 रन से शुक्रवार को यहां आईसीसी पुरूष टी20 विश्व कप के सुपर 12 चरण के ग्रुप दो के मैच में अफगानिस्तान को पांच से हराकर तीसरी जीत दर्ज की। पाकिस्तान की टीम ग्रुप दो में तीन जीत से छह अंक लेकर शीर्ष पर काबिज है। अफगानिस्तान के छह विकेट पर 147 रन के स्कोर का पीछा करते हुए पाकिस्तानी टीम एक समय मुश्किल में दिख रही थी लेकिन 'प्लेयर आफ द मैच' आसिफ अली ने 19वें ओवर में चार छक्के जड़कर अपनी टीम को एक ओवर रहते जीत दिलायी। अफगानिस्तान ने तीसरे ही ओवर में पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान (08) का विकेट झटक लिया था। बाबर आजम और फखर जमां ने मिलकर दूसरे विकेट के लिये 63 रन की साझेदारी की। इन दोनों की बदौलत पाकिस्तान ने 10 ओवर में एक विकेट पर 72 रन था और उसे अगली 60 गेंद में 76 रन बनाने थे। अफगानिस्तानी कप्तान मोहम्मद नबी ने राशिद खान को 11वें ओवर में गेंदबाजी के लिये लगाया जिसकी अंतिम गेंद पर की गयी उनकी अपील पर अंपायर ने बाबर आजम को आउट करने के लिये ऊंगली उठा दी लेकिन पाकिस्तानी कप्तान रिव्यू में बच गये। अगले ओवर में नबी की गेंद पर अंपायर ने जमां को आउट करने के लिये ऊंगली उठायी और फिर से रिव्यू लिया गया, पर इसमें जमां पगबाधा आउट हुए। इस तरह बाबर आजम और जमां के बीच दूसरे विकेट के लिये 52 गेंद में बनी अर्धशतीय साझेदारी खत्म हुई। राशिद ने अपने तीसरे ओवर में मोहम्मद हफीज (10) का विकेट झटककर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट

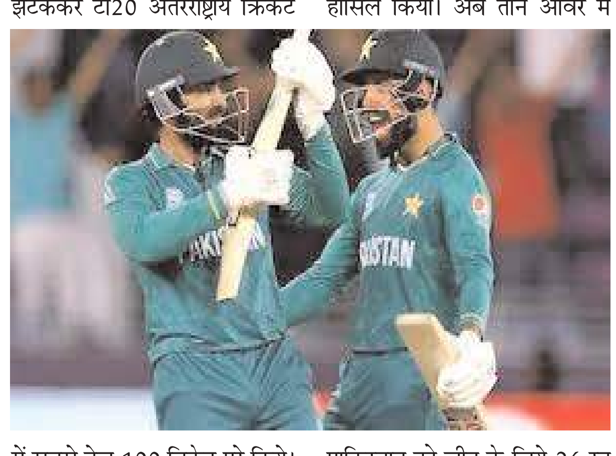

में सबसे तेज 100 विकेट पूरे किये। बाबर आजम इसके बाद 45 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया जिसमें चार चौके शामिल थे। राशिद (26 रन देकर दो विकेट) ने अपने स्पैल की अंतिम गेंद पर बाबर आजम को बोल्ड कर अपना दूसरा विकेट हासिल किया। अब तीन ओवर में पाकिस्तान को जीत के लिये 26 रन की जरूरत थी। अनुभवी शोएब मलिक (19 रन, 15 गेंद, एक चौका और एक छक्का) नवीन उल हक की आफ स्टंप से बाहर जाती गेंद पर बल्ला छुआकर विकेटकीपर को कैच दे बैठे। अंतिम दो ओवर में 12 गेंद में 24 रन की दरकार थी। आसिफ अली के चार चौकों से पाकिस्तान ने 19 ओवर में पांच विकेट पर 148 रन बनाकर जीत हासिल की।

इससे पहले पाकिस्तान के शानदार गेंदबाजी आक्रमण के सामने पावरप्ले में चार विकेट विकेट गंवाने के बावजूद अफगानिस्तान की टीम अंत में कप्तान मोहम्मद नबी और गुलबदीन नईब के बीच सातवें विकेट के लिये 45 गेंद में 71 रन की नाबाद साझेदारी से छह विकेट पर 147 रन का स्कोर खड़ा करने में सफल रही। अफगानिस्तान ने पारी के सबसे ज्यादा 21 रन 18वें ओवर में जोड़े जिसमें नईब ने एक छक्का और दो चौके लगाये। नईब (25 गेंद में चार चौके और एक छक्का) और नबी (32 गेंद में पांच चौके) दोनों ने नाबाद 35-35 रन बनाये। इन दोनों की बदौलत अफगानिस्तान ने अंतिम तीन ओवर में 43 रन जोड़े। पाकिस्तान के लिये इमाद वसीम ने 25 रन देकर दो विकेट झटके। शाहीन शाह अफरीदी, हैरिस रऊफ, हसन अली और शादाब खान को एक एक विकेट मिला। पाकिस्तान की शानदार गेंदबाजी के आगे अफगानिस्तान ने पावरप्ले में 49 रन पर अपने चार खिलाड़ियों के विकेट गंवा दिये थे। पाकिस्तान ने दूसरे और तीसरे ओवर में एक एक विकेट झटके। पहले इमाद वसीम ने हजरत जजई का विकेट हासिल किया जो खाता भी नहीं खोल सके। अगले ओवर में मोहम्मद शहजाद ने तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी की गेंद पर एक्सट्रा कवर में पारी का पहला चौका लगाया, पर एक गेंद के बाद वह मिड आन पर बाबर आजम को कैच देकर आउट हो गये और स्कोर दो विकेट पर 13 रन था।

यूट्यूब सेंसेशन जन्नत जुबैर पंजाबी फिल्म कुलचे छोले से करेंगी डेब्यू

यूट्यूब सेंसेशन जन्नत जुबैर और दिलराज ग्रेवाल आगामी पंजाबी फिल्म कुलचे छोले के साथ अपनी शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। बता दें कि दोनों ने हाल ही में वाईआरएफडिजिटल और सागा संगीत सहयोग के तहत अपना गाना लाली लॉन्च किया था। फिल्म सागा स्टूडियोज के बैनर तले बनी है और इसे सुमीत सिंह ने प्रोड्यूस किया है। शूटिंग अमृतसर में चल रही है। फिल्म की शूटिंग शुरू करने से पहले फिल्म के कलाकारों और पूरी क्रियु ने पवित्र स्वर्ण मंदिर में श्रद्धांजलि अर्पित की। निर्माताओं ने शनिवार

को फिल्म का शीर्षक पोस्टर जारी किया। यह नए और होनहार कलाकारों के अच्छे तड़के के साथ सभी चीजों को स्वादिष्ट, चटपटा और आकर्षक लग रहा है। फिल्म उद्योग की बेहतरीन टीमों में से एक में यह फिल्म शामिल हो गई है। इसका निर्देशन सिमरनजीत हुंडल कर रहे हैं, जो इससे पहले 25 किल्ले, नंका मेला, जट्ट बॉयज पुट जट्टन दे जैसी फिल्मों का निर्देशन कर चुके हैं और अन्य बेहतरीन फिल्में भी कर चुके हैं। फिल्म के निर्माता सुमीत सिंह ने कहा, मैं सिर्फदर्शकों का मनोरंजन करना चाहता हूं। अगर हर कोई एक ही रास्ता अपनाता है, तो हम अपने दर्शकों को नई चीजें कैसे पेश कर सकते हैं? जन्नत और दिलराज शानदार अभिनेता हैं। वे सभी अच्छी चीजों के लायक हैं। मैं सिर्फ एक स्रोत हूं, मैं एक मंच की पेशकश कर सकता हूं और बाकी उनकी कड़ी मेहनत है। मुझे अपनी टीम पर विश्वास है और यह फिल्म ताजी हवा की सांस की तरह होगी। फिल्म 2022 में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। संगीत सागा म्यूजिक, सागा स्टूडियोज के इन-हाउस म्यूजिक लेबल के तहत रिलीज किया जाएगा।

अभिनेता यूसुफ हुसैन का निधन, कोविड-19 से थे पीड़ित

जानेमाने अभिनेता यूसुफ हुसैन का शनिवार सुबह निधन हो गया। 73 वर्षीय अभिनेता कोविड-19 से पीड़ित थे। उन्होंने 'धूम 2', 'रईस' और 'रोड टू संगम' जैसी फिल्मों में काम किया था। हुसैन के दामाद एवं फिल्मकार हंसल मेहता ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि अभिनेता लीलावती अस्पताल में भर्ती थे, वहीं उनका निधन हुआ। मेहता ने ट्विटर पर अपने ससुर के लिए एक भावनात्मक पोस्ट लिखी जिसमें उन्होंने बताया कि हुसैन ने किस प्रकार उन्हें आर्थिक मदद दी थी जब उनकी फिल्म 'शाहिद' अटक गई थी। उन्होंने लिखा, ''मैं परेशान था। फिल्मकार के रूप में मेरा करियर लगभग खत्म हो चुका था। तब वह मेरे पास आए और कहा कि मेरे पास सावधि जमा है और आप जब इतने परेशान हैं तो वह मेरे लिए किसी काम का नहीं है। उन्होंने एक चेक दिया और 'शाहिद' पूरी हो गई। वह थे यूसुफहुसैन।'' मेहता ने कहा, ''मेरे लिए ससुर नहीं बल्कि पिता थे। आज वह चले गए।'' हुसैन ने 'दबंग 3', 'ओ माय गॉड', 'आई एम सिंह' जैसी फिल्मों में काम किया। अभिषेक बच्चन की आगामी फिल्म 'बॉब बिस्वास' के लिए भी उन्होंने शूटिंग की थी। अभिषेक बच्चन ने हुसैन को श्रद्धांजलि देते हुए ट्विटर पर लिखा, ''हमने कई फिल्मों में काम किया, 'कुछ ना कहो' से लेकर 'बॉब बिस्वास' तक। वह सौम्य, दयालु और गर्मजोशी से भरे हुए थे। उनके परिवार के प्रति संवेदनाएं।'' मेहता के करीबी मित्र मनोज बाजपेयी ने ट्वीट किया, ''दुखद खबर। पूरे परिवार के प्रति संवेदनाएं।'' अभिनेत्री पूजा भट्ट ने भी शोक संवेदनाएं व्यक्त कीं। **(एजेंसी)**

पुनीत के अंतिम दर्शन के लिए उमड़े हजारों प्रशंसक

बेंगलुरू के कांतीरवा स्टेडियम के पास प्रशंसकों की भीड़ लगातार बढ़ती जा रही है, जहां कन्नड़ सुपरस्टार पुनीत राजकुमार के पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए रखा गया है। पुलिस बल स्थिति पर काबू पाने की पूरी कोशिश कर रही है। हालांकि, अधिकारियों ने जनता को अंतिम संस्कार करने से प्रतिबंधित कर दिया है, जो दिन में दोपहर बाद होगा। चूंकि आने की अनुमति केवल परिवार और करीबी सर्कल तक ही सीमित है। कांतीरवा स्टेडियम के बाहर विशाल स्क्रीन लगाए गए हैं, ताकि उनके प्रशंसक अंतिम क्षणों को देख सके। कन्नड़ फिल्म निर्माता रॉकलाइन वेंकटेश ने प्रशंसकों से कांतीरवा में प्रवेश करने की कोशिश नहीं करने की अपील की, क्योंकि उनके लिए अंतिम संस्कार समारोह को बाहर से देखने की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने फैसले को अंतिम रूप देने से पहले पुनीत के परिवार से बात की। उन्होंने अपनी बेटी को अमेरिका में आवश्यक मंजूरी प्राप्त करके यात्रा शुरू करने में भी मदद की। प्रसिद्ध पॉप गायिका उषा उत्थुप ने कहा कि पुनीत के असामयिक निधन की खबर दुखी हैं। उन्होंने कहा, वह भारत की पूरी फिल्म जगत से ताल्लुक रखते थे, वह कर्नाटक तक ही सीमित नहीं थे। मैंने उनके साथ बहुत अच्छा समय बिताया था। विपक्ष के नेता सिद्धारमैया को वह पल याद है, जब पुनीत ने उन्हें मामा कहा था। वह बहुत फिट थे। वह हर दिन व्यायाम करते थे। वह एक शानदार डांसर थे। मृत्यु अवश्यंभावी है, लेकिन पुनीत की असामयिक, बहुत जल्दी है। कार्डियक अरेस्ट से पहले पुनीत द्वारा परामर्श किए गए पारिवारिक चिकित्सक रमना राव ने बताया कि पुनीत शुक्रवार को अपनी पत्नी अश्विनी के साथ अपने क्लीनिक गये थे। उन्होंने मुझे उन्होंने कहा, अप्पाजी (पिता) कहा था। उन्होंने समझाया कि, सामान्य व्यायाम के बाद और कुछ अतिरिक्त मुक्केबाजी की और भाप ली। पुनीत ने कहा था कि उन्हें कोई दर्द नहीं हुआ। रमना राव ने बताया, पुनीत का बीपी और हृदय गति सामान्य था।

रॉकेट बॉयज निर्माताओं ने इंस्पायरिंग सीन का किया खुलासा, डॉ. होमी भाभा को याद कर दी श्रद्धांजलि

देशभर में महान वैज्ञानिक डॉक्टर होमी जहांगीर भाभा की 112वीं जयंती मनाई जा रही है। इस मौक पर सोनीलिव ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए अपने नए प्रोजेक्ट रॉकेट बॉयज की झलक को शेयर की है। डॉ. होमी भाभा को प्यार से भारत के परमाणु कार्यक्रम का जनक कहा जाता है, उन्होनें परमाणु विज्ञान के क्षेत्र में एक शाक्ति शाली भारत की कल्पना की। उन्होंने परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में प्रगति के माध्यम से भारत को आत्मनिर्भरता प्राप्त करने का सपना देखाया। सोनीलिव ने अपने आगामी शो रॉकेट बॉयज में जिम सर्भ होमी भाभा और इश्वाक सिंह साराभाई की भूमिका निभा रहे हैं। जिम ने कहा भारत आज परमाणु ऊर्जा में प्रमुख राष्ट्र है। जिसके लिए हमें डॉ. होमी जहांगीर भाभा और उनकी दूरदर्शिता के लिए धन्यवाद देना चाहिए। भारत परमाणु विज्ञान के द्वारा खोलने के उनके ज्वलंत जुनून को इस शो के जरिए देखाया जाएगा । होमी भाभा के रूप में जिम सर्भ अभिनीत, सीरीज भारत के सबसे प्रतिभाशाली परमाणु भौतिकविदों और देश में उनके महत्वपूर्ण योगादान की कहानियों को फिर से बातएगी।

सनी लियोनी ने ब्लैक हाई स्लिट गाउन में दिखवाया बोल्ड अंदाज

बॉलीवुड की बेबी डॉल सनी लियोनी अक्सर चर्चा में बनी रहती हैं। बीते कुछ दिनों से तो सनी लियोनी अपने परिवार और बच्चों की वजह से चर्चा में बनी थीं। लेकिन सनी लियोनी के फैंस उनकी अदाओं और उनके लुक्स के भी दीवाने हैं। अब हाल ही में सनी लियोनी ने अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में सनी लियोनी के फैंस एक्ट्रेस को देखकर

उनकी तारीखें करने से खुद को रोक नहीं पा रहे हैं। सनी लियोनी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वो अक्सर अपनी कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं। अब हाल ही में सनी लियोनी ने अपनी कुछ तस्वीरें भी शेयर की हैं। जिनमें एक्ट्रेस बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। सनी लियोनी की इन तस्वीरों ने सोशल मीडिया पर आग लगा दी है। एक्ट्रेस ने ये तस्वीरें अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए शेयर की हैं। जिनमें वो काले रंग की गाउन पहनी हुई हैं। सनी लियोनी ने ये तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में सनी लियोनी काले रंग की हाई स्लिट गाउन पहनी हुई हैं। ये गाउन वन शोल्डर और डीप नेक है। गाउन में गले की तरफ सफेद मोती और स्टोन से वर्क किया गया है। इस ड्रेस के साथ सनी लियोनी ने मिनिमल मेकअप किया है। वहीं इसके साथ उन्होंने हाथ में ग्लव्ज भी पहने हुए हैं। इन तस्वीरों में सनी वाकई बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं।

40 की उम्र में अपनी ही बेटी को हॉटनेस में श्वेता तिवारी ने दी मात

छोटे पर्दे पर प्रेरणा का किरदार निभाकर घर- घर में पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस श्वेता तिवारी खासी चर्चा में बनी रहती हैं। श्वेता तिवारी 41 साल की उम्र में भी बेहद फिट हैं और आजकल की हीरोइनों को भी मात देती हैं। श्वेता तिवारी के लुक्स को देखरकर उनकी उम्र का अंदाजा लगाना भी मुश्किल होता है। अब हाल ही में श्वेता ने अपनी कुछ बेहद खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। जिसमें एक्ट्रेस को देख उनके फैंस भी हैरान हो रहे हैं। श्वेता तिवारी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वो अक्सर अपनी कई तस्वीरें और वीडियो फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं। अब हाल ही में श्वेता तिवारी ने अपनी बेहद खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। जिसमें श्वेता का लुक देखते ही बन रहा है। इन तस्वीरों में श्वेता तिवारी को देख कोई नहीं कह सकता कि उनकी एक 21 साल की बेटी भी है। श्वेता तिवारी ने ये तस्वीरें अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए शेयर की है। इन तस्वीरों में श्वेता ने गोल्डन रंग की ट्रांसपैरेंट ड्रेस पहनी हुई है। इस ड्रेस में श्वेता बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। श्वेता ने इस ड्रेस के साथ न्यूड मेकअप किया हुआ है। साथ ही साथ उन्होंने अपने बालों को भी खुला ही रखा है। श्वेता तिवारी की ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों को उनके फैंस भी खूब पसंद कर रहे हैं।

मलाइका अरोड़ा ने अपनी आंखों और होठों से दिखाए कमाल के एक्सप्रेशंस

एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इस वीडियो में मलाइका अरोड़ा एक ट्रेंडिंग सोशल मीडिया चैलेंज को पूरा करती नजर आ रही हैं। वह इस वीडियो में एक म्यूजिक पर अपने चेहरे के एक्सप्रेशन को दिखती दिख रही हैं। उनका ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है, लोग इसे लाइक करते हुए कॉमेंट कर रहे हैं। वीडियो में आप देख सकते हैं कि मलाइका रेड आउटफिट में दिख रही हैं। खुले बालों में वह प्यारी लग रही हैं। वह अपनी आंखों और होठों के साथ कमाल के एक्सप्रेशंस देती हुई देखी जा सकती हैं । एक्ट्रेस की वीडियो पर उनके चाहने वाले फायर इमोजी , दिल वाली इमोजी और लव वाली इमोजी शेयर कर उनके पोस्ट बॉक्स में कॉमेंट कर रहे हैं। चंद घंटों पहले शेयर किये गये इस वीडियो पोस्ट पर 64 हजार लोगों ने रिस्पॉन्स किया है और 6 सौ से ज्यादा लोगों ने कॉमेंट किया है। आपको बता दें कि मालइका भले ही आजकल फिल्मों से दूर हैं , लेकिन वह अपने फैशन सेंस के लिए बी-टाउन में जानी जाती हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपने फोटोशूट और वर्कआउट की तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं। एक्ट्रेस की सोशल मीडिया पर अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है। बता दें कि मलाइका इन दिनों इंडियाज बेस्ट डांसर 2 में बतौर जज देखी जाएंगी। वह फिर से अपने इस शो से टीवी की दुनिया में वापसी करने के लिए तैयार हैं।

नवाजुद्दीन सिद्दीकी को दुबई में एक्सीलेंस इन सिनेमा अवॉर्ड से नवाजा गया

दुबई में आयोजित फिल्मफेयर मिडिल ईस्ट अचीवर्स नाइट में अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी को एक्सीलेंस इन सिनेमा अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। नवाजुद्दीन ने तलाश, गैंग्स ऑफवासेपुर, बदलापुर, मॉम, बजरंगी भाईजान, देख इंडियन सर्कस, द लंचबॉक्स, फोटोग्राफ और मंटो जैसी फिल्मों में दमदार अभिनय से अपना नाम बनाया है। नवाजुद्दीन ने कहा, एक कलाकार के लिए, दर्शकों को आपके काम के लिए अपना प्यार और सराहना देने से बड़ा कोई इनाम नहीं है और मुझे खुशी है कि दुबई में इतने जीवंत दर्शकों के बीच एक पुरस्कार प्राप्त करने के लिए लोग मुझे इतना प्यार दे रहे हैं। पिछले साल नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई सुधीर मिश्रा द्वारा निर्देशित सीरियस मेन के लिए अभिनेता को एमी इंटरनेशनल अवार्डस में भी नामांकित

किया गया है। वह इस साल एमी के लिए द ग्रेट हीस्ट के क्रिश्चियन टप्पन, देस के डेविड टेनेंट और नॉरमली के रॉय निक के साथ एक अभिनेता द्वारा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन श्रेणी में नामांकित होने वाले एकमात्र भारतीय अभिनेता हैं। भारतीय अभिनेता ने इस साल चार फिल्मों हीरोपंती 2, जोगिरा सारा रा रा, अद्भुत और संगीन की शूटिंग की है। उनकी अंतरराष्ट्रीय फिल्म नो लैंड्स मैन ने पहले ही अपना फेस्टिवल सर्किट शुरू कर दिया है। आगे देखते हुए, नवाजुद्दीन अब नवंबर में कंगना रनौत के प्रोडक्शन टिकू वेड्स शेरू की शूटिंग शुरू करने के लिए तैयार हैं।

मुंबई की जेल में 22 दिन रहने के बाद रिहा हुए आर्यन खान

क्रूज जहाज पर मादक पदार्थ मिलने के मामले में गिरफ्तार आर्यन खान 22 दिन के बाद शनिवार को मुंबई की आर्थर रोड जेल से रिहा होकर बांद्रा स्थित अपने घर 'मन्नत' पहुंचे। एक दिन पहले ही विशेष अदालत ने उन्हें सशर्त जमानत प्रदान की थी। जेल से निकलते ही वह, वहां पर पहले से इंतजार में खड़ी एक कार में सवार हुए और 12 किलोमीटर दूर बांद्रा स्थित अपने बंगले 'मन्नत' की ओर रवाना हो गए। पैसों के कारण अटकी मुनमुन धमेचा की रिहाई, वकील बोले- हमारे पास 1 लाख रुपये नहीं मुंबई, 30 अक्टूबर (वेब वार्ता)। क्रूज ड्रग्स केस में आर्यन खान आर्थर रोड जेल से रिहा होकर अपने घर 'मन्नत' भी पहुंच चुके हैं, लेकिन मुनमुन धमेचा की रिहाई अटक गई है। दरअसल मुनमुन को जमानत के पैसों की व्यवस्था करने में दिक्कत हो रही है।

मुनमुन धमेचा को एनसीबी ने आर्यन खान और अरबाज मर्चेंट के साथ क्रूज पर छापेमारी के बाद पकड़ा था। आर्यन के साथ-साथ मुनमुन और अरबाज को भी बॉम्बे हाई कोर्ट ने 1 लाख रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दे दी थी। लेकिन मुनमुन धमेचा को 1 लाख का निजी मुचलका भरने में दिक्कत आ रही है, इसलिए अब उनके वकील अस्थायी नकद जमानत पर उनकी रिहाई के लिए अर्जी दाखिल करेंगे। हमारे सहयोगी टाइम्स ऑफइंडिया के मुताबिक, मुनमुन धमेचा के वकील ने अब अस्थायी नकद जमानत पर उनकी रिहाई के लिए बॉम्बे हाई कोर्ट के समझ अर्चेंट अर्जी दाखिल की है। मुनमुन धमेचा मध्य प्रदेश की रहने वाली हैं और उन्हें जमानत के लिए श्यॉरिटी अमाउंट की व्यवस्था करने में खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जस्टिस नितिन साम्ब्रे ने धमेचा के वकील से एप्लिकेशन फाइल करने औक वकेशन बेंच के समक्ष मामला उल्लेख करने करने के लिए कहा। बता दें कि हाई कोर्ट में मुनमुन धमेचा के वकील अली काशिफ खान देशमुख ने अपने मुवक्किल की गिरफ्तारी को अवैध ठहराया था। उन्होंने एनसीबी पर निशाना साधते हुए कहा था कि मुनमुन के पास से क्रूज पर कोई ड्रग्स बरामद नहीं हुए थे और न ही उन्होंने कोई सेवन किया था। बल्कि जब वह क्रूज पर पहुंचीं तो उसके चंद मिनट बाद ही एनसीबी छापेमारी के लिए पहुंच गई थी। खान ने यह भी कहा था कि मुनमुन धमेचा क्रूज पर जिस कमरे में थीं, वहां पर सौम्या सिंह और बलदेव नाम के दो और लोग मौजूद थे, लेकिन एनसीबी ने सिर्फ मुनमुन को हिरासत में क्यों लिया। **(एजेंसी)**

अमिताभ बच्चन ने पुनीत राजकुमार को श्रद्धांजलि दी, कहा: दुख शब्दों में बयां नहीं कर सकता

दिग्गज अभिनेता अमिताभ बच्चन ने कन्नड़ फिल्मों के जाने माने अभिनेता पुनीत राजकुमार को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि पुनीत के अचानक चले जाने से वह सदमे में हैं। 'अप्पू', 'वीरा कन्नडिगा' और 'मौर्य' जैसी फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले पुनीत राजकुमार का शुक्रवार को दिल का दौरा पड़ने से बेंगलुरु के एक अस्पताल में निधन हो गया था। वह 46 वर्ष के थे। पुनीत राजकुमार दिवंगत अभिनेता राजकुमार के बेटे थे।

बच्चन ने अपने ब्लॉग पर एक पोस्ट में कहा कि अपने दो करीबियों- पुनीत और एक पारिवारिक मित्र के निधन से वह बहुत दुखी हैं। उन्होंने लिखा, ''आज दो करीबी प्रियजनों का निधन हुआ। दुख को शब्दों में बयां नहीं कर सकता। एक की खबर तो बहुत ही चौंकाने वाली है।'' उन्होंने लिखा, ''कन्नड़ सिनेमा के दिग्गज अभिनेता राजकुमार के छोटे बेटे और अपने आप में एक सितारे पुनीत राजकुमार का आज निधन हो गया। वह महज 46 वर्ष के थे और इससे हम सभी बहुत सदमे में हैं। राजकुमार का परिवार हमेशा से बहुत करीबी रहा है। मेरी ओर से प्रार्थनाएं एवं संवेदनाएं।''

बच्चन ने ब्लॉग में बताया कि जिस अन्य करीबी की मौत हुई है वह एक पारिवारिक मित्र की मां थीं। डॉक्टरों ने बताया कि जिम में दो घंटे की कसरत के बाद सीने में दर्द की शिकायत करने पर पुनीत को विक्रम अस्पताल ले जाया गया था जहां कुछ देर बाद ही उनकी मौत हो गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन और केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन समेत अनेक लोगों ने पुनीत को श्रद्धांजलि दी। अभिनेता अजय देवगन, संजय दत्त, चिरंजीवी, महेश बाबू समेत कई अभिनेताओं ने भी पुनीत को श्रद्धांजलि दी।

'बिग बॉस 15' में पहुंचते ही कटरीना ने लगाई सलमान की क्लास, कहा- मेरे लिए गाना गाओ

'बिग बॉस 15' में इस 'वीकेंड का वार' एपिसोड में खूब धमाल मचने वाला है। एक तरफजहां होस्ट सलमान खान घरवालों की तगड़ी क्लास लेंगे, वहीं दूसरी ओर कटरीना कैफ(ज्ञंजतपदं ज्ञंपि) उनकी क्लास लेने पहुंचेंगी। मेकर्स ने आने वाले एपिसोड का प्रोमो रिलीज किया है, जिसमें सलमान और कटरीना के अलावा रोहित शेट्टी भी नजर आ रहे हैं। कटरीना और रोहित शेट्टी फिल्म 'सूर्यवंशी' के प्रमोट करने 'बिग बॉस' के घर पहुंचे। लेकिन मौका मिला तो कटरीना ने सलमान की क्लास भी लगा दी। उन्होंने रोहित शेट्टी से सलमान की शिकायत भी की। शेयर किए गए प्रोमो में दिखाया गया है कि रोहित शेट्टी जज बनते हैं और वो सलमान और कटरीना को सामने बिठाते हैं। इसके बाद कटरीना का शिकायत का सिलसिला शुरू होता है। कटरीना कहती हैं, 'ये शूट पे हमेशा लेट आते हैं।' यह सुनकर सलमान कहते हैं, 'कबूल है।' इसके बाद कटरीना कहती हैं कि सलमान को उनके लिए एक गाना, गाना होगा। इस पर सलमान 'ओ मेरे दिल के चौन' गाते हैं और साथ में फनी डांस करने लगते हैं। उनका डांस देख कटरीना की हंसी छूट पड़ती है। 'सूर्यवंशी' दिवाली के मौके पर 5 नवंबर को थिअटर्स में रिलीज हो रही है। फिल्म में कटरीना के अलावा अक्षय कुमार, अजय देवगन, रणवीर सिंह, जावेद जाफ्री, गुलशन ग्रोवर, जैकी श्रॉफ और निकितन धीर नजर आएंगे। **(एजेंसी)**